हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गुरु पूर्णिमा आज

haribhoomi.com जबलपुर, रविवार 21 जुलाई 2024

प्रदेश के विकास की 'नई उड़ान'

◆ जबलपुर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में चार हजार से ज्यादा निवेशक जुटे, सबसे वन-टू-वन चर्चा

17 हजार करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव, प्रदेश में अब सेना के टैंक भी बनेंगे

दूसरे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का शुभारंभ करते हुए सीएम डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर में टैक्सटाइल क्षेत्र में अति आधुनिक स्किल सेंटर की शुरुआत की जाएगी। इससे प्रदेश की लाखों बहनों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों के लिए रियायतों का पिटारा भी खोला।

कॉन्क्लेव में पांच देशों और देश के कई बड़े उद्योगपति शामिल हुए

टैक्सटाइल, रक्षा संस्थान के लिए टैंक निर्माण, फार्मा क्षेत्र और पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए उद्योग शुरू करने के मसौदे पर समझौते

सीएम डॉ. यादव ने प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और 38 इकाइयों का भूमि-पूजन किया। इससे निवेश 1,530 करोड़ का। 4,560 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा

प्रदेश के विभिन्न 10 स्थानों से जन-प्रतिनिधि लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रम से जुड़े। इनमें कुल 1500 करोड़ रुपए का निवेश होगा और 4500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा

औद्योगिक इकाइयों को कुल 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय-पत्र सौंपे गए। जिससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्य प्रदेश में निवेश के लिए बताया बेहतर माहौल

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

जबलपुर में शनिवार को आयोजित प्रदेश के दूसरे रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में पांच देशों और देश के कई बड़े उद्योगपति शामिल हुए। इस मौके पर टैक्सटाइल, रक्षा संस्थान के लिए टैंक निर्माण, फार्मा क्षेत्र और पर्यटन के क्षेत्र में नए-नए उद्योग शुरू करने के मसौदे पर समझौते हुए।

जबलपुर में टैक्सटाइल क्षेत्र में अति आधुनिक स्किल सेंटर की शुरुआत की जाएगी। इसमें विशेष रूप से प्रदेश की लाखों बहनों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने भी उद्योगपतियों के लिए रियायतों का पिटारा खोला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में कहा कि मप्र में अनेक क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना का कार्य प्राथमिकता से किया जाएगा।

महाकौशल को मिलने वाली सौगात

टैक्सटाइल एवं गारमेंट सेक्टर के लिए एक कौशल केंद्र प्लग एंड प्ले सेटअप के साथ विकसित किया जाएगा। इस सेंटर की मदद से नए औद्योगिक क्षेत्र से रोजगार का सृजन होगा।

अशोक लीलैंड के साथ हुआ करार

डॉ. यादव की मौजूदगी में 600 करोड़ रुपए के निवेश के लिए अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा हुआ। इस क्षेत्र में यह नया कदम है। यह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश है। साथ ही सहयोग क्षेत्र में विकास और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र में रक्षा संस्थान के लिए अब तक तोप निर्माण का कार्य होता रहा है। अब यहां सेना के लिए टैंक भी बनाए जाएंगे।

उद्योगपतियों को मप्र आने का दिया आमंत्रण

डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से आह्वान किया कि वे मप्र आएं। श्रम के क्षेत्र में भी मप्र में प्रोत्साहनकारी नीतियां हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक नए कार्य हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन वर्ष में विश्वविद्यालयों के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाया गया है। प्रदेश में सिर्फ 5 मेडिकल कॉलेज होते थे, जिनकी संख्या 25 होने जा रही है। प्रदेश में सघन वन क्षेत्र है। इस क्षेत्र में भी संभावनाओं को साकार किया जाएगा। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में 275 इकाइयां कार्य कर रही हैं। अकेले पीथमपुर में 60 इकाइयां हैं। हमारे प्रदेश से 160 से अधिक देशों को फार्मा प्रोडक्ट निर्यात किए जाते हैं। डॉ. यादव ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 150 प्रतिशत प्रोत्साहन के लिए हम तैयार हैं। प्रदेश में उद्योगों को पानी और बिजली की आपूर्ति पर विशेष राहत प्रदान की गई है। दो मेगा फूड पार्क आ रहे है। पहले से 8 फूड पार्क संचालित हैं।

कॉन्क्लेव में 5 सेक्टर्स एग्रो, माइंस, डिफेंस टूरिज्म और गारमेंट्स उद्योग पर फोकस

कॉन्क्लेव में 5 सेक्टर्स एग्रो, माइंस, डिफेंस, टूरिज्म और गारमेंट्स उद्योग पर फोकस किया गया। प्रमुख सचिव एमएसएमई डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने एमएसएमई और स्टार्ट अप की वर्तमान स्थिति, इकोनॉमी में योगदान, भविष्य की संभावनाओं और अवसरों पर प्रस्तुतिकरण दिया। महाकौशल क्षेत्र में एमएसएमई उद्योग के विभिन्न सेक्टर, एमएसएमई पॉलिसी के लाभ और निवेश प्रोत्साहन की विशेषताओं से अवगत कराया।

निवेशकों ने की घोषणाएं

- जॉयदीप मुखर्जी, सीईओ, हीडलबर्ग सीमेंट- 1500 करोड़ रुपए के निवेश का प्रस्ताव
- मप्र में सीएसआर गतिविधियों को बढ़ाने की योजना
- विनोद अग्रवाल, एमडी, वीईसीवी- अनुसंधान आधारित पहलुओं के लिए इंदौर में रिसर्च सेंटर विकसित करेंगे

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने दी जानकारी

ग्लोबल आउटेज के बाद देश के सभी एयरपोर्ट पर सेवाएं 'बहाल'

◆ मंत्रालय हवाई अड्डों और एयरलाइनों परिचालन पर लगातार निगरानी रख रहा है ताकि यात्रा और रिफंड का ध्यान रखा जा सके

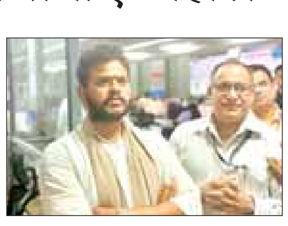

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नागरिक उड्डयन मंत्री के राममोहन नायडू ने कहा कि शुक्रवार को ग्लोबल आउटेज के कारण प्रभावित हुए हवाई अड्डों पर एयरलाइन सिस्टम ने सामान्य रूप से काम करना शुरू कर दिया है। जबकि कुछ बची हुई सेवाओं का शनिवार दोपहर तक समाधान कर लिया गया। उन्होंने कहा कि मंत्रालय हवाई अड्डों और एयरलाइनों परिचालन पर लगातार निगरानी रख रहा है ताकि यात्रा और रिफंड का ध्यान रखा जा सके। नायडू ने बयान में कहा शनिवार सुबह तीन बजे से सभी हवाई अड्डों पर एयरलाइन प्रणाली सामान्य रूप से काम करने लगी है।

अब उड़ान परिचालन सुचारू रूप से काम कर रहा है। गौर हो कि ऑनलाइन यात्री बुकिंग, रिजर्वेशन और बोर्डिंग सिस्टम को ग्लोबल आउटेज के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

स्कूल को ई-मेल पर भेजा गया मैसेज

इंदौर आईआईटी के सेंट्रल स्कूल को मिली बम से उड़ाने की धमकी

◆ ईमेल में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को स्कूल को बम से उड़ा दिया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ इंदौर

इंदौर स्थित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के कैंपस में स्थित सेंट्रल स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। ईमेल में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को स्कूल को बम से उड़ा दिया जाएगा।

पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आईआईटी कैंपस में स्थित पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय को शुक्रवार शाम को एक ईमेल मिला है। इसे लेकर विद्यालय प्रबंधन ने शनिवार सुबह सिमरोल पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है। डीएसपी (हेडक्वार्टर) उमाकांत चौधरी ने कहा कि सिमरोल पुलिस थाने को विद्यालय प्रबंधन की ओर से शिकायत मिली है। स्कूल को जो ईमेल भेजा गया है, वह पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेस इंटेलिजेंस (आईएसआई) नाम पर बने आईडी से भेजा गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट में देश का पहला हाइब्रिड कोर्ट रूम शुरू

कोर्ट में जिरह सुनकर टाइप करेगा कंप्यूटर, दिल्ली की सभी अदालतों को मिलेगी एआई की सुविधा

जजों का को-पायलट बनेगा एआई, स्टेनोग्राफर से भी ज्यादा होगी गति

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने पहला पायलट हाइब्रिड कोर्ट रूम शुरू किया है जिसमें 'स्पीच टू टैक्स्ट' की सुविधा है। इसका उद्घाटन चीफ जस्टिस मनमोहन, जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टि राजीव शखदर ने किया। उद्घाटन के बाद जस्टिस राजीव शखधर ने कहा कि जो काम पहले जज मैन्युअल रूप से करते थे वह काम अब मशीन करेगा। यह मशीन एक वरदान है।

लोगों को जल्द न्याय दिलाना उद्देश्य

अदालत एआई ऐप के सह-संस्थापक उत्कर्ष श्रीवास्तव ने कहा कि यह ऐप कोर्ट के बैकलॉग को घटाने के लिए तैयार किया गया है और समय से न्याय मिले, इसके लिए इस टेक्नोलॉजी को पेश किया गया है। दो तरह के कोर्ट होते हैं एक जहां स्टेनोग्राफर हैं लेकिन रियल टाइम में टाइप करना मुश्किल होता है। जहां स्टेनोग्राफर है उनके लिए यह उनका साथी बनेगा। और जहां नहीं हैं जहां जज खुद हाथ से लिखते हैं। यह उनका साथ देगा। उनका को-पायलट बनेगा।

स्टेनोग्राफरों की कमी होगी दूर

हाइब्रिड इसलिए क्योंकि कामकाज पहले की तरह हाथों से तो होगा ही इसमें एआई को और शामिल कर लिया गया है। इसमें ऐसी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है जिसमें बोले गए शब्दों को सुनकर कम्प्यूटर टाइप कर देता है। हाइब्रिड कोर्ट रूम के उद्घाटन के मौके पर एक्टिंग जस्टिस मनमोहन ने कहा- सभी जज बड़ी संख्या में स्टेनोग्राफर की मांग कर रहे हैं एआई से समस्या का समाधान काफी हद तक हो जाएगा।

4 मंजिला बिल्डिंग की बालकनी गिरने से महिला की मौत, 3 घायल

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दक्षिण मुंबई में शनिवार को ग्रैंड रोड रेलवे स्टेशन के पास स्थित 4मंजिला रिहाइशी इमारत की बालकनी का कुछ हिस्सा ढहने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि 3 अन्य लोग घायल हो गए।

दमकल विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि रुबिन्निसा मंजिल नामक इमारत ग्रैंड रोड रेलवे स्टेशन के पास स्लीटर रोड पर स्थित है। उन्होंने कहा कि घटना सुबह करीब 11 बजे हुई। यह महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) की पुरानी इमारत है, जिसे बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने खतरनाक घोषित किया है। उन्होंने कहा कि इस इमारत को पहले भी नोटिस जारी किया गया था।

मुंबई में भारी बारिश बनी जानलेवा

रायगढ़ में रेड अलर्ट, रत्नागिरी में भी भारी बारिश की चेतावनी

भारी बारिश से राज्य में जगह-जगह जलभराव की होने से कई जगहों पर बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। आईएमडी ने लोगों को सलाह दी है कि वे अनावश्यक रूप से घर से बाहर नहीं निकलें। शनिवार को चंद्रपुर के लिए 'रेड' अलर्ट तथा नागपुर, अमरावती और वर्धा जिलों के लिए 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया है। विभाग ने 24 जुलाई तक पूरे राज्य में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। रायगढ़ में 21-23 जुलाई तक के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। रत्नागिरी में भी 21 और 22 जुलाई के लिए रेड अलर्ट है।

ठहरी मुंबई, बाढ़ का बढ़ा खतरा

भारी बारिश के कारण भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई शनिवार को थम सी गई। यहां कल रात भर और आज सुबह से बारिश जारी है। इससे जल्द राहत मिलने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही। सार्वजनिक परिवहन सेवाएं थप हो गई हैं। लगातार बारिश के कारण सड़कों और रेलवे पटरियों पर पानी भर गया है, जिससे उपनगरीय ट्रेन सेवाओं में देरी हो रही है। ट्रेनें निर्धारित समय से 15 से 20 मिनट की देरी से चल रही हैं। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह 11 बजकर 28 मिनट पर समुद्र में 4.24 मीटर तक ऊंची लहरें देखी जाएंगी। वहीं, भारी बारिश भी हो रही है। ऐसे में बाढ़ आने का खतरा बढ़ सकता है।

उत्तर भारत में भी बारिश से परेशानी बढ़ी

मसूरी में मंदिर का पुश्ता ढहा, गढ़वाल में सड़कें बंद

मसूरी। बारिश आफत बनकर बरस रही है। मूसलाधार बारिश से मसूरी में मंदिर का पुश्ता ढह गया, जिससे मॉल रोड पर मलबे का ढेर लग गया। गढ़वाल में भी कई सड़कें बंद होने से आवाजाही ठप हो गई है। मसूरी में हुई मूसलाधार बारिश से भारी भूस्खलन होने के कारण कोतवाली परिसर में स्थित मंदिर, सात रिक्शे, दो बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। मॉल रोड की दीवार पर बना भगवान बद्रीनाथ का भित्तिचित्र भी टूटकर गिर गया।मलबे की चपेट में पुलिस कर्मियों के निजी वाहन मोटर साइकिल भी आ गए। कोतवाल अरविंद कुमार चौधरी ने बताया कि जेसीबी से मलबे को मालरोड़ से साइड में किया गया और यातायात के लिए सड़क खोल दी।

कई सड़कें जाम आवाजाही रुकी

बारिश से देवाल में दो सड़कें बंद हो गईं। देवाल-लोहजंग पिलखड़ा में और देवाल-खेता सुयालकोट में मलबा आने से सड़क बंद है। वहीं अलकनंदा नदी का स्तर चेतावनी स्तर से एक मीटर नीचे है।चमोली जिले में थराली के ग्रामीणों द्वारा प्रणमति नदी पर बनाई गई अस्थाई पुलिया फिर बह गई है।

आईएमडी की तूफान की चेतावनी

'लोपार' मचाएगा तबाही

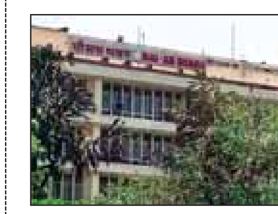

बंगाल की खाड़ी में उपजा एक निम्न दाब का चक्रवात अब तूफान बन चुका है। मौसम विज्ञान विभाग ने ताजा बुलेटिन में कहा है कि उत्तर-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र शुक्रवार को दक्षिण ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश तट के क्षेत्र में एक दबाव क्षेत्र में बदल गया। फिलहाल यह दबाव, गोपालपुर से लगभग 130 किमी पूर्व में केंद्रित है और इसके उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और शनिवार की दोपहर में पुरी के पास ओडिशा तट को पार करने का अनुमान है। इस तूफान को लोपार नाम दिया गया है।

खबर संक्षेप

सोनीपत से कांग्रेस विधायक पंवार रिमांड पर

अंबाला। सोनीपत से कांग्रेस विधायक सुरेंद्र पंवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। चुनाव से पहले

ईडी की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। ईडी सुरेंद्र पंवार को अंबाला कोर्ट लेकर पहुंची। यहां सुरेंद्र को कोर्ट में पेश किया गया। यह गिरफ्तारी अवैध खनन को लेकर की गई है। वहीं कोर्ट ने सुरेंद्र पंवार को 9 दिन के रिमांड पर भेजा है। रोज मेडिकल के आदेश दिए हैं।

मंत्री जितिन के काफिले की गाड़ियां टकराईं

पीलीभीत। यूपी के पीलीभीत में शनिवार को हादसा हो गया। पीलीभीत से सांसद और केंद्रीय

राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के काफिले की गाड़ी अचानक से टकरा गई। जिससे गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है। जितिन प्रसाद अपने काफिले के साथ मझोला से बहरवा जा रहे थे। रास्ते में काफिले की एस्कॉर्ट ने एकाएक ब्रेक ले लिया।

मुंबई को अडाणी सिटी नहीं बनने देंगे: उद्धव

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने प्रेस कान्फ्रेंस कर राज्य सरकार पर जमकर

हमला बोला। इस दौरान 'अडानी धारावी प्रोजेक्ट' उनके निशाने पर रहा। ठाकरे ने कहा कि हम मुंबई को अडानी सिटी नहीं बनने देंगे। उद्धव ने कहा कि लाडली बहना और कई योजनाओं के नाम से जनता को आकर्षित करने का काम किया जा रहा है। लोगों को गुमराह कर रहे।

दुष्कर्म के बाद हत्या के दोषी की फांसी पर रोक

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 में केरल में लॉ छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या के दोषी व्यक्ति

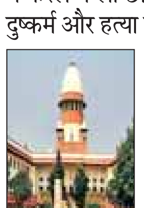

को मौत की सजा पर फिलहाल रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने केरल उच्च न्यायालय के 20 मई के फैसले को चुनौती देने वाली दोषी की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पहले ट्रायल कोर्ट ने सजा दी थी।

संसदीय दल के नेता चुने गए पटनायक

नई दिल्ली। ओडिशा के पूर्व सीएम और हिंजली के विधायक नवीन पटनायक बीजेडी संसदीय

दल के नेता चुने गए हैं। संसदीय दल का नेता एक पद है, जो पार्टी के राज्यसभा और लोकसभा सांसदों के नेता होते हैं। हालांकि, नवीन पहले नेता नहीं हैं, जो सांसद न होते हुए भी संसदीय दल के नेता चुने गए हैं। नवीन से पहले ममता बेनर्जी संसदीय दल की नेता चुनी गई थीं।

कांवड़ यात्रा नेम प्लेट मामले पर सियासत गरमाई

नाम लिखने वाले आदेश का ब्रज के संतों ने किया समर्थन, 'आधार' की भी बात उठाई

एजेंसी ▶▶ वृंदावन

यहां के रमणरेती स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में शुक्रवार को हनुमान टेकरी के अधिकारी महंत दशरथ दास महाराज की अध्यक्षता में एक धर्म सभा का आयोजन किया गया। इसमें सीएम योगी आदित्यनाथ द्वारा पूरे उत्तर प्रदेश में सभी दुकानों, होटल-ढाबों, ठेली एवं कार्यस्थलों पर दुकान का नाम और दुकान के मालिक का नाम अनिवार्य रूप से लिखने के आदेश का स्वागत किया गया।

धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की तरह पूरे भारत में फल-सब्जी की दुकानों पर होटल-ढाबों, भोजनालयों एवं व्यापारिक स्थलों पर दुकान का पूरा नाम एवं मालिक का नाम अनिवार्य रूप से लिखने का नियम लागू होना चाहिए। उन्होंने कहा कि संपूर्ण उत्तर प्रदेश में घनश्याम हो या इमरान सबको लिखना होगा नाम। हालांकि इस पर अब सियासत भी तेज हो गई है। कई दल विरोध में उतर आए हैं।

हनुमान टेकरी के महंत दशरथ दास महाराज की अध्यक्षता में बैठक

घनश्याम हो या इमरान सबको लिखना होगा नाम

यह निर्णय स्वागत योग्य: दशरथ दास महाराज

हनुमान टेकरी के अधिकारी महंत दशरथ दास महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री का नाम लिखने वाला निर्णय स्वागत योग्य है। स्वामी सत्यमित्रानंद महाराज ने कहा कि दुकानों पर सिर्फ नाम लिखने से काम नहीं चलेगा, बल्कि साथ में दुकान मालिक का आधार कार्ड भी लगाया जाना चाहिए। धर्म रक्षा संघ के मार्गदर्शक महंत मोहिनी बिहारी शरण, स्वामी डॉ. आदित्यानंद महाराज, महंत देवानंद परमहंस, महंत शिव बालक दास, राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति, सुशैन आनंद, महंत मोहनदास, महंत नृसिंहदास, महंत कृष्णदास आदि उपस्थित रहे।

मदनी ने बुलाई कानूनी बैठक

नई दिल्ली। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कांवड़ यात्रा के रूट पर धार्मिक पहचान स्पष्ट करने वाले आदेश पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे धर्म की आड़ में राजनीति के नए खेल की संज्ञा दी और कहा कि यह भेदभावपूर्ण और सांप्रदायिक फैसला है। इस फैसले से देश विरोधी तत्वों को लाभ उठाने का अवसर मिलेगा। इससे संविधान में दिए गए नागरिकों के मूल अधिकारों का उल्लंघन होता है। इसके विरोध में उन्होंने कानूनी बैठक भी की।

ओवैसी और सिब्बल ने योगी सरकार को घेरा

विकसित भारत पर उठाए सवाल

कांवड़ मार्गों की खाने-पीने की दुकान पर संचालकों का नाम और पहचान अनिवार्य कर दिए जाने से दुकानदारों में बेचैनी बढ़ गई है। इस आदेश को लेकर शनिवार को भी विपक्ष के नेताओं की ओर से टिप्पणियां सामने आती रहीं। वहीं एक तरफ नेताओं के बीच जुबानी जंग छिड़ी और दूसरी तरफ दुकानों के बाहर नाम प्रदर्शित करने का सिलसिला जारी रहा। एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, यूपी के कांवड़ मार्गों पर खौफ, यह भारतीय मुसलमानों के प्रति नफरत की वास्तविकता है। इस नफरत का श्रेय राजनीतिक दलों, हिंदूवादी नेताओं और तथाकथित धर्मनिरपेक्ष पार्टियों को जाता है।वहीं कपिल सिब्बल ने भी एक्स अकाउंट पर लिखा, यूपी में सड़क किनारे ठेलों और भोजनालयों को मालिकों के नाम प्रदर्शित करने का निर्देश दिया गया है। क्या यह 'विकसित भारत' का रास्ता है। विभाजनकारी एजेंडे से देश बंटेगा।

दो समुदायों के बीच खाई पैदा कर रही सरकार सपा के पूर्व सांसद हसन ने कहा

सपा के पूर्व सांसद डॉ. एसटी हसन ने कहा कि भाजपा उत्तर प्रदेश का माहौल खराब करना चाहती है, ताकि विधानसभा उपचुनाव में उसे लाभ मिल सके। हमारे देश के हिंदू-मुस्लिम वर्षों से साथ खाते-पीते आ रहे हैं। सरकार उनके बीच नफरत फैलाना चाहती है। लेकिन सरकार अपने मकसद में कामयाब नहीं होगी। दो समुदायों के बीच खाई पैदा की जा रही है।

मोहब्बत की दुकान, नो हिंदू-मुसलमान' पोस्ट जारी

प्रयागराज। योगी सरकार के आदेश को लेकर सियासत शुरू हो गई है। विपक्षी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के इस आदेश का विरोध शुरू कर दिया है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से शहर में जगह-जगह पोस्टर लगाए जा रहे हैं.।पोस्टर पर लिखा है कि 'मोहब्बत की दुकान नो हिंदू-मुसलमान।'पोस्टर में रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की तस्वीर भी छपी हुई है। कांग्रेस के स्थानीय नेता इरशाद उल्ला की ओर से यह अभियान चलाया जा रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज पर सीजेआई बोले

हमने प्रौद्योगिकी पर निर्भर होने का 'बुरा असर' देखा

मदुरै में एक समारोह का उद्घाटन करते कहा

एजेंसी ▶▶ मदुरै

मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै पीठ की स्थापना को 20 साल पूरे हो गए हैं। इसीअवसर पर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने एक समारोह का उद्घाटन किया।

उन्होंने शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के अपडेट में आई तकनीकी खामी के कारण दुनियाभर में मची उथल-पुथल पर भी बात की। उन्होंने कहा कि उड़ानें रद्द होने के बाद भी यह मदुरै के लोगों का प्यार है, जिसकी वजह से आज यहां मौजूद हूं। सीजेआई ने कहा कि मैं प्रौद्योगिकी में विश्वास करता हूं, लेकिन पिछले दिन हमने प्रौद्योगिकी पर निर्भर होने के बुरे असर देखे। हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ा। उड़ानें रद्द कर दी गईं।

'शाश्वत न्याय' 'कभी नहीं सोता

उन्होंने कहा कि मदुरै को थुंगा नगरम या ऐसा शहर कहा जाता है जो कभी नहीं सोता क्योंकि इसके बाजार हमेशा लोगों के लिए खुले रहते हैं। यह शहर वाकई यहां आने वाले सभी लोगों को बहुत कुछ देता है। यह इस महान शहर की आमंत्रित करने वाली और मेहमाननवाज संस्कृति को दर्शाता है। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि मद्रास उच्च न्यायालय की स्थायी पीठ के लिए मदुरै को चुना गया। इस अर्थ में, मदुरै एक शाश्वत प्रतीक है कि न्याय कभी नहीं सोता।

मद्रास के स्मार्ट जज को चुरा लिया

इस दौरान सीजेआई ने जस्टिस महादेवन का जिक्र किया। महादेवन को हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में जज नियुक्त किए गया है। इससे पहले वे मद्रास हाई कोर्ट के पूर्व कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश थे। सीजेआई ने कहा किभाई जस्टिस महादेवन के शपथ ग्रहण के बाद तमिलनाडु के वकीलों का एक बड़ा ग्रुप एकत्रित हुआ था। मैं उनके पास गया और उनसे माफी मांगी। मैंने माफी मांगते हुए कहा कि मुझे खेद है कि मैंने मद्रास के सबसे बेहतरीन जजों में से एक को चुरा लिया है।

सिकंदरपुर गांव में आपत्तिजनक नारा लगाने पर तनाव

50 राउंड फायरिंग की, एक ही पक्ष के दो समुदाय भिड़े, छात्र की मौत

एजेंसी ▶▶ चैनपुर (कैमूर)

कैमूर के सिकंदरपुर गांव में आपत्तिजनक नारा लगाने पर एक ही समुदाय के दो पक्षों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के बाद ताबड़तोड़ लगभग 50 राउंड गोली चल गई। इसमें इंटर के एक छात्र की मौके पर ही मौत हो गई, दो लोग गोली लगने से गंभीर रूप से घायल हैं।

गांव में स्थिति तनावपूर्ण है। मोहर्रम माह की नवमी तारीख को रात में जुलूस के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों के द्वारा आपत्तिजनक नारा लगाया जा रहा था। जिस पर प्रथम पक्ष के लोगों के द्वारा विरोध किया गया और कहा गया कि ताजिया बैठाने के लिए सभी कागजात प्रथम पक्ष के लोगों का जमा है औरआपत्तिजनक नारा लगाने पर अगर कोई घटना होती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा।?

भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती

तनाव के बाद भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। मृतक ग्राम सिकंदरपुर फुलवरिया टोला वार्ड छह निवासी इलियास शाह का 24 वर्षीय पुत्र अनीश शाह बताया जाता है। घायलों में उसी मोहल्ले के निवासी स्व.अतिउल्लाह शाह के 60 वर्षीय पुत्र मेहराब शाह एवं स्व. बंशी प्रजापति के 70 वर्षीय पुत्र मूसा प्रजापति शामिल हैं।

सुवेंदु अधिकारी ने दिखाई भीड़ को चप्पल, वीडियो वायरल

टीएमसी ने किया वीडियो पोस्ट

कोलकाता। हाल ही हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा को पश्चिम बंगाल में पराजय देखनी पड़ी थी। इस हार के बाद भाजपा के वरिष्ठ नेता और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी अपने बयान की वजह चर्चाओं में हैं। उन्होंने जो हमारे साथ हैं, हम उनके साथ हैं बयान देकर सियासी गलियारों में हलचल पैदा कर दी थी। इस बीच उनका भीड़ को चप्पल दिखाने वाला एक वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। उनके राजनीतिक विरोधी जमकर तंज कस रहे हैं। शुक्रवार को नदिया जिले के गंगापुर का दौरा किया था। तृणमूल कांग्रेस के महासचिव नीलांजन दास ने सुवेंदु का एक वीडियो अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है।

'पौधरोपण' करतीं हेमामालिनी

मथुरा। भाजपा सांसद हेमा मालिनी ने शनिवार को मथुरा में 'पौधरोपण जन अभियान' के तहत एक पौधा लगाकर उस पर पानी दिया।

रांची में गृहमंत्री शाह ने 'लैंड जिहाद' का भी किया जिक्र

आदिवासियों के हक पर डाका डाल रहे घुसपैठिए

एजेंसी ▶▶ रांची

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को रांची में झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान का शंखनाद किया। प्रभात तारा मैदान में भाजपा की विस्तृत कार्यसमिति की सभा में कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए उन्होंने हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आह्वान किया।

शाह ने कहा कि हेमंत के नेतृत्व में चल रही झामुमो-कांग्रेस-राजद की सरकार देश की सबसे भ्रष्ट सरकार है। इस सरकार में 1000 करोड़ का मनरेगा घोटाला, 1000 करोड़ का खनन घोटाला, 300 करोड़ का जमीन घोटाला हुआ। कांग्रेस के एक सांसद के घर से 300 करोड़ और मंत्री के पीए के घर से 30 करोड़ मिले। यह भ्रष्टाचार से इकट्ठा किया गया पैसा है।

भाजपा के चुनाव अभियान का शंखनाद

प्रभात तारा मैदान में कार्यसमिति की सभा में संवाद किया

अपना कल्याण कर रहे हेमंत

शाह ने कहा कि हेमंत के लिए आदिवासी कल्याण का मतलब सिर्फ अपने परिवार का कल्याण करना है। यह भाजपा ही है, जिसने आदिवासी के बेटे बाबूलाल मरांडी को राज्य का पहला सीएम बनाया था। आदिवासी बहन द्रौपदी मुर्मू को देश के राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर पहुंचाया। वाजपेयी की सरकार ने संताली को आठवीं अनुसूची में शामिल कराया था।

शिवराज और हिमंत ने ये कहा

केंद्रीय कृषि मंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार ने राज्य को हत्या, लूट, बलात्कार, अपराध और भ्रष्टाचार के मामले में देश में नंबर एक बना दिया है। जिन सहायक पुलिसकर्मियों की सेवा उन्होंने स्थायी करने का वादा किया था, उन पर लाठियां बरसाई गईं। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, झारखंड के भाजपा प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी सहित अन्य नेताओं ने भी सभा को संबोधित किया।

हरियाणा चुनाव में आप की 5 गारंटियां

यहां माताओं-बहनों को हर महीने दिए जाएंगे 1000 रु.

एजेंसी ▶▶ पंचकूला

हरियाणा में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने अपनी तैयारियां शरू कर दी हैं। दिल्ली-पंजाब की तरह आप अब हरियाणा में भी सेम मॉडल लाने की कोशिश कर रही है।

पंचकूला के इंद्रधनुष ऑडिटोरियम में आप ने 5गारंटी लांच की हैं। पंजाब के सीएम भगवंत मान, सुनीता केजरीवाल और राज्यसभा सांसद संजय सिंह साथ रहे। आप ने हरियाणा में भी कई सुविधाओं को फ्री में देने की गारंटी दी है। इसमें बिजली, शिक्षा और

स्वास्थ्य सेवाएं भी शामिल हैं। प्रदेश की सभी माताओं-बहनों को हर महीने एक निश्चित धनराशि देने की भी गारंटी दी है। 24 घंटे मुफ्त बिजली, सबको अच्छा और फ्री इलाज,अच्छी और फ्री शिक्षा की गारंटी,सभी माताओं-बहनों को हर महीने 1000 रुपए और हर युवा को रोजगार दिया जाएगा।

जबलपुर
रविवार 21 जुलाई 2024
आषाढ मास शुक्ल पक्ष-पूर्णिमा
वर्ष : 19, अंक : 82
पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *
मौसम
अधि. 32
न्यून. 27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

गुरु पूर्णिमा आज

आज गुरु पूर्णिमा है। गुरु ही किसी का भी जीवन पूर्ण करता है। गुरु की भगवान से भी बड़ी पदवी है। वे ही शिष्यों को भगवान से साक्षात कराते हैं। गुरु- शिष्य की महिमा हर युग में गाई जाती है। गाई जाती रहेगी। पर इन दिनों गुरुओं की छवि पर एक बड़ा संकट आन पड़ा है। कई अवांछित लोग गुरु भेष में आ गए हैं। गुरु समाज के पास इसका क्या समाधान है? क्या रास्ता है? हरिभूमि ने चार बड़े गुरुओं से यही सवाल किया।

अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा

जो 'ईश्वर' बनकर भक्तों को अपने अहंकार में लेता है, वह हानिकारक

भक्तों को हर समय अपने शुद्ध नेत्रों से गुरु का चयन करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जो गुरु समाज को ईश्वर से जोड़ता है वही इस देश का उत्थान कर सकता है। गुरु हर समय अपने भक्तों को ईश्वर से जोड़ने वाला होता है और जो ईश्वर बनकर भक्तों को अपने अहंकार में लेता है, वह गुरु समाज के लिए हानिकारक होता है।

भक्तों को हर समय अपने शुद्ध नेत्रों से गुरु का चयन करना चाहिए। समाज को जागरुक करने के लिए संत हमेशा तत्पर रहते हैं। आडंबरों से दूर रखते हैं। ऐसे ही सिद्धांतों से गुरु की समाज सम्मानीय छवि बनती है। गुरुजनों को हमेशा इन बातों का ध्यान रखना चाहिए। श्रेष्ठ कथा वाचक, माता-पिता, संत, शिक्षक और गुरु यह हमें ईश्वर से जोड़ते है। अगर समाज मे गुरु न हो तो जीवन व्यर्थ है, गुरु कोई भी हो सकता है। कहते है कि मां पिता एक बच्चे के जीवन के प्रथम गुरु होते है और यह पूर्णतया सत्य है। अगर घर से ही शिक्षा न मिले तो आगे जाकर जिंदगी कष्ट में कटेगी ओर आप समाज मे किसी भी कार्यक्षेत्र में सफल नहीं हो सकते।

श्री राम कथा की प्रख्यात प्रवचनकार मंदाकिनी दीदी

आज कोई भी भगवान बनकर घूम रहा, इस 'पाखंड' से बचना ही होगा

ईश्वर की सृष्टि में मनुष्य का शरीर ही एक बड़ा चमत्कार है

हरिभूमि न्यूज ⏭ अयोध्या

गुरुओं की छवि पर आए संकट पर श्री राम कथा की प्रख्यात प्रवचनकार मंदाकिनी दीदी ने कहा कि महाराज श्री वाणी और लेखनी से लोगों को साधना की ओर लेकर आए हैं। महाराज श्री चमत्कार से कोसों दूर हैं। उन्होंने कहा कि चमत्कार तो होते हैं, ईश्वर की सृष्टि में मनुष्य का शरीर ही एक चमत्कार है, लेकिन चमत्कार और गुरु के नाम पर पाखंड फैलाने वालों का बहिष्कार होना चाहिए। ये गुरुओं के नाम पर कलंक लगाने वाले लोग हैं। अगर लोगों को लाभ हो रहा है तो अच्छी बात है, लेकिन पाखंड फैलाने वाले लोगों से बचना होगा। चमत्कार के नाम पर हमेशा लोग गुमराह हो जाते हैं, इसलिए सच्चे और झूठे गुरुओं की पहचान करना आज के युग में जरूरी है। लोगों को सही मार्ग की पहचान करना चाहिए। एक गुरु की कथा सुनने गए लोगों के साथ एक दुखद घटना हो जाती है, जो कि बहुत दुख की बात है। कलयुग में संत कौन कहा जाएगा, आपको भी पहचानना होगा। आज कोई भी भगवान बनकर घूम रहा है, इसलिए कलंक और पाखंड फैलाने वाले लोगों से बचना चाहिए, राम नाम की साधना को पहचानना होगा।

महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज

टीवी के बाबा और वास्तविक बाबा इसका फर्क तो समझना पड़ेगा

ढोंगी साधु-संतों का संत समाज को पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ⏭ मथुरा

महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि हम यही चाहते हैं कि इस तरह के ढोंगी साधु-संत जो कि अन्य सच्चे साधु-संतों की छवि खराब करने का काम करते हैं, उनके खिलाफ यहां के धर्म नगरी के भी सभी धर्म गुरुओं और साधु-संतों को बैठक करके इनका पूर्ण बहिष्कार करना चाहिए क्योंकि, जो सच्चे साधु-संत धर्म गुरु हैं वो तो लोगों की पहुंच से दूर होते हैं। मगर ढोंगी बाबा जो होते है वो अपना दिखावा करके फेमस होते हैं और अन्य लोगों की छवि खराब करने का काम करते हैं । इसी के साथ कार्ष्णी नागेंद्र महाराज ने बताया कि जो भक्त हैं उन्हें ये पहचान होनी चाहिए कि वास्तव में कौन सच्चा संत है? कौन साधु है और कौन नहीं? हमारे ब्रज में कहावत है कि पानी पीयो छान कर और गुरु बनाओ जान कर। तो जो लोग आपको तंत्र-मंत्र या पाखंड दिखाएं उससे दूरी बनाए रखें यही उचित है। अभी गुरुओं के नाम पर बहुत सारे लोगों ने अपने समूह बना लिए हैं। वे तो मीडिया की उपज हैं। उनका धर्म से क्या लेना-देना? टीवी के बाबा और वास्तविक बाबा इसका फर्क समझना होगा।

आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रविशंकर

गुरु जानकारी नहीं देता, आपके भीतर 'जीवनी शक्ति' भरता है

दीक्षा का अर्थ 'बुद्धिमत्ता का शिखर' प्रदान करना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

'गुरु पूर्णिमा' वह दिन है, जिस दिन शिष्य अपनी 'संपूर्णता' के प्रति सजग होता है। इस दिन शिष्य अपनी 'संपूर्णता' की सजगता में गुरु और ज्ञान के प्रति कृतज्ञता से भरा हुआ होता है लेकिन उसकी कृतज्ञता 'द्वैत' की नहीं होती, वह कृतज्ञता 'अद्वैत' के प्रति होती है। ऐसी ही एक कहानी है।

एक गुरु जी थे। उनके पास बहुत से लोग कुछ न कुछ समस्या लेकर आते रहते थे। एक बार कोई व्यक्ति उनके पास आया और उसने कहा कि 'मै अपनी परीक्षा में असफल हो गया और इसलिए बहुत दुःखी हूं।' तो गुरु जी ने उससे कहा कि 'अरे तुम बड़े भाग्यशाली हो जो तुम्हारे साथ ऐसा हुआ, अब तुम और अच्छे से पढ़ाई करोगे। फिर एक और व्यक्ति आए। उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी मुझे छोड़कर चली गई है, गुरु जी ने उन्हें भी वही उत्तर दिया कि 'तुम बड़े भाग्यशाली हो, कम से कम अब तुम्हें इस बात का ज्ञान होगा कि स्त्रियों से कैसा व्यवहार करना चाहिए।' सबसे बाद में एक शिष्य आया और उसने कहा कि गुरुदेव 'मैं' बहुत भाग्यशाली हूं क्योंकि 'आप' मेरे जीवन में हैं, गुरु जी ने उससे कुछ कहा नहीं बल्कि जोर से एक थप्पड़ लगाया। वह शिष्य आनंद से नाचने लगा।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

रामलाल के पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू

अयोध्या। रामलला के पुजारियों के लिए ड्रेस कोड लागू कर दिया है। पुजारी अब सफेद धोती व पीली चौबंदी में नजर आएंगे। ट्रस्ट की ओर से जल्द ही सभी पुजारियों को ड्रेस उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही रामलला की पूजा-अर्चना करने वाले सभी 25 पुजारियों को राममंदिर ट्रस्ट की ओर से की-पैड फोन दिया गया है।

केले से भरा ट्रक पुलिया से गिरा, दो की मौत

देवास। केले से भरा ट्रक तेज रफ्तार के चलते अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गया और 25 फीट नीचे जा गिरा। हादसे में ट्रक के परखच्चे उड़ गए। घटना एबी रोड़ स्थित पुलिस चौकी टोंककलां क्षेत्र की है। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को बाहर निकाला गया।

पूर्व मंत्री गोविंद सिंह की कोठी नपी, विरोध हुआ

भिंड। लहार में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और डॉ. गोविंद सिंह की कोठी की नपती की गई है। राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ कोठी के अंदर घुसी। समर्थकों ने विरोध किया। तनाव की स्थिति बनी। लहार एसडीएम विजय सिंह यादव ने सहयोग की अपील की।

जय संतोषी मां के निर्माता रोहरा का निधन

मुंबई। साल 1975 में आई सुपरहिट और रिकॉर्ड ब्रेकिंग फिल्म 'जय संतोषी मां' के प्रोड्यूसर दादा सतराम रोहरा अब इस दुनिया में नहीं हैं। उनका 85 साल की उम्र में निधन हो गया। सिंधी समुदाय में दादा सतराम रोहरा का बड़ा नाम था। रेडियो सिंधी ने रोहरा के निधन की जानकारी दी।

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर विवाद के बीच...यूपीएससी में हलचल तेज

यूपीएससी अध्यक्ष मनोज सोनी का इस्तीफा! 2029 तक था कार्यकाल

यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी (59) ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा है। मनोज सोनी का कार्यकाल 2029 में समाप्त होने वाला था।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

ट्रेनी आईएएस पूजा खेडकर को लेकर चल रहे विवाद के बीच बड़ी खबर सामने आई है। यूपीएससी के अध्यक्ष मनोज सोनी (59) ने इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा होने से पहले अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को भेजा है। मनोज सोनी का कार्यकाल 2029 में समाप्त होने वाला था।

हालांकि, सूत्रों को कहना है कि मनोज सोनी के इस्तीफे का मसला पूजा खेडकर से जुड़ा नहीं है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के सूत्र के अनुसार उनका इस्तीफा अभी स्वीकार नहीं किया गया है। सोनी ने 2017 में यूपीएससी में बतौर सदस्य ज्वॉइन किया था। 16 मई, 2023 को उन्हें यूनियन पब्लिक सर्विस कमीशन का अध्यक्ष बनाया गया।

हालांकि, सूत्रों को कहना है कि मनोज सोनी के इस्तीफे का मसला पूजा खेडकर से जुड़ा नहीं है

» इस्तीफे का कारण निजी व पारिवारिक बताया गया

» इस्तीफा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है

यूपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के नतीजे घोषित

संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में योग्य घोषित उम्मीदवारों के नतीजे रोल-नंबर के आधार पर घोषत कर दिए हैं। कुल 14,627 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए योग्य घोषित हुए हैं। यूपीएससी ने यूपीएससी सीएसई 2024 के लिए बेंचमार्क विकलांगता श्रेणी (पीडब्ल्यूबीडी) वाले व्यक्तियों के लिए आरक्षित 40 रिक्तियों सहित लगभग 1,056 रिक्तियों की घोषणा की। यूपीएससी आईएएस प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम 1 जुलाई को घोषित किए गए थे और योग्य उम्मीदवारों को 12 जुलाई तक यूपीएससी सीएसई मुख्य परीक्षा 2024 के लिए विस्तृत आवेदन पत्र- I (डीएएफ- I) जमा करने के लिए कहा गया था।

उधर, नीट परिणाम में फिर चौंकाने वाले नंबर

राजकोट में 12, सीकर में 8 छात्रों के 700 प्लस नंबर

- सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार शनिवार दोपहर एनटीए ने परिणाम जारी कर दिया
- नीट विवाद मामले पर सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 22 जुलाई को

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

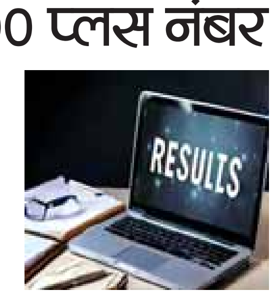

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के सिटी और सेंटर वाइज नीट यूजी 2024 के रिजल्ट ऑनलाइन अपलोड करने के बाद चौंकाने वाले आंकड़े सामने आए हैं। राजकोट सेंटर पर 12 छात्रों के नंबर 700 से अधिक हैं और सीकर सेंटर से 8 छात्रों के नंबर 700 से अधिक हैं। राजकोट के इस एग्जाम सेंटर पर 12 छात्रों के 700 से अधिक नंबर हैं 115 छात्रों के 650 से अधिक नंबर, 259 छात्रों के 600 से अधिक नंबर और 403 छात्रों के 550 से अधिक नंबर हैं। इस एग्जाम सेंटर पर कुल 1968 उम्मीदवारों ने नीट की परीक्षा दी थी।

शीर्ष कोर्ट अभी अंतिम फैसले पर नहीं पहुंचा है

दरअसल, 18 जुलाई को सुप्रीम कोर्ट में 4 घंटे चली सुनवाई के बाद भी बेंच किसी अंतिम फैसले पर नहीं पहुंची थी। पेपर लीक, सीबीआई रिपोर्ट, आईआईटी रिपोर्ट, परीक्षा में गड़बड़ी की टाइम लाइन, कितने सॉल्वर्स पकड़े गए आदि मुद्दों पर बहस हुई। इसके बावजूद नीट परीक्षा रद्द होगी या नहीं? इसका फैसला नहीं हो सका।

लगातार चौथा सिस्टम भी होगा कमजोर

झमाझम से सावन की शुरूआत, फिर कमजोर हो जाएगा यह सिस्टम

कुछ जिलों में रविवार तक अति भारी बारिश का अलर्ट

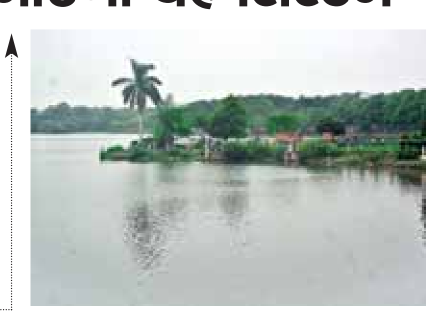

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेश के मध्य हिस्से में सावन की शुरूआत रिमझिम और झमाझम से होगी। सोमवार से सावन का महीना शुरू हो रहा है, जबकि बारिश भी दो से तीन दिन ही तेज से मध्यम होगी। इसके बाद खाड़ी से प्रदेश पहुंचने वाला चौथा सिस्टम भी कमजोर होकर प्रदेश में खंडवर्षा का ही दौर जारी रखेगा।

इससे पहले आए 3 सिस्टम प्रदेश तक आने में कमजोर होते रहे, जिससे कहीं अत्यधिक बारिश तो कहीं बहुत कम बारिश का दौर चला, जो अब भी जारी रहेगा। बंगाल की खाड़ी में दो दिन पहले बना लो प्रेशर एरिया एक दिन पहले डिप्रेशन में बदल गया था, जो शनिवार को काफी धीमी गति से आगे बढ़ा है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार अभी दो से तीन दिन कहीं अति भारी तो कहीं तेज से मध्यम बारिश होगी। इसके बाद इसमें कमी आने लगेगी। शनिवार को भोपाल से सटे कुछ हिस्सों, रायसेन और विदिशा में तेज बारिश हुई। रायसेन में कई जगह सड़कों पर 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। छिंदवाड़ा के तामिया में तेज बारिश हुई। यहां भी निचले इलाकों में पानी भर गया।

रायसेन, सीहोर, नर्मदापुरम, बैतूल, बुरहानपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, पांढुर्णा आदि जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है।

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई

■ भरतपुर मेडिकल कॉलेज के दो छात्र भी शामिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई सॉल्वर गैंग के खिलाफ अपना शिकंजा लगातार कस रही है। पेपर लीक मामले में सीबीआई ने तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है। सीबीआई के सूत्रों ने यह जानकारी दी है। गिरफ्तार दो आरोपी मेडिकल के छात्र हैं और सॉल्वर गैंग का हिस्सा थे। सीबीआई के सूत्रों ने बताया कि जिन तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है, वह सभी झारखंड के हजारीबाग में पेपर सॉल्व करने के लिए एग्जाम के दिन 5 मई को सुबह मौजूद थे। गिरफ्तार आरोपियों में कुमार मंगलम बिश्नोई, दीपेंद्र कुमार और शशि कुमार पासवान शामिल हैं। इनमें से कुमार मंगलम बिश्नोई और दीपेंद्र कुमार भरतपुर मेडिकल कॉलेज के छात्र हैं। यह दोनों नीट पेपर के दिन 5 मई को झारखंड के हजारीबाग में मौजूद थे और पेपर सॉल्व कर रहे थे। वहीं शशि कुमार पासवान को सॉल्वर गैंग का मास्टरमाइंड बताया जा रहा है।

रांची में अमित शाह की सुरक्षा में चूक!

काफिले का पीछा कर रहा था नशे में धुत रहा शख्स

एजेंसी ⏭ रांची

शनिवार को भाजपा के कार्यक्रम में जाने के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होने पहुंचे अमित शाह के काफिले का कुछ लोगों ने पीछा किया। इस मामले में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि ये सभी नशे में थे। अब इस मामले पर रांची डीएसपी हटिया प्रमोद कुमार मिश्रा का बयान सामने आया है कि उन्होंने कहा कि आरोपी गृह मंत्री अमित शाह काफिले में नहीं घुस पाए थे। हालांकि, वह तेज गति से गाड़ी चला रहा था और उनके काफिले का पीछा कर रहा था। इस वजह से उसे गिरफ्तार किया गया।

सीएम का ब्लॉग : गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु ज्ञान से स्वयं का साक्षात्कार संभव

शिष्य निर्माण और राष्ट्रभक्ति की अद्वितीय मिसाल हैं आचार्य सांदीपनि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मप्र शासन

गुरु पूर्णिमा के पुण्य दिवस पर सभी परम गुरुओं को हार्दिक नमन। अपने ज्ञान के प्रकाश से समृद्ध करने के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें प्रेरित करने वाले गुरुजन का ह्दय से आभार। गुरु हमें ज्ञान, गौरव और गंतव्य का भान कराने के साथ हमारी जीवन यात्रा का मार्गदर्शन करते हैं। गुरु-शिष्य परंपरा में गुरु ज्ञान से स्वयं का साक्षात्कार संभव है। इस ज्ञान की अनुभूति की साक्षी है गुरु पूर्णिमा। गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेद व्यास का प्रकटीकरण दिवस है। महर्षि व्यास ने वैदिक ऋचाओं को संकलित कर वेदों का वर्गीकरण, महाभारत तथा अन्य रचनाओं से भारतीय वांग्ड्मय को समृद्ध किया। भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा अति पुरातन है। इस परंपरा से ही व्यक्ति निर्माण से लेकर राष्ट्र निर्माण तक की प्रेरणा में गुरुजन का मार्गदर्शन है। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर मुझे व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और राष्ट्र के लिए समर्पित गुरु सांदीपनि जी का स्मरण आता है। लगभग 5 हजार साल पूर्व शिष्यों और समाज के

> मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा महर्षि वेद व्यास का प्रकटीकरण दिवस

सांदीपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण और उनके भ्राता बलराम ने शिक्षा प्राप्त की

उस समय मथुरा में महाराज उग्रसेन को हटाकर जैसे ही कंस ने सत्ता के सूत्र हाथ में लिए, आचार्य सांदीपनि सहित विश्व के आचार्यों को अपने गुरुकुल बंद करने पड़े। उन्होंने अपना आश्रम छोड़कर तीर्थाटन की राह पकड़ी। अराजकता और अशांति के वातावरण में कोई गुरुकुल कैसे चला सकता है। आचार्य सांदीपनि, अपने 6 माह के पुत्र पुनर्दत्त और धर्मपत्नी के साथ तीर्थाटन करते हुए पश्चिमी भारत (वर्तमान द्वारिका), प्रभास पाटन के क्षेत्र से तीर्थाटन कर गुजर रहे थे। यह वह समय था जब देश पर आसुरी शक्तियों ने अलग-अलग प्रकार से भारत पर कब्जा जमा लिया था। आचार्य सांदीपनि की प्रसिद्धी दुनिया भर में फैली थी। हर कोई चाहता था कि उनके बच्चे आचार्य सांदीपनि से दीक्षित-शिक्षित हों। उन्होंने राष्ट्र विरोधी तत्वों को शिक्षा देने के प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया। सांदिपनि आश्रम में भगवान श्रीकृष्ण और उनके भ्राता बलराम को शिक्षा प्राप्त करने के लिए महाकाल की नगरी उज्जैन भेजा गया, जहां उनकी मित्रता सुदामा से हुई।

किराना स्टोर, मनिहारी, आटा चक्की की कमाई से दीदियां बनीं लखपति

मालती की छह साल की मेहनत लाई रंग

रतुआ रतनपुर निवासी मालती कुशवाह ने शुरुआत में स्व सहायता समूह से जुड़कर रोजगार का हुनर सीखा। लगातार जुड़े रहने से उन्हें पता चला कि खुद का कारोबार कर पैसा कमाया जा सहा है। जिसके लिए उन्होंने समूह से लोन लेकर काम शुरु कर दिया। छह साल की मेहनत के बाद आज उनका मां हरसिद्धी किराना स्टोर अच्छा चल रहा है। मालती जिले में लखपति दीदियों में शुमार हैं। मालती का कहना है कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने से अकसर लगता था कि कोई काम करके पैसा कमाया जाए। लगातार मेहनत करने से मुझे सफलता भी मिली है।

पारो चला रही किराना स्टोर और आटा चक्की

सरवर निवासी पारो मरावी तो अपने गांव के दूर सिकंदराबाद में किराना स्टोर और आटा चक्की चला रही हैं। पारो भी इस क्षेत्र की लखपति दीदी हैं। शुरुआत में उन्होंने किराना दुकान खोली थी, गांव में चक्की नहीं होने से उन्होंने आटा चक्की भी खोल ली। अब चक्की पर एक महिला को रोजगार देने के साथ अपना कारोबार कर रही हैं। पारो ने स्व सहायता समूह से लोन लेकर अपना काम शुरु किया था।

मध्यप्रदेश सरकार ने की आर्थिक सहायता

छोटे कारोबार से संघर्ष कर महिलाओं ने रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए उन्हें स्व सहायता समूहों से जोड़ा गया है। लगातार संघर्ष करने वाली दीदियों का शुमार अब जिले में लखपति दीदियों के रूप में होने लगा है। मध्यप्रदेश सरकार इन महिलाओं को बैंक से लोन दिलाने के साथ समूह ने भी मदद की है। इन महिलाओं की तरक्की देखकर गांव की अन्य महिलाएं भी स्व सहायता समूहों से जुड़ रही हैं।

भोपाल जिले में 3 हजार 405 समूह से जुड़ी 40 हजार महिलाओं को जोड़ा गया है। जिसके तहत जिले के समूहों को 65 लाख रुपए का लोन बांटा जाएगा। प्रदेश में अब तक आजीविका मिशन से 40 लाख से अधिक ग्रामीण निर्धन परिवारों को करीब 3 लाख 50 हजार स्व-सहायता समूहों से जोड़कर बैंक ऋण के रूप में 2 हजार 762 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है।

सेवाओं को आसान बनाने गांवों में बनाई बैंक सखियां

बैंकिंग सेवाओं को आसान बनाने के लिए मिशन द्वारा बैंक शाखाओं में बैंक सखियां भी चिन्हित की गई हैं, जो समूह सदस्यों के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बैंक संबंधी कार्यों में सहयोग कर रही हैं। इन सखियों की मदद से गांव के लोग बैंक का लेनदेन आसानी से कर सकते हैं।

दो दर्जन महिलाओं ने अपनाई जैविक खेती

ग्राम कनाखेड़ी की 25 महिला कृषकों ने जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरकता को बढ़ाया है। रासायनिक खेती से तौबा कर चुकी महिला कृषक सिंगारबाई और अन्य 25 किसान अपने प्रयासों से संतुष्ट हैं। सिंगारबाई का कहना है कि हम पहले रसायन खेती करते थे, जिससे जमीन की उपजाऊ क्षमता कम हो रही थी। फसल भी खराब हो जाती थी। लगातार फसल का उत्पादन भी कम हो रहा था। चना और अलसी उत्पादन बढ़ाने के लिए खेती शुरू की गई। जैविक खेती अपनाने से उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है।

दीदियों ने सफाई के साथ कर वसूली में भी गाड़े झंडे

राजधानी के आसपास की पंचायतों में महिलाओं के स्व सहायता समूह स्वच्छता से लेकर पुराने बकाया टैक्स से लेकर नल जल योजना के कामों में भागीदारी कर रहे हैं। कई प्रकार के बनाए उत्पाद मप्र और दूसरे राज्यों में भी भेजने शुरू किए हैं। जिला पंचायत की तरफ से जिले में काम कर रहे स्व सहायता समूहों को बिट्टन मार्केट में एक हाट बाजार भी उपलब्ध कराया है। जहां ये लोग अपने बनाए उत्पादों को बेचते हैं और उनकी ब्रांडिंग भी करते हैं।

370 टैक्स सखियां कर रहीं वसूली

राजधानी की 222 पंचायतों में 370 टैक्स सखी काम कर रही हैं, जो पिछले एक साल में 38 लाख 50 हजार के लगभग टैक्स वसूली कर चुकी हैं, ये काम लगातार जारी है। इसके अलावा नल जल योजनाओं में भी अब स्व सहायता समूहों की एंट्री होती जा रही है।

ये काम भी कर रहे हैं स्व सहायता समूह

स्व सहायता समूह अचार, पापड़ से लेकर दूध से बने उत्पाद बनाना, करवाचौथ, दिवाली त्योहार के लिए गिफ्ट हैंपर तैयार करना, एलईडी बल्ब की मदद से लाइटें तैयार करना, सरकारी आयोजन और मंत्रालय तक में कैंटीन संचालित करना। कई सरकारी कार्यालयों में दीदी कैफे संचालित करना। इंदौर से कच्चा माल लाकर उसके सजावटी खिलौने तैयार करने के साथ कई अन्य कार्य यहां के स्व सहायता समूह कर रहे हैं।

महिला उद्यमियों को आत्मनिर्भर बनाने में मोहन सरकार का अमूल्य योगदान

मध्यप्रदेश में जब से मोहन सरकार का कार्यकाल शुरु हुआ है। उन्होंने स्टार्टअप को प्रमोट करने में अतुल्नीय योगदान दिया। इन स्टार्टअप्स की खासियत है कि इसमें 46% महिलाओं का योगदान है। ऐसे में यह मोहन सरकार का महिला स्वरोजगार की दिशा में एक उम्दा कदम है। मध्यप्रदेश सरकार ने शनिवार को जबलपुर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसके बाद ग्वालियर, रीवा और सागर में भी क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन कार्यक्रम होंगे। ऐसे में हरिभूमि ने राजधानी में महिला उद्यमियों से बातचीत की, जिन्होंने बहुत कम लागत से अपना व्यापार और स्टार्टअप शुरू किया और आज प्रदेश सरकार के योगदान से वह काफी तरक्की कर रही हैं।

राज्य सरकार की महिला आंत्रप्रिन्योर के लिए लोन फैसिलिटी प्रशंसा योग्य

बंसी एंपोरियम को संचालित करने वाली पूजा निगम का कहना है कि मेरे इस एंपोरियम में बांस से बने हुए कई आर्टिकल्स मिल जाएंगे, फिर वो बांस का बना फर्नीचर हो या होम डेकोरेटिव आयटम। लोगों को बांस से बनी अनेक वस्तुएं यहां मिलेंगी। मेरे इस प्रयास में बांस के काम करने वाले अनेक कारीगर भी जुड़े हुए हैं, जिससे उन्हें स्वरोजगार मिला है। इसके अलावा इन दिनों इंटीरियर डिजाइनिंग में भी बैंबू का प्रयोग हो रहा है। ऐसे में हमारे कई आर्टिजंस को काम मिला है। उन्होंने कहा कि मोहन सरकार द्वारा बनाई गई स्टार्टअप योजनाओं से सभी को फायदा हुआ है। खासकर महिला आंत्रप्रिन्योर के लिए जो लोन फैसिलिटी उन्होंने दी है, वह प्रशंसा के योग्य है। इस तरह के कॉन्क्लेव होने से हमें 100 फीसदी फायदा ही होगा।

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे

उमंग श्रीधर डिजाइंस प्राइवेट लिमिटेड की हेड उमंग श्रीधर का कहना है कि मैंने अपने स्टार्टअप की शुरुआत 2017 में की थी। मैं खादी से डिजाइनर ड्रेसेस बनाती हूं। इसमें कई वीवर्स को भी अपने साथ जोड़ा है। उन्हें एक प्रकार से काम दिलाया है। इससे उनकी इनकम बढ़ी है। उमंग ने कहा कि हमें प्रदेश सरकार द्वारा काफी फायदा हुआ है। खासकर मोहन सरकार ने महिला आंत्रप्रिन्योर को प्रमोट करने के लिए काफी प्रयास किए हैं। इस तरह के कॉन्क्लेव होना सभी के लिए फायदेमंद है, जिससे मध्यप्रदेश में रोजगार की असीम संभावनाएं बढ़ेगी, साथ ही लोग अपना स्वयं का स्टार्टअप शुरू करने के बारे में सोचेंगे। इसके साथ ही मोहन सरकार द्वारा अलग-अलग सेक्टर के स्टार्टअप्स के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर भी डेवलप किया गया है। पहले हमें कई चीजों के लिए जयपुर और दिल्ली जाना पड़ता था, लेकिन अब यह सारे इंफ्रास्ट्रक्चर हमारे आसपास ही मिल जाने से इकोनामिक ग्रोथ हुई है। उन्होंने कहा कि मैं तो यही कहूंगी कि मोहन सरकार के महिला आंत्रप्रिन्योर को प्रमोट करना तारीफे काबिल है।

महिला उत्थान में लगी मोहन सरकार, सभी के हित के बारे में रख रही ध्यान

12 फ्रेगरेंस नामक परफ्यूम का स्टार्टअप शुरु करने वाली भोपाल की शाहीन खान ने कहा कि मुझे शुरू से कुछ नया करने का चाव था। फ्रेगरेंस की मैं काफी शौकीन रही हूं, फिर लगा कि क्यों न अपने इस शौक को प्रोफेशन बना दूं। मैंने 12 फ्रेगरेंस नामक परफ्यूम का स्टार्टअप शुरू किया, जिसकी शुरुआत मैंने काफी कम दामों से की, लेकिन आगे चलकर मुझे फायदा हुआ। अब मेरी इनकम कई गुना हो गई है। शाहीन ने कहा कि मुझे स्टार्टअप शुरू किए हुए 2 साल हो गए हैं। कई बार तो मैं किसी फ्रेगरेंस को स्मेल करके उसको कस्टमाइज करके परफ्यूम भी बनाती थी। इसके बाद हमें रिश्तेदारों ने सजेस्ट किया कि आप अपने इसी शौक को स्टार्टअप का रुप दे सकती हैं, तब मैंने अपने पति के साथ मिलकर 12 फ्रेगरेंस नामक यह स्टार्टअप शुरू किया है, जिसमें ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीके से हमारे परफ्यूम की बिक्री होती है। इसमें हम कई बड़ी-बड़ी परफ्यूम कंपनी के परफ्यूम का इंस्पायर्ड वर्जन अपने कस्टमर के लिए बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में जबलपुर समिट जैसी रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव होते रहना चाहिए, जिससे हमारे जैसी महिलाओं को भी फायदा होगा। मैं देख सकती हूं कि मोहन सरकार महिला उत्थान में लगी है और सभी के हित के बारे में ध्यान रख रही है। इसके कारण प्रदेश विकास कर रहा है।

खबर संक्षेप

अजय चौरड़िया कांग्रेस पार्टी से निष्कासित

भोपाल। इंदौर के अजय चौरड़िया को प्रदेश कांग्रेस द्वारा 6 वर्ष के लिए निष्कासित किया गया है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि विगत दिनों चौरड़िया द्वारा पार्टी के प्रति अनुशासनहीनता की गई थी। अनुशासनहीनता करने के कारण उन्हें कारण बताओ नोटिस देकर जवाब चाहा गया था, किंतु चौरड़िया द्वारा संतोषजनक जवाब प्राप्त नहीं होने के कारण कांग्रेस ने उन्हें 6 वर्ष के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

कुख्यात बदमाश की पुलिस कस्टडी में मौत

कोरबा। कोरबा जिले में कुख्यात बदमाश सूरज हथठेल की पुलिस कस्टडी के दौरान संदिग्ध हालात में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि शनिवार तड़के सुबह साढ़े 5 बजे पुलिसकर्मी उसे मेडिकल कॉलेज ले गए थे, जहां जांच उपरांत डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया, उसकी बॉडी पर चोट पाई गई है। जानकारी के मुताबिक, बुधवारी निवासी सूरज हथठेल के खिलाफ सिविल लाइन थाने के अलावा कई थाना चौकियों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। सूरज के खिलाफ सिविल लाइन थाने में गंभीर अपराध दर्ज हैं। इसलिए शनिवार तड़के करीब 5:30 बजे दर्री पुलिस ने सूरज को सिविल लाइन पुलिस के हवाले किया था।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन ने कहा- वर्तमान मध्यप्रदेश के भू-भाग में प्रभु श्रीराम की वनवास अवधि का प्रमुखता से हो प्रदर्शन

श्री रामराजा लोक ओरछा में भगवान श्रीराम के प्रसंगों को दर्शाया जाए

- *विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक लोक के आय के साधन भी सुनिश्चित हों*
- *प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर अन्य राज्यों में मेले आयोजित हों*
- *मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक लोक के निर्माण की समीक्षा*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ओरछा में विकसित हो रहे श्री रामराजा लोक में भगवान श्रीराम के वनवास अवधि में वर्तमान मप्र के भू-भाग में बिताई गई समयावधि में हुए प्रमुख प्रसंगों को दर्शाया जाए।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में धार्मिक और सांस्कृतिक लोकों के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इन स्थानों पर लाइट एंड साउंड शो की प्रस्तुति की व्यवस्था भी हो। प्रदेश में विकसित हो रहे विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक लोक के आय के साधन सुनिश्चित करते हुए उनके निर्माण और प्रबंधन प्रक्रिया तय की जाए, ताकि सभी लोकों का संचालन सुव्यवस्थित रूप से हो सके। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को विभिन्न विभागों की बैठक में अधिकारियों से लोकों का बेहतर प्रबंध सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संबंधित विभागों जैसे संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व, राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा नगरीय विकास एवं आवास विभाग की स्थानीय स्तर पर संचालन समिति बनाने को कहा। बैठक में मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी आदि मौजूद रहे।

धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव के केंद्र बनेंगे लोक

प्रदेश में सांस्कृतिक, धार्मिक पुनर्जागरण और पर्यटन के विकास के उद्देश्य से पर्यटन विभाग की ओर से 18 लोकों के विकास के लिए कार्य किया जा रहा है। इनमें 14 लोक धार्मिक और 4 सांस्कृतिक आधार के हैं, 10 धार्मिक और 4 सांस्कृतिक लोकों का निर्माण कार्य जारी है। लोकों से विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण, आस-पास की अधोसंरचना के विकास और श्रद्धालुओं व पर्यटकों के लिए सुविधाओं के विकास का कार्य किया जाएगा। युवाओं में धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गौरव की भावना सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लाइट एंड साउंड शो, मेपिंग द्वारा धार्मिक गाथाओं, लोक कलाओं आदि का प्रदर्शन भी होगा।

मप्र की कला-संस्कृति स्थापत्य और व्यंजनों पर केंद्रित हो मेले

बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अधिकारियों से कहा कि मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश की कला-संस्कृति-स्थापत्य और प्रमुख व्यंजनों पर केंद्रित मेले देश के अन्य राज्यों में आयोजित किए जाएं, इससे प्रदेश के पर्यटन को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

इनकी कार्य योजना भी बनाई गई

संत रविदास लोक सागर, देवी लोक सलकनपुर, श्री राम राजा लोक ओरछा, जाम सांवली श्री हनुमान लोक पांढुर्णा, पशुपतिनाथ लोक मंदसौर, परशुराम लोक महू, भादवा माता लोक नीमच, मां नर्मदा महालोक अमरकंटक, देवी अहिल्या लोक खरगोन, नागलवाड़ी लोक बड़वानी आदि के कार्यों में हुई प्रगति की जानकारी दी गई। मां पीतांबरा लोक दतिया, मां शारदा देवी मैहर आदि की कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा हुई।

सागर के संत रविदास लोक में शोधपीठ और शैक्षणिक संस्था विकसित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सुनिश्चित करने को कहा कि विकसित हो रहे सभी धार्मिक और सांस्कृतिक लोकों के निर्माण कार्य में आकल्पन इस प्रकार से हो कि सौंदर्यीकरण और आकर्षण दीर्घकालीन बना रहे। उन्होंने संत रविदास लोक, सागर में शोधपीठ और शैक्षणिक संस्था विकसित करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने कहा कि भादवा माता लोक नीमच में श्रद्धालु दर्शन के साथ-साथ स्वास्थ्य लाभ की दृष्टि से भी आते हैं। भादवा माता लोक से आयुर्वेदिक अस्पताल और फिजियोथेरेपी सेंटर को भी जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदिर जिस स्थापत्य शैली में बने हैं, उनकी विशेषताओं का संरचनाओं के निर्माण में अनुसरण सुनिश्चित किया जाए।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए रची साजिश, दो भाई गिरफ्तार

पहले किशोरी से की दोस्ती, फिर काम दिलाने के बहाने किया शारीरिक शोषण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कांकेर

एक युवक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर किशोरी से पहले तो दोस्ती की फिर उसे काम दिलाने के बहाने अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया। मामले में पुलिस ने आरोपी और उसके भाई को गिरफ्तार कर लिया है। मामला चारामा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी युवक का नाम सुरेश धाकड़ है। बताया जा रहा है कि चारामा क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग का सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम के माध्यम से युवक से परिचय हुआ था। इसके बाद दोनों में बातचीत शुरू हो गई। इसी बीच युवक ने रायपुर में काम दिलवाने के बहाने नाबालिग को अपने साथ ले गया फिर उनके साथ दुष्कर्म किया था।

गर्भवती होने पर परिजनों को मिली घटना की जानकारी

नाबालिग जैसे-तैसे वहां से भाग कर अपने घर पहुंची और डर के कारण किसी को घटना की जानकारी नहीं दी, लेकिन इस बीच नाबालिग गर्भवती हो गई। इसके बाद परिजनों को पूरे घटना में संदर्भ में पता चला । तब नाबालिग ने इसकी शिकायत थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी युवक की तलाश में जुट गई थी।

नाबालिग ने बच्चे को दिया है जन्म

इस दौरान पुलिस को आरोपी के राजस्थान में छुपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद पुलिस ने टीम गठित कर राजस्थान भेजा गया था । जहां जयपुर जिले में शिवदासपुर से आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। थाना प्रभारी दिलेश्वर चंद्रवंशी ने बताया कि, वही पूरे घटनाक्रम में आरोपी की छुपने में मदद करने वाले उसके सगे भाई जशवंत धाकड़ को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। हालांकि, गर्भवती हुई नाबालिग ने एक बच्चे को भी जन्म दिया है। फिलहाल पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई।

नगरीय निकाय सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं, इससे बिजली बिल की बचत होगी, बिल कम आने से उस राशि को विकास कार्यों में लगाएं: मंत्री कैलाश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

नगर निगमों की समीक्षा बैठक में नगरीय विकास व आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि सभी नगर निगम सोलर ऊर्जा का अधिकाधिक उपयोग करें। नगरीय निकाय सोलर पावर प्लांट लगा सकते हैं, इससे बिजली के बिल की बचत होगीं। उन्होंने बताया कि बजट का बड़ा हिस्सा बिजली बिल में जाता है। सौर ऊर्जा के माध्यम से बिजली बिल कम कर उस राशि को विकास कार्यों में लगा सकते हैं।

प्रधानमंत्री सूर्य लक्ष्मी योजना के तहत नगरीय निकाय, निजी भवन मालिकों को घरों पर सोलर पावर प्लांट लगाने के लिए प्राथमिकता से प्रोत्साहित करें। मंत्री विजयवर्गीय ने शुक्रवार को प्रदेश के सभी 16 नगर निगमों के महापौर व आयुक्तों को मंत्रालय बुलाया था। उन्होंने सभी महापौरों व आयुक्तों के साथ दिन भर बैठक की। बैठक सुबह 11 बजे से शुरू होकर करीब 5 बजे तक चलती रही। उन्होंने महापौर व आयुक्तों से कहा कि ग्रीन पावर में प्रदेश नम्बर एक हो, नगर निगम अपनी आय बढ़ा कर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि सभी जनप्रतिनिधि समस्याओं के निराकरण के लिए लगातार कार्य करना चाहते हैं, यह प्रसन्नता कि बात हैं। पर जरूरी यह है कि अपने क्षेत्र में ग्रीन एरिया चिन्हित कर पौधरोपण कराएं।

आवारा कुत्तों के काटने की घटनाओं पर गंभीरता से काम करें

मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि आवारा कुत्तों पर नियंत्रण एवं उनके काटने की घटनाओं को रोकने के लिए हर स्तर पर कार्य करने की जरूरत है। इसके अलावा उन्होंने मल्टी स्टोरी भवनों के लिफ्ट एवं फायर सेफ्टी सिस्टम नगरीय निकाय की ओर से देखने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि फायर संचालनालय का गठन किया जाएगा, इसके लिए लगभग 4 सौ करोड़ का बजट प्रस्तावित हैं। नए सिरे से फायर एक्ट भी बनाए जाएंगें, साथ ही नगर निगमों तक संसाधनों को पहुंचाया जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि किराएदारी अधिनियम बनाएंगे, जिससे संपत्ति के मालिक का स्वामित्व बना रहे और किराएदार को भी असुविधा न हों। इस पर जल्द निर्णय लेंगे।

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने भी दिए अपने सुझाव

राज्य मंत्री बागरी ने कहा कि निकायों को आगे बढ़ाने एवं मजबूत करना एक बड़ी जिम्मेदारी हैं, इस पर सभी ने अपने सुझाव दिए है। सबके सहयोग से प्रदेश के सभी निकायों को सुंदर एवं स्वच्छ बनाते हुए विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाना होगा। पर्यावरण, अपशिष्ट प्रबंधन, सौर संयंत्र, जल संग्रहण, नदियों की स्वच्छता जैसे विषयों पर भी विचार किया जाना चाहिए। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं नवकरणीय ऊर्ज मनु श्रीवास्तव ने सौर ऊर्जा पर प्रस्तुतीकरण देते हुए, इसे वर्तमान समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने कहा कि इससे आत्मनिर्भरता होने में मदद मिल सकेगी।

मध्यप्रदेश में सेना के लिये टैंक निर्माण का कार्य भी होगा

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में रक्षा क्षेत्र में 600 करोड़ रूपये के निवेश का करार

जबलपुर में रेडीमेड, टेक्सटाइल स्किल सेंटर बनेगा : मुख्यमंत्री

हरिभूमि, जबलपुर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहा घोषणा की, कि जबलपुर में रेडीमेड टेक्सटाइल स्कील सेंटर जबलपुर में बनेगा। उन्होंने कहा कि जबलपुर में डिफेंस के क्षेत्र में असीम संभावनाएं है डिफेंस सेक्टर में निवेश करने वालों को 75 प्रतिशत पर भूमि प्रदान कराई जाएगी। उन्होंने कहा है कि छिंदवाड़ा में 15 नए प्रोजेक्ट शुरु किए जायेंगे। डॉ. यादव यहां नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक एवं सूचना केंद्र में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नई उद्योगिकी ईकाई के बाद 12 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। इस कॉन्क्लेव में देश विदेश के कई उद्योगपति शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल क्षेत्र में अतिआधुनिक स्कील सेंटर की शुरुआत होने से विशेष रुप से बहनों को रोजगार मिलेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, लघु मध्यम एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमति सम्पतियां उइके, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पशुपालन एवं डेयरी विभाग लखन पटेल, वरिष्ठ विधायक अजय विश्नोई, अशोक रोहाणी, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, श्रीमती ललिता पारधी, जबलपुर के महापौर जगत बहादुर अन्नू एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। इनके अलावा ताइवान, मलेशिया, यूके, फिजी, कोस्टा रिका और इंडोनेशिया जैसे देशों के प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रदेश में अब सेना के लिए टैंक भी बनेंगे

आज कॉन्क्लेव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में 600 करोड़ के निवेश के लिए अशोक लीलैंड और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड के बीच करारनामा हुआ। इस दृष्टि से उल्लेखनीय है कि इस क्षेत्र में यह नया कदम है। यह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश है। साथ ही सहयोग क्षेत्र में विकास और नवाचार को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में रक्षा संस्थान के लिए अब तक तोप निर्माण का कार्य होता रहा है। अब यहां सेना के लिए टैंक भी बनाये जायेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 16 औद्योगिक पार्प के माध्यम से कुल 517 लघु, मध्यम और सूक्ष्म उद्योगों द्वारा पौने छः हजार करोड़ का निवेश किया गया। जिसका लाभ 20 हजार लोगों को रोजगार देने के रूप में मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि आज 67 औद्योगिक इकाईयों का लोकार्पण और भूमिपूजन एक महत्वपूर्ण समेकित प्रयास है। इस कार्यक्रम से प्रदेश के दस स्थानों से मंत्री, सांसद, विधायक वर्चुअली जुड़े। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनप्रतिनिधियों से चर्चा करते हुये उन्हें नवीन इकाईयों के लिये बधाई दी।

निवेशकों ने कहा प्रदेश की लीडरशिप पर भरोसा

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कांक्लेव के दौरान राज्य की खनिज नीति के संदर्भ में तैयार की गई मार्गदर्शक पुस्तिका का विमोचन किया। कॉन्क्लेव में हीडलबर्ग सीमेंट के सीईओ जॉयदीप मुखर्जी, प्रतिभा सिंटेक्स के एमडी श्रेयस्कर चौधरी, वीई कॉमर्शियल व्हीकल के एमडी विनोद अग्रवाल और एसआरएफ लिमिटेड के सीएमडी श्री आशीष भारतम ने प्रदेश में निवेश करने के सुखद अनुभव सांझा किए। उन्होंने प्रदेश की सरल नीतियों और प्रोत्साहन को उद्योगों के लिए लाभदायक बताते हुए सभी निवेशकों को प्रदेश में निवेश करने के लिए आमत्रित किया। जयदीप मुखर्जी ने कहा कि उन्हें लीडरशिप पर भरोसा है। मध्यप्रदेश में इसलिये निवेशक निवेश करने में रूची लेते हैं। प्रतिभा सेंटेक्स के श्रेयस्कर चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव की कथनी और करने में अंतर नहीं। वोल्वो आयशर के विनोद अग्रवाल ने कहा कि उन्हें मध्यप्रदेश में 35 हजार से अधिक लोगों को रोजगार देकर प्रसन्नता हुई है। प्रदेश में उद्योगों के अनुकूल वातावरण है। मध्यप्रदेश भारत का दिल है और अब मध्यप्रदेश सरताज बनेगा।

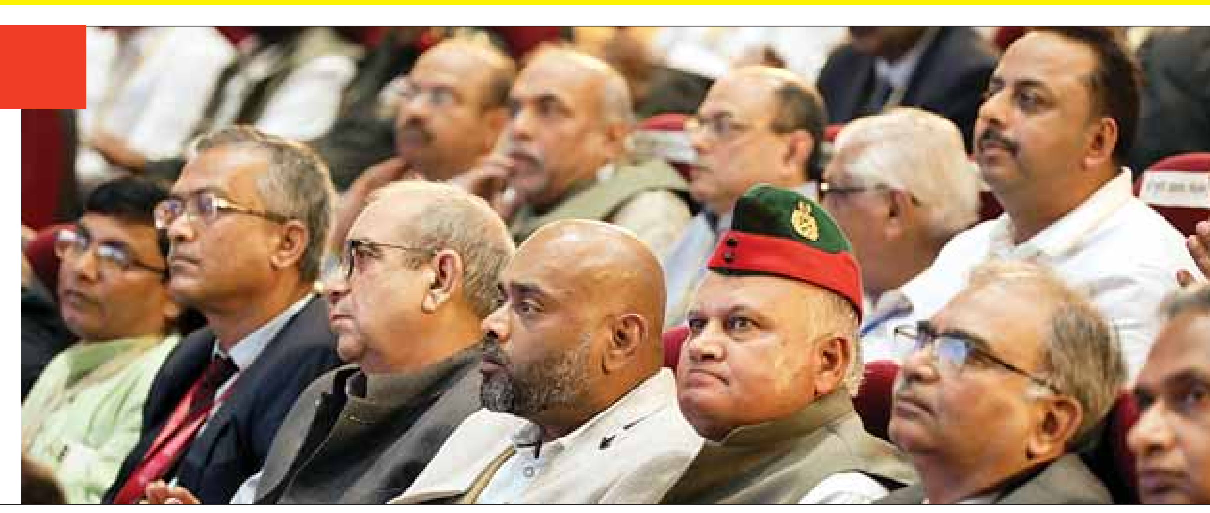

प्राथमिकता से होगी उद्योग की स्थापना

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में अनेक क्षेत्रों में उद्योग स्थापना का कार्य प्राथमिकता से किया जायेगा। मध्यप्रदेश में वर्ष 2024 की आज दूसरी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई। रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में जबलपुर में आज पांच देश और देश के राज्यों से बड़े उद्योगपति शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि गत मार्च माह में उज्जैन में इंडस्ट्री कॉन्क्लेव हुई थी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कार्यक्रम में प्रदेश की 29 औद्योगिक इकाइयों के लोकार्पण और 38 औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन, इस तरह कुल 67 इकाईयों की शुरूआत के लिये भूमि पूजन किया। प्रदेश के विभिन्न 10 स्थान से अनेक जन प्रतिनिधि इस लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम से जुड़े। कुल 1500 करोड रुपए का निवेश होगा। इसी तरह कुल 4500 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। औद्योगिक इकाईयों को आशय पत्र सौंपे गये जिससे करीब 12 हजार लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। कुल 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय पत्र सौंपे गये। कॉन्क्लेव में आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम पॉलिसी 2023 का विमोचन भी किया गया।

खनिज के क्षेत्र में उड़ीसा के बाद मध्यप्रदेश का नंबर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज कॉन्क्लेव में अनेक विभागों ने उद्योग हितैषी नीतियों की जानकारी दी है। खनिज के क्षेत्र में उड़ीसा के बाद मध्यप्रदेश द्वितीय स्थान पर है। खदानों की निलामी में मध्यप्रदेश की पारदर्शी प्रक्रिया देश में अग्रणी मानी गई है। इसके लिये भारत सरकार द्वारा पुरस्कार भी प्रदान किया गया। प्रदेश में हीरा उत्पादन तो होता है, अब हीरा को तराशने का कार्य भी किया जायेगा।

मध्यप्रदेश में निवेश करने उद्योगपति आगे आए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योगपतियों से आव्हान किया कि आप सभी को मध्यप्रदेश भाए और आप मध्यप्रदेश आएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्रम के क्षेत्र में भी मध्यप्रदेश में प्रोत्साहनकारी नीतियां हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेक नए कार्य हो रहे हैं। पिछले दो-तीन वर्ष में विश्वविद्यालयों के माध्यम से रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाया गया है। प्रदेश में सिर्फ पांच मेडिकल कॉलेज होते थे, जिनकी संख्या 25 होने जा रही है। प्रदेश में सघन वन क्षेत्र है। इस क्षेत्र में भी संभावनाओं को साकार किया जायेगा। फार्मास्युटिकल क्षेत्र में 275 इकाईयां कार्य कर रही हैं। अकेले प्रीतमपुर में 60 इकाईयां हैं। हमारे प्रदेश से 160 से अधिक देशों को फार्मा प्रोडक्ट निर्यात किये जाते हैं।

खाद्य प्रसंस्करण प्रोत्साहन के लिए तैयार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में 150 प्रतिशत प्रोत्साहन के लिये हम तैयार हैं। प्रदेश में उद्योगों को पानी और बिजली की आपूर्ति पर विशेष राहत प्रदान की गई है। दो मेगा फूड पार्प आ रहे हैं। पहले से आठ फूड पार्प संचालित है। ऐसी इकाईयों की संख्या निरन्तर बढ़ाई जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वोल्वो आयशर के एमडी से आग्रह किया कि वे मध्यप्रदेश में रिसर्च सेंटर भी प्रारंभ करें।

उद्योग विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रारंभ में उद्योगों के विकास से संबंधित प्रदर्शनी का शुभारंभ कर प्रदर्शित चित्रों का अवलोकन किया। जबलपुर हाट के अंतर्गत विभिन्न लघु उद्योग इकाइयों और व्यवसायियों द्वारा उत्पाद सामग्री का विवरण प्रदर्शनी में दिया गया। उद्घाटन सत्र के प्रारंभ में औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग एवं मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने मंच पर उपस्थित विभिन्न उद्योगपतियों का शाल द्वारा स्वागत किया। उपस्थित अतिथियों में अडानी पावर, नेटलिंक, वैद्यनाथ ग्रुप , दावत फूड्स, वोल्वो आयशर, ए वी एन एल, एन सी एल, स्वराज शूटिंग ,लोहिया एनर्जी, आदिशक्ति राइस मिल, फिनिक्स पोल्ट्री, इनफोविजन दुबई और दलित चेंबर ऑफ कॉमर्स (डिकी) सहित अन्य अनेक उद्योग संगठनों के पदाधिकारी शामिल थे। प्रमुख सचिव राघवेंद्र कुमार सिंह ने मध्यप्रदेश की निवेश नीति और निवेश संभावनाओं पर प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने प्रदेश में औद्योगिक अधोसंरचना और औद्योगिक कॉरिडोर की विशेषताओं के साथ निवेशक अनुकूल औद्योगिक नीति में सब्सिडी और वित्तीय प्रोत्साहन पर भी प्रकाश डाला।

मप्र की विशेषताओं पर लघु फिल्म का प्रदर्शन

कांक्लेव के शुभारम्भ अवसर पर अतिथियों का स्वागत किया गया। मध्यप्रदेश की विशेषताओं पर केंद्रित एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। जबलपुर की रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में चार हजार से ज्यादा निवेशक जुटे। निवेश के लिए उद्यमियों से वन टू वन चर्चा भी हुई। कॉन्क्लेव में 5 सेक्टर्स पर फोकस किया गया। ये हैं एग्रो, माइंस, डिफेंस, टूरिज्म और गारमेंट्स उद्योग। प्रमुख सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग डॉ. नवनीत मोहन कोठारी ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग और स्टार्ट अप की वर्तमान स्थिति, इकोनॉमी में योगदान, भविष्य की संभावनाओं और अवसरों पर प्रस्तुतिकरण दिया। महाकौशल क्षेत्र में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग के विभिन्न सेक्टर, एमएसएमई पॉलिसी के लाभ और निवेश प्रोत्साहन की विशेषताओं से अवगत कराया। प्रमुख सचिव खनिज निकुंज श्रीवास्तव ने प्रदेश में उपलब्ध विभिन्न खनिज, खनिज से जुड़े उद्योगों में निवेश के अवसरों, एक्सप्लोरेशन की संभावनाओं पर प्रस्तुतिकरण दिया। खनिज नीलामी में निवेशकों के लिए सरल और पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया, आसानी से मिलने वाली अनुमतियों की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही मध्यप्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर की जानकारी और संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए निवेशकों को सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर में निवेश करने के लिए आमत्रित किया। इसी अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश आईटी, आईटीईएस एंड ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रोमोशन पॉलिसी 2023 की प्रक्रिया का निर्धारण करने वाली गाइडलाइन का विमोचन भी किया।

4 हजार से अधिक लोगों ने की भागीदारी

प्रमुख उद्योगपतियों, विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधियों, नौकरशाहों और प्रमुख विदेशी प्रतिनिधियों सहित 4 हजार से अधिक हितधारकों की भारी भागीदारी देखी गई, जो राज्य की औद्योगिक विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ और संस्कार धानी में औद्योगिक विकास और निवेश के अवसरों को बढ़ावा मिला।

सांस्कृतिक सूचना केंद्र का उद्घाटन

कार्यक्रम स्थल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक और सूचना केंद्र में कार्यक्रम का उद्घाटन मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, विशिष्ट अतिथि, एमएसएमई मंत्री, चेतन्य कश्यप और लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने किया। बैद्यनाथ ग्रुप, आईटीसी, वोल्वो आयशर, बेस्ट कॉर्प, एसआरएफ और दावत ग्रुप जैसे प्रमुख उद्योगों के अन्य प्रतिष्ठित अतिथियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

भूमि आबंटन के लिए आशय पत्र जारी

कॉन्क्लेव में 700 से अधिक खरीदार-विक्रेता बैठकों के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया, जिससे व्यवसायों और संभावित निवेशकों के बीच सीधी बातचीत की सुविधा मिली। मुख्यमंत्री और प्रमुख उद्योगपतियों के बीच लगभग 30 वन-टू-वन बैठकें हुईं। इसके अलावा प्रदेश की 265 इकाइयों को 340 एकड़ भूमि के आवंटन के लिए आशय पत्र जारी किए गए थे। कुल 1 हजार 800 करोड़ और 12 हजार व्यक्तियों के लिए रोजगार सृजित होंगे।

उद्योगों पर गोलमेज चर्चा

रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दूसरे सत्र में सेक्टर लेबल पर गोलमेज चर्चा की गई। जिसमें कपड़ा, परिधान, रक्षा, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, डेयरी, खनिज व खनन क्षेत्र में विस्तार से चर्चा की गई। इस चर्चा में हितधारकों की साझेदारियों का पता लगाने का मंच प्रदान किया गया। कॉन्क्लेव में 30 से अधिक वक्ताओं और पैनलिस्टों ने क्षेत्रीय सत्रो मे अपनी-अपनी बात रखी। पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चर्चाएं हुई। उद्योग संघों और स्टार्टअप्स के बीच तालमेल बिठाने और उन्हें औद्योगिक माहौल प्रदान करने के लिए आश्वस्त किया गया। इस चर्चा में वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल थे। कई प्रमुख उद्योगपतियों ने अपने-अपने अनुभव गोलमेज चर्चा में साझा किए।

11.15 बजे से एक बजकर 23 मिनिट का समय उत्तम

सर्वार्थ सिद्धि योग में आज मनाई जाएगी गुरु पूर्णिमा

जबलपुर। आषाढ़ मास की पूर्णिमा रविवार को गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धाभाव के साथ मनाया जाता है। इस दिन गुरु पूजन कर समाथ्र्य के अनुसार दान देना चाहिए। ज्योतिषाचार्य ने बताया कि सनातन धर्म में गुरु पूर्णिमा का खास महत्व है। गुरु ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक माने जाते हैं। इनकी संसार में बहुत बड़ी भूमिका होती है। गुरु इस संसार को ज्ञान देने का काम करते हैं। गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरु की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर होता है। इस कारण जीवन में गुरु का होना बहुत ही जरूरी होता है। गुरु ही जीवन के अंधकार में प्रकाश भरता है। यह विशेष दिन स्नान-दान और गुरु का आशीर्वाद लेने के लिए बेहद शुभ माना गया है। इस दिन शिष्य अपने गुरुओं का पूजन करते और उन्हें इस दिन की शुभकामनाएं देते हैं।

वेद व्यास को माना जाता है पहला गुरू

धार्मिक मान्यता है कि इस दिन वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को वेद व्यासजी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। महर्षि वेद व्यास केवल महाभारत के ही रचयिता नहीं, बल्कि उन्होंने हिंदू धर्म के चारों वेदों की भी रचना की है। इसलिए उन्हें दुनिया का पहला गुरु कहा गया है और गुरु पूर्णिमा के दिन उनका विधि-विधान से पूजन किया जाता है। इस दिन सर्वर्थसिद्धि योग होने के कारण यह दिन शुभ व फलदायी माना गया है। साथ ही श्रवण नक्षत्र

और प्रीति योग का भी निर्माण होगा। इसके अलावा विष्कुंभ योग प्रातः से लेकर रात्रि नौ बजकर 11 मिनट तक रहेगा।

गुरु पूर्णिमा पर शुभ मुहूर्त

गुरु पूर्णिमा पर शुभ मुहूर्त पंचांग के अनुसार, इस साल आषाढ़ माह की पूर्णिमा तिथि का आरंभ 20 जुलाई को शाम पांच बजकर 59 पर होगा और अगले दिन यानी 21 जुलाई को दोपहर तीन बजकर 46 मिनिट पर इसका समापन होगा। हिंदू धर्म में उदयातिथि में व्रत और त्योहार मनाए जाते हैं। इसलिए 21 जुलाई को गुरु पूर्णिमा मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान के लिए सुबह पांच बजकर 16 मिनिट से सात बजकर 14 बजे तक रहने वाला है। इसके साथ ही इस दिन गुरु की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त सुबह सवा ग्यारह बजे से दोपहर एक बजकर 23 बजे तक रहेगा। इस मुहूर्त में पूजा करना उत्तम होगा।

गुरू पूर्णिमा पर शहर में होंगे विभिन्न आयोजन

गुरू के प्रति आस्था और श्रद्धा का महापर्व गुरू पूर्णिमा आज रविवार 21 जुलाई को शहर में पूरी श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। गुरू पूर्णिमा के अवसर पर गुरू वंदना, व्यास पूजन, भोजन भंडारे के आयोजन किये जा रहे हैं। गुरू पूर्णिमा के दिन गुरू दर्शन और उपासना पूजन का विशेष महत्व है। अनादिकाल से गुरू शिष्य परंपरा चली आ रही है। आज भी गुरू पूर्णिमा पर यह परम्परा कायम है।

माढोताल स्थित श्रीश्यामाश्याम मंदिर में होगा गुरुवंदन कार्यक्रम

पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद के शिष्य पं. कामता तिवारी के माढोताल स्थित श्रीश्यामाश्याम मंदिर के पास निज निवास में अनुयायियों ने गुरु पूर्णिमा का आयोजन सुबह 10 से रात्रि 8 तक किया गया है।

सद्भावना का संगम ही मित्रता है : ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी

जबलपुर। श्रीमद्भागवत की कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह सिविक सेण्टर मढाताल शंकराचार्य मठ सिद्ध बगुला मुखी पीठ में गुरुपूर्णिमामहोत्सव पर कथा व्याख्या करते हुए ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी ने बताया कि सतसंग की फलश्रुति ही रुक्मिणी मंगल है।रुक्मिणी जी ने सतसंग में भगवान् की महिमा को श्रवण कर भगवान् को प्राप्त करने का निश्चय किया।अतः श्रीमद्भागवत भक्तों की महिमा की गाथा है। संतो की महिमा को निरूपित किया तथा बताया कि संतों का कभी अपमान नहीं करना चाहिए संतों का अपमान करने से भगवान् के कुल यदुवंश का भी विनाश हो गया, नवयोगेश्वर चरित्र, दत्तात्रेय प्रसंग को निरूपित किया सुदामा चरित्र के माध्यम से बताया कि सुदामा ने अपनी सद्भावना का समर्पण प्रभु के चरणों में सुशीला जी सद्गृहणी के माध्यम से किया जिससे भगवान् ने उन्हें समस्त ऐश्वर्य प्रदान किया। अंत भागवत श्रवण की महिमा एवं श्री परीक्षित जी के

मोक्ष को निरूपित किया श्री भागवत का श्रवण समस्त पदार्थों को प्रदान करने वाला है।श्री मद्भागवत में व्यास पूजन की महत्ता, श्री मद्भागवत दान की महिमा को स्पष्ट किया।

बगलामुखी में भव्यता से मनाया जाएगा श्री गुरुपूर्णिमा महोत्सव

श्री शंकराचार्य मठ सिद्ध बगुला मुखी पीठ सिविकसेण्टर मढाताल में गुरुपूर्णिमा महोत्सव के शुभ अवसर पर पूज्य ब्रह्मचारी सुबूदानन्द जी महाराज ब्रह्मचारी चैतन्यानंदजी महाराज के निर्देशन में ₹पूज्य पाद जगद्गुरु ज्योतिष एवं द्वारका शारदापीठाधीश्वर स्वामी श्री स्वरूपानन्द सरस्वती जी ₹महाराज जी का पादुका-पूजन ब्रह्मचारी जी द्वारा किया जाएगा तथा सभी शिष्य गण पूजनोपरान्त गुरु-प्रसाद ग्रहण करेंगे।श्री गुरुपूजन कार्यक्रम प्रातः 11बजे से आयोजित होगा।

रोजगार व उद्योग स्थापित कराने आयोजित हुई कॉन्क्लेव के लिए दिया धन्यवाद

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का यादव महासभा ने किया स्वागत

जबलपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में जबलपुर संस्कारधानी रोजगार के अवसर को बढ़ावा देने और नए उद्योगों को स्थापित करने के उद्देश्य से रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन हुआ। इस सफल आयोजन के लिए अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के पदाधिकारियों ने डुमना एयरपोर्ट मार्ग स्थित गधेरी मार्ग में मंत्री राकेश सिंह के नेतृत्व में यादव महासभा के जिला अध्यक्ष राम कुमार यादव बड्डा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का तमाम पदाधिकारियों की मौजूदगी में स्वागत कर जबलपुर में नए रोजगार के अवसर प्रदान कराने व उद्योग

स्थापित कराने के प्रयास के लिए धन्यवाद। इस मौके पर अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के चंदु यादव, नरेश यादव, शरमन यादव, जनपद सदस्य राकेश यादव, सीताराम यादव, डॉ रघवर यादव, रज्जन यादव, रज्जू यादव, मोहन यादव, राजेश यादव, विजय यादव, संजय बंसता, मनोज यादव, दीपक यादव आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा शोभा यात्रा आज

मझौली। गुरु पूर्णिमा के शुभ अवसर पर कोष्टा समाज के द्वारा कबीर कुटी कोस्टा मार्केट में संत कबीर दास जी की विशाल शोभा यात्रा रविवार सुबह 10 बजे राम जानकी मंदिर वार्ड नंबर 3 कोष्टा मोहल्ला से निकाली जाएगी जो नगर भ्रमण करते हुए भगवान विष्णु बाराह मंदिर पहुंचेगी वहां से होते हुए कबीर कुटी कोष्टा मार्केट पहुंचेगी इसके बाद पूजन अर्चन किया जाएगा। प्रसाद वितरण एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जायेगा।

बच्चों को देश, समाज, संस्कृति, धर्म, शिक्षा से जोडऩे का किया जा रहा प्रयास

हम हैं न फाउण्डेशन ने शुरू की निर्माण भावी भारत की पहल

जबलपुर। हम हैं न फाउण्डेशन ने शासकीय स्कूल चमन नगर, करमेता में निर्माण भावी भारत के तहत बच्चों को धर्म, संस्कृति और संस्कारवान बनाने के उद्देश्य से पहल शुरू की है। इसके तहत प्रेरक व प्रशिक्षक अभिनेष अटल बच्चों को धर्म, संस्कृति, शिक्षा, शक्ति, समाज और संस्कार की शिक्षा प्रदान करा रहे हैं, ताकि यह बच्ची आने वाले समय में भावी भारत का निर्माण करें और संस्कारवान हो सकें।

प्रशिक्षक अभिनेष अटल ने बताया कि वर्तमान समय में आज कल के बच्चे इस वैज्ञानिक और आधुनिक युग में अपनी धर्म, संस्कृति, समाज से दूर होते चले

जा रहे हैं, जिन्हें वर्तमान समय में संस्कारवान बनाते हुए देश, धर्म, संस्कृति और समाज से जोड़े रखना नितांत आवश्यक हो गया है। इसके लिए हम हैं न फाउण्डेशन के द्वारा निर्माण भावी भारत के तहत यह पहल शुरू की गई है। इस पहल में महत्वपूर्ण भूमिका हम हैं न फाउण्डेशन के द्वारा निभाई जा रही है। आज के कार्यक्रम में भाजपा युवामोर्चा अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, शरद विश्वकर्मा, नंदन पटेल, नीतिश सिंह राजपूत, प्रशस्त आयुष विश्वकर्मा, रत्नेश राय, अर्पित नामदेव, सौरभ राय, हर्षित शुक्ला, मयूर विश्वकर्मा, शाला प्रचार्य संजय चौबे आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पोदार इंटरनेशनल स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मनाया गया

जबलपुर। पोदार इंटरनेशनल स्कूल 1924 में अंतर्राष्ट्रीय शतरंज महासंघ की स्थापना का सम्मान करते हुए अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मनाया। इस कार्यक्रम ने बौद्धिक विकास और रणनीतिक सोच को बढ़ावा देने वाले खेल के रूप में शतरंज के महत्व पर प्रकाश डाला। स्कूल ने छात्रों को शतरंज की दुनिया में शामिल करने के लिए कक्षा 2 से आठवीं के लिए गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित की। प्रतियोगिताएँ बहुत सफल रहीं, प्रतिभागियों ने विचारशील निर्णय लेने और बेहतर योजना कौशल का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, धैर्य, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास सहित शतरंज के लाभों पर जोर देने के लिए वीडियो दिखाए गए। छात्रों को अनुभवी शतरंज खिलाड़ियों से सीखने और इस शाश्वत खेल की गहराई का पता लगाने का अवसर मिला। स्कूल के विद्यार्थियों को इंटेरनेशनल चेस मास्टर,अक्षत खम्पारिया ने इस खेल में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

ब्लॉक अध्यक्ष बने आशीष तिवारी

मझौली। अतिथि शिक्षक संघ मझौली की आयोजित बैठक में उपस्थित जबलपुर संभाग अध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी एवं जिला अध्यक्ष जगन्नाथ अवस्थी, उपाध्यक्ष डॉ विमल किशोर संभाग सचिव श्रीमती हेमलता उपाध्याय, महिला अध्यक्ष अंजना साहू, सचिन नामदेव, वर्तमान मझौली ब्लॉक अध्यक्ष दीपक नंदन एवं समस्त मझौली ब्लॉक के अतिथि शिक्षकों की सर्वसम्मति से नए ब्लॉक अध्यक्ष के रूप में आशीष तिवारी , उपाध्यक्ष अमीन खान और रामसुजान झारिया को घोषित किया गया। बैठक का प्रमुख उद्देश्य भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में मध्य प्रदेश अतिथि शिक्षक संघ का भोपाल में 25 तारीख को होने वाला आंदोलन में अतिथि शिक्षकों को अधिक से अधिक संख्या में ले जाने पर निर्णय हुआ।

मौसी के घर से वापस आए भगवान जगन्नाथ

सिहोरा। भगवान जगन्नाथ की मौसी के घर से वापसी रथ यात्रा शनिवार को खितौला में बड़ी धूमधाम से निकली। भक्तों ने भगवान जगन्नाथ के रथ को नरसिंह मंदिर खितौला से बारी बहु स्टेडियम तक अपने हाथों से खींचकर भगवान को नगर भ्रमण कराया और इसी के साथ भगवान बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ अपने घर वापस लौट गए ।यात्रा के प्रारंभ होते ही जोरदार बारिश शुरू हो गई पर भक्तों ने गिरते पानी में पूरी श्रद्धा के साथ रथ खींचा। विगत कई वर्षों से खितौला सिहोरा में भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जाती है। सिहोरा में स्थित भगवान जगन्नाथ के मंदिर से भगवान जगन्नाथ,उनकी बहन सुभद्रा और भाई बलराम के साथ उनकी यात्रा राधा कृष्ण मंदिर खितौला तक आती है जहां भगवान मौसी के घर के रूप में राधा कृष्ण मंदिर में अनेक दिनों तक रहते हैं और उसके बाद राधा कृष्ण मंदिर से वापस अपने घर को जाने का भव्य आयोजन खितौला में किया जाता है। रथ यात्रा को

लेकर धार्मिक मान्यता यह चली आ रही है कि एक बार बहन सुभद्रा ने अपने भाइयों कृष्ण और बलराम जी से नगर को देखने की इच्छा प्रकट की। तो फिर दोनों भाइयों ने अपनी बहन की इच्छा को पूरा करने के लिए भव्य रथ तैयार करवाया और उस पर सवार होकर तीनों नगर भ्रमण के लिए निकले थे। इसी मान्यता को मानते हुए हर साल पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा आयोजित होती है।

21 वैदिक विद्वानों को मिला सनातन संस्कृति रक्षक सम्मान

गुरु पूर्णिमा उत्सव का आयोजन

पाटन। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्राप्त निर्देश और विद्यालय की परंपरा के अनुसार स्थानी किड्स जोन इंग्लिश मीडियम स्कूल में गुरु पूर्णिमा के पूर्व दिवस पर निबंध लेखन प्रतियोगिता एवं नगर के 21 वैदिक विद्वानों को सनातन संस्कृति रक्षक सम्मान से अलंकृत किया गया। धर्म संघ अध्यक्ष पंडित राजाराम त्रिपाठी, पंडित रमेश राजोरिया, पंडित पूरनलाल दुबे, शिक्षाविद ठाकुर रणधीर सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष आचार्य जगेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष देव कुमार यादव एवं कवि साहित्यकार अभिनेष अटल ने अपने विचार रखे। छात्र छात्रों ने गुरु महिमा पर प्रकाश डाला। विद्यालय के संरक्षक शालिगराम व्यास, डायरेक्टर वैभव व्यास, प्राचार्य जी पी चौहान, व्यवस्थापक राघवेंद्र शुक्ला ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर कृष्णा प्रसाद बेहुरे, मुरली मनोहर पचौरी ,प्रेम नारायण चौबे, पार्षद सत्यम मेहरा, आदित्य नामदेव, कैलाश पाठक, के के त्रिपाठी जन अभियान परिषद की सोनिया सिंह, श्रीधर फाउंडेशन के अभिषेक श्रीवास्तव उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव

जबलपुर। भक्त और भगवान को मिलाने वाले सच्चे सदगुरु ही होते है। परम पूज्य शंकराचार्य जी महाराज के शिष्य ब्रजबिहारी सरकार अनिकेत कृष्ण महाराज का गुरु पूर्णिमा के शुभ दादा की बगिया खजरी खिरिया बाईपास, जबलपुर आगमन हो रहा है जहाँ सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक क्षेत्रीय जनों ने अपने राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कथा वाचक गुरुदेव बृज बिहारी सरकार के दिव्यदर्शन, चरण पादुका पूजन करने का भव्य आयोजन किया है।

गुरु पूर्णिमा पर साधकों द्वारा योग गुरु का सम्मान

जबलपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर शनिवार की सुबह संत निरंकारी सत्संग भवन में योग प्रेम परिवार के साधकों द्वारा योग गुरु प्रेम विश्वकर्मा का तिलक,माला, शाल, श्रीफल से सम्मान कर आशीर्वाद लिया। उल्लेखनीय हैं कि योग गुरु श्री विश्वकर्मा द्वारा अनेक वर्षों से योगाभ्यास के जरिये आधुनिक युग के अभिशाप कहे जाने वाले, डिप्रेशन, शरीर दर्द, शुगर,मोटापा जैसे रोगों से लड़कर स्वस्थ्य रहने कि कला का अभ्यास करवा रहे हैं। आज गुरु पूर्णिमा पर योग प्रेम परिवार के समस्त सदस्यों ने उपस्थित होकर योग गुरु प्रेम विश्वकर्मा का सम्मानकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया।

CHANGE OF NAME

I, WAS KNOWN AS SHWETA SHRIVAS AFTER MARRIAGE I, HAVE CHANGED MY NAME AND HENCEFORTH I, SHALL BE KNOWN AS SHWETA SHRIVAS PATEL W/O MOHD. SALAHUDDIN MEHTAB PATEL RESIDENT OF 242, RAJUL DREAM CITY, AMKHERA, ADHARTAL, JABALPUR (M. P.) 482004.

In The Court Of XXI Civil Judge Class IIDistrict Court, Jabalpur
Presiding Officer: फरहान मसूद कुरैशी
(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु
(RCS A/0000068/2024)
रामानुह तिवारी..................वादी Vs
संध्या तिवारी..................प्रतिवादी
Process Id- /2024
पेशी दिनांक :- 02/08/2024
प्रेषिती-
(1) आम जनता - पता जबलपुर म.प्र.
यह कि प्रार्थी रामानुज तिवारी ने आपके विरूद्ध सिविल सूट। वाद वास्ते वसीयत के आधार पर स्वत्व घोषणा बावत वाद मूल्यांकन 1000 रुपए। के लिए वाद संस्थित किया है, आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात हाजिर होने के लये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मूजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।
आज तारीख 13 July 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।
मुद्रा
(फरहान एम कुरैशी)
21वें व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ट खण्ड बालाघाट (म.प्र.)
कृपया ध्यान दें:- 1. यदि किसी कारणवश उक्त तिथि को न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

श्री गुरविन्दर सिंह आनंद- आदर्श नगर नर्मदा रोड निवासी श्री गुरविन्दर सिंह आनंद (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में संपन्न हुआ।

श्री संतोष नामदेव- नई बस्ती आईटीआई माढ़ोताल निवासी श्री संतोष नामदेव (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार माढ़ोताल मोक्षधाम में किया गया।

श्री संजय सिंह ठाकुर- शिवाजी नगर ग्रीन सिटी माढ़ोताल निवासी श्री संजय सिंह ठाकुर (57) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजू चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री राजू चौधरी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री रविकांत गुप्ता- आश्रय परिसर यादव कॉलोनी निवासी श्री रविकांत गुप्ता (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सविता चौधरी- बड़ी मदार टेकरी शंकर चौक निवासी श्री प्रविंद्र चौधरी की धर्मपत्नी श्रीमती सविता चौधरी (40) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री विद्या लाल ठाकुर- गोकलपुर निवासी श्री विद्या लाल ठाकुर (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र बंशकार- शीतलामाई आचार्य विनोबा भावे वार्ड निवासी श्री राजेंद्र बंशकार का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लक्ष्मी तिवारी- गली नं. 19, सदर निवासी श्री आशीष तिवारी की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी तिवारी (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री खुशाल बंशकार- सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री खुशाल बंशकार (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।श्री संजीव कुमार- मोतीराम कम्पाउंड सदर निवासी श्री संजीव कुमार (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम सजीवन कुशवाहा- पटेल मोहल्ला चांदमारी लालमाटी निवासी श्री राम सजीवन कुशवाहा (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री आकाश यादव- सेठी नगर पानी की टंकी के पास निवासी श्री सुनील यादव के पुत्र श्री आकाश यादव (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री सुभाष खेर- वल्दी कोरी की दफाई सिद्धबाबा वार्ड निवासी श्री सुभाष खेर (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री गोपाल कृष्ण पटेल- कचनार सिटी विजय नगर निवासी श्री गोपाल कृष्ण पटेल (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रभा रानी महोबिया- लाल कुआं हनुमानताल निवासी श्री लखन लाल महोबिया की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा रानी महोबिया (62) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री पुरुषोत्तम प्रसाद- बादशाह हलवाई मंदिर मोड़ के पास ग्वारीघाट रोड निवासी श्री पुरुषोत्तम प्रसाद (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार ग्वारीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
निजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अन्य साइज 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.

फिक्स साइज:-	8X4 से.मी.	ब्लैक&व्हाईट	300/-
फिक्स साइज:-	8X4 से.मी.	रंगीन	400/-
फिक्स साइज	10X8 से.मी.	रंगीन	1000/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-0761-4048310, 2757175

सरकार ओबीसी रिजर्वेशन की विसंगतियां शीघ्र दूर करे

कैबिनेट मंत्री से मिला ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन

जबलपुर। ओबीसी एडवोकेट्स वेलफेयर एसोसिएशन, जबलपुर का एक प्रतिनिधि मंडल कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल से मिला। इस दौरान मांग की गई कि सरकार ओबीसी रिजर्वेशन की विसंगतियों को शीघ्र दूर करे। हाई कोर्ट में ओबीसी का पक्ष रखने नियुक्त विशेष अधिवक्ता रामेश्वर सिंह ठाकुर व विनायक प्रसाद शाह ने कहा कि महाधिवक्ता के अभिमत के कारण 100 प्रतिशत पदों पर भर्तियां नहीं हो पा रही हैं। इससे ओबीसी व सामान्य वर्ग के 45 हजार से अधिक अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटका है। पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को लेकर भी सरकार उदासीन है। प्रतिनिधि मंडल में अधिवक्ता प्रशांत चौरसिया व ओमप्रकाश पटेल भी शामिल रहे। उन्होंने पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल से विशेष चर्चा को गति दी।

इक्विटी फंड एक म्यूचुअल फंड स्कीम है जो स्कीम की 60% से अधिक संपत्ति इक्विटी स्टॉक में निवेश करती है। हालांकि, इसकी एक छोटी राशि डेट और अन्य फंड में निवेश की जाती है, लेकिन यह इक्विटी पर अत्यधिक केंद्रित होती है, इसलिए इसका नाम इक्विटी म्यूचुअल फंड है। पिछले कुछ महीने देश के इक्विटी मार्केट के लिए काफी अच्छे रहे हैं। जिसका लाभ इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को भी मिला है।

कुछ माह देश के इक्विटी मार्केट दे रही बढ़िया मुनाफा

इक्विटी फंड्स कर रहे मालामाल

9 माह में दिया 50% से ज्यादा रिटर्न

इक्विटी फंड एक म्यूचुअल फंड स्कीम है जो स्कीम की 60% से अधिक संपत्ति इक्विटी स्टॉक में निवेश करती है। हालांकि, इसकी एक छोटी राशि डेट और अन्य फंड में निवेश की जाती है, लेकिन यह इक्विटी पर अत्यधिक केंद्रित होती है, इसलिए इसका नाम इक्विटी म्यूचुअल फंड है। पिछले कुछ महीने देश के इक्विटी मार्केट के लिए काफी अच्छे रहे हैं। जिसका लाभ इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों को भी मिला है। देश में कई ऐसे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स हैं, जिन्होंने पिछले 9 महीने के दौरान 50% से ज्यादा रिटर्न दिया है। इन टॉप परफॉर्मेंस करने वाले फंड्स में क्वांट वैल्यू फंड सबसे आगे है, जिसने 63.81% का जबरदस्त रिटर्न दिया है। इसके बाद 60.27% के रिटर्न के साथ आईटीआई मिड कैप फंड दूसरे नंबर पर है, जबकि मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड 54.92% रिटर्न के साथ तीसरे नंबर पर है. इनवेस्को इंडिया फोकस्ड फंड ने भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 54.86% का रिटर्न दिया है, जबकि बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड ने 53.83% और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड ने 53.52% रिटर्न दिया है।

इन फंड्स ने भी दिए शानदार रिटर्न

कुछ फ्लेक्सी कैप फंड्स का प्रदर्शन भी काफी अच्छा रहा है। मिसाल के तौर पर जेएम फ्लेक्सीकैप फंड ने 53.30% और क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड ने 52.23% का रिटर्न दिया है। क्वांट मिड कैप फंड ने भी 51.76% के रिटर्न के साथ शानदार प्रदर्शन किया। इनके अलावा आईटीआई स्मॉल कैप फंड ने 50.75% और जेएम मिडकैप फंड ने 50.38% का रिटर्न दिया हैं। बंधन स्मॉल कैप फंड, एडलवाइस मिड कैप फंड और एनजे फ्लेक्सी कैप फंड ने भी क्रमशः 50.37%, 50.10% और 50.05% के रिटर्न के साथ टॉप रिटर्न देने वाले फंड्स की लिस्ट में जगह बनाई है।

50% से ज्यादा रिटर्न देने वाले इक्विटी फंड

- क्वांट वैल्यू फंड : 63.81%
- आईटीआई मिड कैप फंड : 60.27%
- मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड : 54.92%
- इन्वेस्को इंडिया फोकस्ड फंड : 54.86%
- बैंक ऑफ इंडिया फ्लेक्सी कैप फंड : 53.83%
- क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड : 53.52%
- जेएम फ्लेक्सीकैप फंड : 53.30%
- क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड : 52.23%
- क्वांट मिड कैप फंड : 51.76%
- आईटीआई स्मॉल कैप फंड : 50.75%

इन फंड्स ने किया मालामाल

इन टॉप फंड्स के अलावा 243 अन्य इक्विटी म्यूचुअल फंड्स ने इन्हीं 9 महीनों में 16.51% से लेकर 49.40% तक का रिटर्न दिया है। मिसाल के तौर पर सबसे पुराने ईएलएसएस फंड, एसबीआई लॉन्ग टर्म इक्विटी फंड ने 47.87% का रिटर्न दिया। एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के आधार पर दूसरे सबसे बड़े मिड कैप फंड, कोटक इमर्जिंग इक्विटी फंड ने 42.60% का रिटर्न दिया। इसी तरह, सबसे बड़े स्मॉल कैप फंड, निप्पॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड ने 41.78% का रिटर्न दिया तो सबसे बड़े मिड कैप फंड, एचडीएफसी मिड-कैप ऑपर्च्युनिटीज फंड ने 40.61% का रिटर्न दिया।

सावधानी से करें निवेश

म्यूचुअल फंड्स के रिटर्न काफी शानदार हैं, लेकिन यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि इक्विटी म्यूचुअल फंड्स का पिछला प्रदर्शन भविष्य में वैसे ही रिटर्न देने की गारंटी नहीं देता। निवेशकों को केवल इन आंकड़ों के आधार पर निवेश या रिडेम्पशन का फैसला नहीं करना चाहिए। निवेश से जुड़ा कोई भी फैसला करने से पहले अपनी जोखिम उठाने की क्षमता, इनवेस्टमेंट होराइजन और फाइनेंशियल गोल पर जरूर विचार करें। इसके अलावा अपने वित्तीय सलाहकार से सलाह-मशविरा करने के बाद ही कोई फैसला करें।

क्या हैं इक्विटी म्यूचुअल फंड

इक्विटी फंड एक प्रकार का म्यूचुअल फंड है जो इक्विटी बाजारों पर ध्यान केंद्रित करता है। इक्विटी म्यूचुअल फंड को बेहतर ढंग से समझने के लिए यह समझना महत्वपूर्ण है कि म्यूचुअल फंड व्यसायिक रूप से प्रबंधित फंडों के लिए अम्ब्रेला फंड है जो कई निवेशकों के निवेश को एक साथ रखता है और निवेशकों की जोखिम क्षमता के आधार पर उन्हें विभिन्न परिसंपत्ति वर्गों में निवेश करता है। म्यूचुअल फंड विशेष रूप से रियल स्टेट पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि अन्य मुख्य रूप से वस्तुओं में निवेश कर सकते हैं। इक्विटी फंड वह म्यूचुअल फंड है जिसे ग्रोथ फंड भी कहा जाता है। क्योंकि इनमें से अधिकांश का एक्सपोजर इक्विटी बाजारों के लिए है। इक्विटी फंड का मुख्य उद्देश्य धन या पूंजी का निर्माण करना है। इक्विटी फंड अपने पोर्टफोलियो को अपेक्षाकृत बड़ी संख्या में स्टॉक में विविधता प्रदान करके जोखिम को कम करते हैं, जिससे उन्हें पारंपरिक बचत उपायों जैसे एफडी या डाकघर बचत जमा की तुलना में बेहतर रिटर्न देते है।

शेयर बाजार व सोना रिकॉर्ड हाई पर ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

लंबी अवधि के लिए निवेश करें, अच्छा मुनाफा मिलेगा

बिजनेस डेस्क

इस समय शेयर और सर्राफा बाजार रिकॉर्ड हाई पर हैं। दोनों हर रोज नए नए रिकॉर्ड बना रहे हैं। सेंसेक्स जहां 81,000 के स्तर को पार कर चुका है, वहीं सोना भी 76000 प्रति दस ग्राम के पार है। दूसरी तरफ चांदी भी नित नए रिकॉर्ड बना रही है। बाजार के जानकार मानने लगे हैं कि यह तेजी यूं ही जारी रही तो इस साल के अंत तक सोना 80,000, चांदी एक लाख और शेयर बाजार 90,000 के रिकॉर्ड स्तर को छू लेंगे। शेयर बाजार में निवेश की रणनीति के तहत निवेशक जहां पिछले कुछ महीनों से और शेयर खरीदते जा रहे हैं और इस वजह से एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी-50 अब तक के सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। लेकिन कैलेंडर वर्ष 2024 की पहली छमाही में चांदी ने सबसे अच्छा रिटर्न दिया है और इस दौरान उसमें 30 फीसदी से ज्यादा की उछाल आई है।जानकारों का कहना है कि चांदी की कीमतों में तेजी भूराजनीतिक तनाव और चीन में आर्थिक रिकवरी के कारण आई है। चीन धातुओं के सबसे बड़े उपभोक्ता और उत्पादकों में से एक है। आर्थिक वृद्धि या औद्योगिक मांग के मोर्चे पर चीन के सकारात्मक संकेत कीमतों को और सहारा दे सकते हैं।

यह अनुमान

हमने साल 2025 के लिए सालाना औसत संशोधित कर 93.5 डॉलर और 2026 के लिए 98.75 डॉलर कर दिया है। हमारा अनुमान है कि डब्ल्यूटीआई कीमतें 2024 की दूसरी-तीसरी तिमाही में औसतन 87.25 डॉलर रहेंगी वहीं चौथी तिमाही में 85.60 डॉलर और पूरे साल का औसत 85.5 डॉलर रहेगा। हमने 2025 के लिए अपने सालाना औसत को संशोधित कर 88.9 डॉलर और 2026 के लिए 93.75 डॉलर कर दिया है। विश्लेषकों ने कहा कि इक्विटी ने ज्यादातर सकारात्मक चीजों को शामिल कर लिया है और अब उनके फंडामेंटल को समायोजित करने की संभावना है। ऐसे में ऊंचे भावों को सही ठहराने के लिए आय में वृद्धि जरूरी होगी। उन्होंने कहा कि भूराजनीतिक तनाव की स्थिति शेयरों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि अहम अर्थव्यवस्थाओं मसलन फ्रांस, ब्रिटेन आदि के चुनाव नतीजे नवंबर 2024 में होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले अनिश्चितता में इजाफा कर सकते हैं। तुलनात्मक आकर्षक मूल्यांकन (24.5 गुना पीई) के आधार पर उन्हें स्मॉलकैप के मुकाबले लार्जकैप पसंद हैं। स्मॉलकैप अभी करीब 38 गुना पीई पर कारोबार कर रहे हैं। निफ्टी-50 का लक्ष्य बढ़ाकर 26,398 (पहले 25,816) कर दिया है जो मौजूदा स्तर से 7.7 फीसदी ज्यादा है। हमें उम्मीद है कि बाजार इसी के आसपास मजबूत होगा। हम गिरावट के दौरान खरीद की सलाह दे रहे हैं।

सोने पर ये अनुमान : सोने के मामले में विश्लेषकों को उम्मीद है कि वास्तविक ब्याज दरों का असर पीली धातु पर साल 2024 के आखिर और 2025 में पड़ेगा। एचएसबीसी के विश्लेषकों ने सोने के लिए औसत कीमत अनुमान में इजाफा किया है, लेकिन उनका मानना है कि इस साल चौथी तिमाही या 2025 में इसकी कीमतें नीचे रहेंगी। जानकारों का कहना है कि हम 2024 में ट्रेडिंग रेंज 2,200 डॉलर से 2,600 डॉलर प्रति आउंस के बीच देख रहे हैं। जिंस को लेकर दिलचस्पी साल 2024 की बाकी अवधि में बनी रह सकती है, लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि शेयर बाजार में लार्जकैप शेयर मिड व स्मॉलकैप के मुकाबले बेहतर रिटर्न दे सकते हैं।

ऐसे बनाएं निवेश का प्लान : सभी परिसंपत्ति वर्गों में निवेशकों को सबसे पहले सोने में निवेश करना चाहिए, उसके बाद शेयरों में। विभिन्न केंद्रीय बैंक भी और सोना खरीद सकते हैं, जिनसे कीमतें आगे भी मजबूत बनी रह सकती हैं। केंद्रीय बैंकों की तरफ से ब्याज दरों में कटौती से भी सोने की कीमतों में इजाफा हो सकता है। राबोबैंक इंटरनेशनल के विश्लेषकों के मुताबिक भूराजनीतिक तनाव की वजह से तेल की कीमतें कैलेंडर वर्ष 24 के ज्यादातर हिस्सों में मजबूत रह सकती हैं।

- कर रहे हैं इन्वेस्टमेंट का प्लान, तो एक बार दें ध्यान
- शेयर मार्केट, सोना या बिटकॉइन पर पहले करें रिसर्च
- साल के अंत तक सोना 80,000, चांदी एक लाख और शेयर बाजार 90,000 के रिकॉर्ड स्तर को छू लेंगे

चांदी की कीमतों में 30 फीसदी उछाल

चांदी की कीमतों में 30 फीसदी की वृद्धि को देखते हुए अल्पावधि में कुछ मुनाफावसूली हो सकती है। इसकी कीमतों में गिरावट खरीदारी का मौका हो सकता है। इसका अहम समर्थन स्तर 86,000-86,500 है जबकि 12 से 15 महीने का लक्ष्य संशोधित कर 1,00,000 से 1.15 लाख रुपये कर दिया गया है।

■ बीमा से जुड़े शब्दों का मकड़जाल कर सकता है परेशान

हेल्थ इंश्योरेंस की छुपी शर्तों को पहचानिए कई समस्याओं से मिल जाएगी मुक्ति

बीमा
भास्कर नेरुरकर

एक तकनीकी डोमेन और एक लीगल कान्ट्रैक्ट होने के नाते, अधिकांश लोगों के लिए बीमा की शर्तों को समझना बहुत मुश्किल होता है। इसके अलावा, बात जब इन्श्योरेन्स कान्ट्रैक्ट की आती है तो नियमों, शर्तों और बीमा से जुड़े शब्दों का मकड़जाल एक आम आदमी के लिए जले पर नमक छिड़कने जैसी बात हो जाती है। यह बीमा के बारे में जागरूकता पैदा करने में एक बाधा के रूप में बन गया है। हम आपको हेल्थ इंश्योरेंस से जुड़े यहां कुछ ऐसे शब्दों के बारे में खुलासा कर रहे हैं जिनके बारे में आपको अवश्य जानना चाहिए ताकि आप इन्श्योरेन्स को लेकर एक बेहतर फैसला ले सकें।

स्वास्थ्य बीमा का शब्द जाल

सह-भुगतान या को-पेमेंट

सह-भुगतान या को-पेमेंट, बीमित और बीमाकर्ता के बीच दावा राशि के पूर्व-निर्धारित प्रतिशत को साझा करने के विकल्प को बताता है। इस विकल्प का प्रयोग करने से स्वास्थ्य योजना खरीदते समय प्रीमियम कम करने में मदद मिलती है। एक सहभुगतान बीमाकर्ता की देयता को प्रतिबंधित करता है क्योंकि बीमित व्यक्ति अपनी जेब से कुल दावा राशि का कुछ प्रतिशत हिस्सा खुद वहन करने के लिए सहमत होता है। उदाहरण के लिए, यदि आप 20% के सह-भुगतान से सहमत हैं, तो 1 लाख रुपये के दावे के मामले में आपको अपनी जेब से 20,000 रुपये (20%) की राशि खुद वहन करनी होगी, जबकि बीमाकर्ता 80,000 रुपये की शेष राशि का ख्याल रखेगा।

(लेखक बजाज एलियांज जनरल हेल्थ इंश्योरेंस के हेल्थ क्लेम हेड हैं)

ग्रेस पीरियड

यदि आप समय पर अपने बीमा प्रीमियम का भुगतान करना भूल जाते हैं, तो बीमाकर्ता आपको भुगतान करने के लिए अतिरिक्त 30 दिन प्रदान करते हैं। हालांकि आप इस लैप्स समय अवधि के दौरान कवर नहीं किया जाएंगे, पर यदि एक बार आप प्रीमियम का भुगतान कर देते हैं तो पॉलिसी बहाल कर दी जाती है और इसके तहत सभी लाभों के साथ बरकरार रखा जाता है। इस पीरीअड क्लॉज़ में एक ब्रेक के रूप में कहा जाता है, इस अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाले क्लेम दावे स्वीकार्य नहीं होते हैं।

भर्ती होने से पहले और बाद के चिकित्सा खर्च

डायग्नोस्टिक टेस्ट, कंसल्टेशन आदि में अस्पताल में भर्ती होने से पहले किए गए खर्चों को अस्पताल में भर्ती पूर्व चिकित्सा व्यय के रूप में जाना जाता है। अस्पताल में भर्ती होने के बाद किए गए खर्च को अस्पताल में भर्ती होने के बाद के चिकित्सा खर्च के रूप में जाना जाता है, जिसमें फॉलो-अप दवाएं, परीक्षण, फिजियोथेरेपी, डायलिसिस, कीमो उपचार आदि शामिल होते हैं। अस्पताल में भर्ती होने से पहले 30 से 60 दिन की अवधि प्री-हॉस्पिटलाईजेशन, जबकि अस्पताल में भर्ती के 90 से 180 दिन की अवधि पोस्ट-हॉस्पिटलाईजेशन की मानी जाती है।

व्यक्तिगत दुर्घटना

- पर्सनल एक्सीडेंट पॉलिसी वे बेनेफिट पॉलिसी होती हैं जो किसी भी दुर्घटना से संबंधित विकलांगता या मृत्यु के मामले में एकमुश्त राशि का भुगतान करती हैं।
- कुल स्थायी विकलांगता (पर्मानेंट टोटल डिसअबिलिटी या पीटीडी)
- जब कोई बीमित व्यक्ति अपने व्यवसाय की जिम्मेदारियों को जारी रखने में असमर्थ होता है या जब उसके दोनों हाथों और पैरों को कुछ इस तरह का शारीरिक नुकसान पहुंचता है कि स्थाई रूप से विकलांगता के कारण वह काम कर रोजी रोटी चलाने में असमर्थ होता है, तो इस तरह से क्लेम को पीटीडी कहा जाता है।

आंशिक स्थायी विकलांगता या पीपीडी

यह आम तौर पर एक विकलांगता के रूप में कहा जाता है जिसमें बीमित व्यक्ति को उनके व्यवसाय के एक या एक से अधिक कार्य करने में मुश्किल आती है, लेकिन वह किसी तरह से दूसरा काम कर सकता है। हालांकि, यहां भी एक अंग या अंग का नुकसान अपरिवर्तनीय है। पीपीडी के उदाहरणों में एक हाथ या एक पैर या एक आंख या एक उंगली आदि का नुकसान माना जाता है।

कटौती या डिडक्टीबल

डिडक्टीबल या कटौती एक स्पेसिफिक राशि होती है जिसके तहत बीमाधारक को स्वास्थ्य बीमा योजना अमल में आने से पहले के खर्च को वहन करने को बताता है। प्रत्येक पॉलिसी में स्वैच्छिक कटौती का एक कम्पोनन्ट होता है। चूंकि यह व्यवस्था बीमाकर्ता को उनके दायित्व के एक हिस्से से राहत देती है, इसलिए प्रीमियम कम करने में सहायक होता है। डिडक्टीबल जितना ज्यादा होता है, प्रीमियम उतना ही कम होता है। उदाहरण के लिए, यदि आपने अपनी पॉलिसी में 10,000 रुपये की कटौती या डिडक्टीबल का विकल्प चुना है, तो 1 लाख रुपये के दावे के मामले में आपको पहले 10,000 रुपये पहले खुद वहन करना होगा, जबकि बाकी 90,000 रुपये की राशि आपके बीमाकर्ता द्वारा ध्यान रखा जाएगा। यदि दावा राशि 10,000 रुपये से नीचे है तो ग्राहक को ही पूरा खर्च वहन करना होगा।

डे केयर ट्रीटमेंट

ये अस्पताल या डे केयर सेंटर में जनरल या लोकल अनेस्थेसिया के तहत 24 घंटे से कम समय के लिए अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति मे किए गए चिकित्सा उपचार या शल्य चिकित्सा की प्रक्रियाओं से संबंधित होता है। यह ध्यान रखना बहुत महत्वपूर्ण है कि डे केयर ट्रीटमेंट में ओपीडी शामिल नहीं हैं। कुछ सामान्य डे केयर ट्रीटमेंट में मोतियाबिंद सर्जरी, कोरोनरी एंजियोग्राफी, कीमो थेरेपी, डायलिसिस, आदि शामिल किए जाते हैं। डे केयर प्रक्रियाओं की एक पूरी लिस्ट आपके बीमाकर्ता से अनुरोध की जा सकती है और यह इरदाई के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

संचयी बोनस (क्यूमूलेटिव बोनस या सीबी)

हर दावा मुक्त वर्ष में बीमाकर्ता प्रीमियम में बिना किसी वृद्धि के अगले साल में ज्यादा सम अशुर्ड अर्जित करता है। पहले दावे मुक्त वर्ष में बीमित राशि में 5% की वृद्धि होती हुई है और हर साल क्लेम फ्री यीयर्स में के बाद रिनूवल में सम अशुर्ड 10% बढ़ता रहता है और यह अधिकतम 50% हो जाता है। आजकल अब तो ऐसे प्रोडक्ट हैं 100% का सम-अशुर्ड ऑफर कर रहे हैं।

अक्सर सुना होगा कि एसआईपी में निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा है कंपाउंडिंग। म्यूचुअल फंड में कंपाउंडिग वह सुविधा है, जिसमें आपके कमाए हुए ब्याज पर भी ब्याज मिलता है और लंबी अवधि में आपकी दौलत बढ़ती जाती है। इस तरह एसआईपी में आप कम समय में अच्छा रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। यहां तक की करोड़पति भी बन सकते हैं।

2,000 की एसआईपी बना रही करोड़पति

बिजनेस डेस्क

आपने अक्सर यह सुना होगा कि एसआईपी में निवेश करने का सबसे बड़ा फायदा है कंपाउंडिंग। म्यूचुअल फंड में कंपाउंडिग वह सुविधा है, जिसमें आपके कमाए हुए ब्याज पर भी ब्याज मिलता है और लंबी अवधि में आपकी दौलत लगातार बढ़ती जाती है। एसआईपी म्यूचुअल फंड स्कीम में निवेश की एक स्पेशल सुविधा है, जिसमें छोटे-छोटे अमाउंट मंथली बेसिस पर निवेश किया जा सकता है। इसमें एक साथ बड़ी रकम जमा करने की जरूरत नहीं होती है। छोटी छोटी रकम की बात करें तो बहुत सी म्यूचुअल फंड स्कीम 100 रुपये से 500 रुपये के साथ एसआईपी की सुविधा देती हैं। लगातार निवेश करते रहने ये अमाउंट ही आपको करोड़पति तक बना सकता है। अगर लंबी अवधि में एसआईपी के जरिए निवेश करने पर आपको कंपाउंडिंग की ताकत देखनी है तो कुछ 20 से 25 साल पुरानी म्यूचुअल फंड स्कीम के रिटर्न चार्ट पर नजर डाल सकते हैं। हमने यहां 25 साल या इससे ज्यादा पुरानी ऐसी 5 स्कीम चुनी हैं, जिनमें 25 साल के दौरान सबसे ज्यादा एसआईपी रिटर्न मिला है। हमने जिन 5 फंडों की जानकारी दी है, उनमें 23.25 फीसदी तक एनुअलाइज्ड रिटर्न मिला है। वहीं सिर्फ 2000 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेशक करोड़पति बन गए, जबकि उनका कुल निवेश सिर्फ 7 लाख रुपये ही हुआ है।

इन स्कीम्स ने बनाया अमीर

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड

निप्पॉन इंडिया ग्रोथ फंड में बीते 25 साल का एसआईपी चार्ट देखें तो इस स्कीम ने 23.25 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इस फंड में 2000 रुपये की लगातार 25 साल तक एसआईपी करने पर निवेश की कुल वैल्यू 4 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई।

- मंथली एसआईपी : 2000 रुपये
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 23.25%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 25 वर्ष में कुल निवेश : 7 लाख रुपये
- 25 साल में एसआईपी की वैल्यू : 4,00,25,861 रुपये (करीब 4 करोड़ रुपये)

फ्रैंकलिन इंडिया प्राइमा फंड

फ्रैंकलिन इंडिया प्राइमा फंड में बीते 25 साल का एसआईपी चार्ट देखें तो इस स्कीम ने 21.79 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है. इस फंड में 2000 रुपये की लगातार 25 साल तक एसआईपी करने पर निवेश की कुल वैल्यू 3 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई।

- मंथली एसआईपी : 2000 रुपये
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 21.79%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 25 साल में कुल निवेश : 7 लाख
- 25 साल में एसआईपी की वैल्यू : 3,06,46,980 रुपये (करीब 3 करोड़ रुपये)

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड

एचडीएफसी फ्लेक्सी कैप फंड में बीते 25 साल का एसआईपी चार्ट देखें तो इस स्कीम ने 20.86 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इस फंड में 2000 रुपये की लगातार 25 साल तक 2.50 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई।

- मंथली एसआईपी : 2000 रुपये
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.86%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 25 वर्ष में कुल निवेश : 7 लाख रुपये
- 25 साल में एसआईपी की वैल्यू : 2,58,31,462 रुपये (करीब 2.58 करोड़)

टाटा मिडकैप ग्रोथ फंड

टाटा मिडकैप ग्रोथ फंड में बीते 25 साल का एसआईपी चार्ट देखें तो इस स्कीम ने 20.18 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इसमें 2000 की लगातार 25 साल तक एसआईपी करने पर निवेश की कुल वैल्यू 2.25 करोड़ से ज्यादा हो गई।

- मंथली एसआईपी : 2000 रुपये
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 20.18%
- अपफ्रंट इन्वेस्टमेंट : 1 लाख रुपये
- 25 साल में कुल निवेश : 7 लाख
- 25 साल में एसआईपी की वैल्यू : 2,27,83,182 रुपये (2.28 करोड़ रुपये)

डीएसपी फ्लेक्सी कैप फंड

डीएसपी फ्लेक्सी कैप फंड में बीते 25 साल का एसआईपी चार्ट देखें तो इस स्कीम ने 18.51 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इस फंड में 2,000 रुपये की लगातार 25 साल तक एसआईपी करने पर निवेश की कुल वैल्यू 1.50 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुरक्षा देश का सरोकार है। वैसे तो पीएम की सुरक्षा का मुद्दा सार्वकालिक है, लेकिन अब यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए हमले के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक है। उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह ने एक अंग्रेजी अखबार में लेख लिखकर पीएम मोदी की सुरक्षा पर चिन्ता जताई है। कुछ सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने मौजूदा नफरती राजनीति को ही बुनियादी कारण माना है कि प्रधानमंत्री लगातार कांग्रेस समेत विपक्ष के निशाने पर रहते हैं। उन पर कभी भी हमला किया जा सकता है। वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी की सलाह है कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर 'हिंसा, हत्या, मौत' सरीखे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि ये किसी भी नागरिक को भड़का सकते हैं। राजनीति में यह हिंसक प्रवृत्ति बीते एक दशक के दौरान ज्यादा बढ़ी है। सहिष्णुता और सद्भाव गायब होते जा रहे हैं। कांग्रेस समेत विपक्ष के नेता भाजपा-एनडीए की नीतियों का विरोध करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी को निजी तौर पर निशाना बना रहे हैं। विपक्ष की राजनीति का यह स्वरूप भारतीय लोकतंत्र की परंपरा नहीं रहा है, ऐसे में मौजूदा राजनीति में बढ़ रहे नफरती बोल को तत्काल रोकने की जरूरत है। पीएम मोदी को लेकर कांग्रेस नेताओं की अमर्यादित भाषा से दूषित हो रही सियासत का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

कांग्रेस के नफरती निशाने पर प्रधानमंत्री

विश्लेषण
सुशील राजेश
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री के प्रति ऐसी नफरती राजनीति अभूतपूर्व और असभ्य है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, पांच दशकों से अधिक समय तक देश पर शासन किया है, लेकिन अब पार्टी रसातल की ओर है। सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देकर या उनके प्रति नफरत फैलाकर वोट हासिल किए जा सकते हैं? नरेन्द्र मोदी ने भी राजनेता की हैसियत से कड़े शब्द कहे थे, लेकिन उनके भाव मारने-काटने, हत्या कर देने या बेरोज़गार युवा डंडे से पीटेंगे आदि नहीं थे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो चिंतित सरोकार है, लेकिन हमारी राजनीति की गरिमा और शालीन व्यवहार भी दांव पर हैं कि कांग्रेस की राजनीति कितनी नीचे तक गिर सकती है। इसे रोका जाना चाहिए।

संदर्भ मई, 2014 का है। लोकसभा चुनाव के प्रचार में 10-12 दिन शेष थे। जाहिर है कि न तो जनादेश सार्वजनिक हुआ था और न ही नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। अलबत्ता मीडिया से संवाद और साक्षात्कार के दौरान उन्होंने यह जरूर कहा था कि यदि हमारी सरकार बनी, तो 1993 के मुंबई सांप्रदायिक दंगों के आरोपियों को भारत लाएंगे। भाजपा के तत्कालीन प्रधानमंत्री उम्मीदवार नरेन्द्र मोदी ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम का भी जिक्र किया था कि उसे भी भारत लाएंगे और कानूनी कार्रवाई करेंगे। ऐसे बयान सुनकर एक अन्य डॉन ने मीडिया के जरिये मोदी को मारने की धमकी दी थी। यह भी कहा था कि 'दाऊद को तब भारत ला पाएंगे, जब जिंदा बचेंगे। मोदी गांधीनगर भी वापस नहीं जा पाएंगे।' मीडिया के जिन चेहरों के जरिये वह धमकी दी गई थी, उन्होंने भारत सरकार में संबद्ध अधिकारियों को खुलासा कर दिया था। उसके बाद मोदी बीते 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और दाऊद को अभी तक भारत नहीं लाया जा सका है। ऐसे दावे 1993 के बाद की सरकारों ने लगातार किए हैं। पाकिस्तान में दाऊद के आवास के चित्रमय सबूत भी सार्वजनिक किए गए हैं, लेकिन डॉन पाकिस्तान में ही है। मोदी को धमकी देने वाला डॉन कौन था, वह भी आज तक रहस्य रहा है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा सरोकार

बहरहाल विश्लेषण अंडरवर्ल्ड डॉन को लेकर नहीं है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा देश का सरोकार है। वैसे तो प्रधानमंत्री की सुरक्षा का मुद्दा सार्वकालिक है, लेकिन अब यह अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति एवं राष्ट्रपति उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर किए गए हमले के संदर्भ में ज्यादा प्रासंगिक है। उप्र के पूर्व पुलिस महानिदेशक विक्रम सिंह ने एक अंग्रेजी अख़बार में लेख लिखकर प्रधानमंत्री मोदी की सुरक्षा पर चिन्ता जताई है। कुछ सवाल भी उठाए हैं। उन्होंने मौजूदा नफरती राजनीति को ही बुनियादी कारण माना है कि प्रधानमंत्री लगातार निशाने पर रहते हैं। उन पर कभी भी हमला किया जा सकता है। वरिष्ठतम आईपीएस अधिकारी की सलाह है कि प्रधानमंत्री को निशाना बनाकर हिंसा, हत्या, मौत सरीखे शब्दों का इस्तेमाल न किया जाए, क्योंकि ये किसी भी नागरिक को भड़का सकते हैं। राजनीति में यह हिंसक प्रवृत्ति बीते एक दशक के दौरान ज्यादा बढ़ी है। सहिष्णुता और सद्भाव गायब होते जा रहे हैं। कांग्रेस भाजपा-एनडीए की नीतियों का विरोध करने के बजाय प्रधानमंत्री मोदी को निजी तौर पर निशाना बना रही है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आम चुनाव के दौरान जून में, वाराणसी में, प्रधानमंत्री के काफिले पर किसी ने चप्पल फेंकने का दुस्साहस किया। वह बम या ग्रेनेड भी हो सकता था। इस संदर्भ में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की टिप्पणी थी कि अब लोग मोदी से डरते नहीं हैं। फरवरी, 2020 में राहुल गांधी ने यहां तक बयान दे दिया था- 'ये जो नरेन्द्र मोदी भाषण दे रहा है, छह महीने के बाद यह घर से बाहर नहीं निकल पाएगा। हिन्दुस्तान के युवा इसको ऐसा ... मारेंगे, इसको समझा देंगे कि हिन्दुस्तान के युवा को रोज़गार दिए बिना यह देश आगे नहीं बढ़ सकता।' यह उस पार्टी की नेता की भाषा थी, जो पार्टी देश की विरासत, संस्कृति, बहुलता, विविधता, संस्कार को संभालने का दावा करती है। यह उस पार्टी की नेता की भाषा थी, जो देश की सबसे पुरानी व स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भूमिका निभाने वाली पार्टी मानी जाती है। यह उस पार्टी के नेता की भाषा थी, जो महात्मा गांधी की विरासत का उतराधिकारी होने का दावा करती है। नरेन्द्र मोदी के लिए यह उस नेता की भाषा थी, जो नेहरू व इंदिरा गांधी के परिवार के वंशज हैं।

पहले भाषण में ही हिंसा

जब राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बन गए, तो उन्होंने अपने पहले भाषण में ही हिंसा और हत्या सरीखे शब्दों का कई बार इस्तेमाल किया। चप्पल फेंकना भी प्रधानमंत्री की चाक-चौबंद और अति प्रशिक्षित सुरक्षा-व्यवस्था पर गंभीर सवाल है। पंजाब के फिरोजपुर इलाके में प्रधानमंत्री के काफिले को एक हाईवे पर अटक जाना पड़ा, तो उस स्थान पर पाकिस्तान की तरफ से हमला किया जा सकता था! कांग्रेस और राहुल गांधी के भीतर प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत खूब भरी है। वे इसे चुनावी मुद्दा मानते रहे हैं, लिहाजा 2019 के आम चुनाव से पहले 'चौकीदार चोर है' को चुनावी नारा बनाया था। यह दीगर है कि देश ने कांग्रेस को खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री की सुरक्षा 'स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप' (एसपीजी) के जवान करते हैं। उनके पास अत्याधुनिक हथियार होते हैं और ऐसी तकनीकी व्यवस्था होती है कि प्रधानमंत्री को हवा भी छू नहीं सकती। एसपीजी प्रधानमंत्री के तौर पर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी को उपलब्ध नहीं थी, क्योंकि तब तक इसका गठन ही नहीं हुआ था। इसका गठन तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हाराव की सरकार के दौरान किया गया, जब राजीव गांधी की हत्या पर विमर्श किया जा रहा था। उसके बाद एसपीजी की सुरक्षा सिर्फ राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को दी जाती है। पूर्व प्रधानमंत्री को और उनके निकटस्थ परिजनों को सीआरपीएफ या एनएसजी के कमांडोज की सुरक्षा दी जाती है। राजीव गांधी के बाद किसी भी प्रधानमंत्री को 'आसान निशाना' नहीं बनाया जा सका और न उन पर हमला किया जा सका।

अपशब्दों का इस्तेमाल

बहरहाल इन कथनों और घटनाओं के अलावा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय ने बयान दिया था कि 'मोदी हिटलर की मौत मरेगा।' 'मोदी की बोटी-बोटी करने' का बयान देने वाला शख्स आज लोकसभा में कांग्रेस सांसद है। कांग्रेस में ही किसी ने यहां तक बयान दिया कि 'मोदी के सिर पर डंडे मारने चाहिए'। प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया गया है, उसकी एक लंबी सूची है। दरअसल नफरत और गालियों का यह सिलसिला 2007 के गुजरात विधानसभा चुनाव से हुआ, जब तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने मुख्यमंत्री मोदी के लिए 'मौत का सौदागर' विशेषण का इस्तेमाल किया था। बाद में राहुल गांधी ने भी 'खून की दलाली' और 'ज़हर की खेती' सरीखे अपशब्द कहे थे। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के पहले और बाद कांग्रेस नेताओं ने उनके लिए 'चायवाला', 'रावण', 'भस्मासुर', 'यमराज', 'बिच्छू', 'सांप', 'बंदर', अनपढ़', 'हिटलर', 'गंदी नाली का कीड़ा' आदि 100 से अधिक अपशब्दों का इस्तेमाल किया। इन तमाम गालियों में मोदी के लिए कांग्रेस नेताओं की नफरत निहित थी। 2014 से आज तक यह नफरत जारी रही है, लेकिन उसका बुनियादी कारण आज तक समझ नहीं आया। प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक हिंसात्मक शब्दों का प्रयोग नहीं किया। 2014 से कांग्रेस लगातार 3 लोकसभा चुनाव बुरी तरह हार चुकी है। आम चुनाव, 2024 में भी 13 राज्यों में कांग्रेस को 'शून्य' ही मिला है, जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक के 232 सीट को बड़ा विजय मान रही है, इसमें कांग्रेस की अपनी सीट केवल 99 है। सौ सीट भी हासिल नहीं कर सकी। भाजपा के अकेले 240 सीट हैं, जो इंडिया ब्लॉक की 232 सीट से ज्यादा है। समाजवादी पार्टी की 'परजीवी' बनने के बावजूद सबसे बड़े राज्य उप्र में कांग्रेस के हिस्से सिर्फ 6 सीट ही आई हैं, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी कांग्रेस गठबंधन में भी कुछ खास नहीं कर सकी, लेकिन कांग्रेस खुद को ऐसे प्रदर्शित कर रही है, मानो लोकसभा का जनादेश कांग्रेस को ही मिला है!

राजनीति की गरिमा भी दांव पर

बीते 40 साल में कई चुनाव देखे हैं और राजनीति के रंग भी देखे हैं, लेकिन ऐसी नफरती राजनीति अभूतपूर्व और असभ्य है। कांग्रेस देश की सबसे पुरानी पार्टी है, पांच दशकों से अधिक समय तक देश पर शासन किया है, लेकिन अब पार्टी रसातल की ओर है। सवाल है कि क्या प्रधानमंत्री मोदी को गालियां देकर या उनके प्रति नफरत फैलाकर वोट हासिल किए जा सकते हैं? नरेन्द्र मोदी ने भी राजनेता की हैसियत से कुछ आपत्तिजनक शब्द कहे थे, लेकिन उनके भाव मारने-काटने, हत्या कर देने या बेरोज़गार युवा डंडे से पीटेंगे आदि नहीं थे। उन्होंने '50 करोड़ की गर्लफ्रेंड', 'युवराज' या 'शहजादा' सरीखे शब्दों का सार्वजनिक प्रयोग किया। ऐसी राजनीतिक भाषा भी ठीक नहीं है। अब सवाल देश के प्रधानमंत्री का है। मोदी देश के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। तीसरी बार पीएम बने हैं। यह देश के लोकतंत्र और मतदाताओं का जनादेश है, जिसे कांग्रेस या राहुल गांधी अथवा 'इंडिया' खारिज नहीं कर सकते। देश पहले भी दो प्रधानमंत्रियों की हत्या देख और झेल चुका है। कांग्रेस इस दर्द को भलिभांति जानती है। कांग्रेस नेताओं को समझना चाहिए कि दरअसल, ऐसे अपशब्द किसी को भी भड़का और उत्तेजित कर सकते हैं। उस मनःस्थिति में वह प्रधानमंत्री तक पर हमला कर सकता है। कई धमकीपूर्ण बयान किसान आंदोलन के दौरान भी प्रधानमंत्री मोदी के लिए कहे गए। प्रधानमंत्री मोदी को मारने तक की बात कही गई और पुतले जलाए गए। पंजाब वाली घटना के दौरान नाराज़ और गुस्साए किसान भी प्रधानमंत्री की घेराबंदी कर सकते थे! कई राजनीतिक दल किसान आंदोलन के उन धमकीबाजों के साथ भी खड़े रहे। 26 जनवरी, 2021 को तो दिल्ली में ऐसा उपद्रव मचाया गया मानो दिल्ली पर ही किसी बाहरी शक्ति ने आक्रमण किया हो! प्रधानमंत्री की सुरक्षा तो चिंतित सरोकार है, लेकिन हमारी राजनीति की गरिमा, सभ्यता और शालीन व्यवहार भी दांव पर हैं कि हमारी राजनीति कितनी नीचे तक गिर सकती है। इसे रोका जाना चाहिए और राजनीति मुद्दों, तथ्यों के आधार पर की जानी चाहिए। यही लोकतंत्र का सौन्दर्य है।

विकास के साथ रोजगार सृजन पर हो जोर

बजट उम्मीद
डॉ. अश्विनी महाजन
प्रोफेसर व अर्थशास्त्री

अंतरिम बजट फरवरी 2024 में वित्त मंत्री द्वारा पेश किया गया था, अब जुलाई 2024 में पूर्ण केंद्रीय बजट 2024-25 पेश करने का समय आ गया है। इसके लिए विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकों के साथ तैयारियां पहले ही शुरू हो चुकी हैं, जिसमें अर्थशास्त्री, किसान, एनबीएफसी, बाजार विशेषज्ञ और कई अन्य शामिल हैं।

प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री आमंत्रित

19 जून को एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों को आगामी बजट के बारे में अपना दृष्टिकोण देने के लिए आमंत्रित किया गया। सरकारी हलकों में लोग 8.2 प्रतिशत की उच्च जीडीपी वृद्धि, 9.9 प्रतिशत की तेजी से बढ़ते विनिर्माण, अप्रैल 2024 में सीपीआई मुद्रास्फीति के 4.82 प्रतिशत के साथ मुद्रास्फीति में कमी, डब्ल्यूपीआई में कमी, राजकोषीय घाटे के बजट अनुमानों से कम रहने, रुपये में पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 1.4% की बहुत कम दर गिरावट, और भुगतान संतुलन में चालू खाता घाटा जीडीपी के बमुश्किल 0.7% रहने को लेकर उत्साहित हैं। 2023-24 में, जून के पहले सप्ताह तक विदेशी मुद्रा भंडार 665.8 बिलियन डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। अब मोदी 3.0 के सामने चुनौती इस वृद्धि को बनाए रखने के साथ-साथ मुद्रास्फीति, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति और बेरोजगारी के मुद्दे को हल करने की है। राजकोषीय समझदारी से कभी समझौता नहीं किया जा सकता। मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने और विकास को बढ़ावा देने के लिए यह एक पूर्व शर्त है। कम राजकोषीय घाटे को जारी रखने के बारे में आम सहमति थी। चूंकि सरकार ने पहले ही अंतरिम बजट 2024-25 में जीडीपी के 5.1% के राजकोषीय घाटे का प्रस्ताव रखा है, लेकिन कुछ ऐसी ज़रूरतें हैं जिनके कारण सरकार को पूंजीगत व्यय, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे के लिए अधिक धन की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च; पीएलआई योजना, विशेष रूप से नए क्षेत्रों में उसके विस्तार के साथ। बेरोजगारी, शिक्षित युवा बेरोजगारी को संबोधित करने की भी तत्काल आवश्यकता है।

रोबोट टैक्स का सुझाव

बैठक में कुछ अर्थशास्त्रियों ने नई तकनीक, खास तौर पर एआई के कारण नौकरियों के नुकसान के बारे में चिंता जताई। एक राय यह थी कि हालांकि, हम नई तकनीक के उपयोग से बच नहीं सकते और न ही बचना चाहिए, लेकिन चूंकि इससे नौकरियां जा रही हैं, इसलिए जो लोग लाभ उठा रहे हैं, उन्हें नुकसान उठाने वालों की भरपाई करनी चाहिए। रोजगार सृजन का जिक्र करते हुए, यह सुझाव दिया गया कि 'रोबोट टैक्स' की संभावना तलाशी जा सकती है, जिसका उपयोग विस्थापित श्रमिकों को पुनः कौशल प्रदान करने और पुनर्वासित करने के लिए किया जा सकता है। यह ध्यान रखना दिलचस्प हो सकता है कि हाल ही में आईएमएफ द्वारा एक पेपर में उल्लेख किया गया है कि यद्यपि एआई रोजगार और मजदूरी को बढ़ावा दे सकता है, लेकिन आईएमएफ ने यह भी कहा है कि श्रम बल के बड़े हिस्से को लंबे समय तक काम से बाहर रख सकता है, जो एक दर्दनाक संक्रमण की ओर इंगित करता है।

डिज़ाइन किया जाए पीएलआई

उत्पादन संबद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के पहले चरण की सफलता से उत्साहित, जिसने एपीआई, रक्षा उपकरण, मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक्स और कई अन्य में चीन पर निर्भरता को कम करने में मदद की, अर्थशास्त्रियों ने पीएलआई के अगले चरण को सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र (एमएसएमई) के इर्द-गिर्द डिज़ाइन करने का समर्थन किया। रोज़गार सृजन पर नज़र रखते हुए, अधिक संतुलित औद्योगिक विकास के लिए के लिए पीएलआई योजना को एमएसएमई के लिए डिज़ाइन करना महत्वपूर्ण है।

ई-उत्पादों पर सीमा शुल्क की तैयारी

यह समझा जाता है कि विश्व व्यापार संगठन के 13वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के परिणाम के अनुसार, विश्व व्यापार संगठन के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन से डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क पर रोक समाप्त हो जाएगी। डिजिटल उत्पादों पर सीमा शुल्क लगाने की तैयारी के रूप में, हम इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित सॉफ्टवेयर और अन्य डिजिटल वस्तुओं के लिए भारतीय सीमा शुल्क मैनुअल में विशिष्ट टैरिफ शीर्ष बनाकर इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर शून्य प्रतिशत के सर्वाधिक पसंदीदा राष्ट्र टैरिफ के साथ डिजिटाइज़ करने योग्य वस्तुओं पर सीमा शुल्क शुरू कर सकते हैं। इससे डेटा एकत्र करने और 01/04/2026 के बाद उचित दरों पर सीमा शुल्क लगाने में सुविधा होगी, जब विश्व व्यापार संगठन द्वारा ई-ट्रांसमिशन के सीमा शुल्क पर लगाई रोक समाप्त हो जाएगी।

निजी निवेश को बढ़ावा

इसमें कोई संदेह नहीं है कि ई-उत्पादों पर टैरिफ लगाने से दीर्घकाल में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक रूप से प्रेषित उत्पादों में निजी निवेश को बढ़ावा मिलेगा, लेकिन कई अन्य उद्योगों और स्टार्ट-अप में भी निवेश को बढ़ावा देने की तत्काल जरूरत है। घरेलू स्त्रोतों से इस निवेश को वित्तपोषित करने के लिए, हमें घरेलू निवेशकों के लिए अनुकूल माहौल देने की आवश्यकता है। निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए बैठक में जिन सुझावों पर चर्चा की गई, उनमें निम्नलिखित शामिल हैं:-

1. वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के प्रवाह में घर्षण को दूर करने के लिए सूचीबद्ध, गैर-सूचीबद्ध क्षेत्रों के बीच दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ समानता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है। वर्तमान में सूचीबद्ध शेयरों पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ आमतौर पर 10 और गैर-सूचीबद्ध शेयरों व अन्य परिसंपत्तियों पर 20% की दर से कर लगता है।
2. जैविक रसायन, प्लास्टिक और ईवी से संबंधित उपकरणों सहित चीन से आयात प्रतिस्थापन के लिए उत्पादन से जुड़ी पीएलआई योजना शुरू की जानी चाहिए।
3. छोटे और मध्यम उद्यमों के लिए घोषित रक्षा गलियारों में प्लग एंड प्ले सुविधाओं, कॉमन टूल रूम और आरएंडडी सुविधाओं के साथ औद्योगिक पार्क स्थापित किए जा सकते हैं। उचित लागत पर रक्षा उत्पादन बढ़ाने के लिए 'इसरो मॉडल' को अपनाया जा सकता है।
4. हालांकि, सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 'रिवर्स फ़्लिपिंग' वालों को अपेक्षित कर का भुगतान करना होगा और अधिकांश 'रिवर्स फ़्लिपिंग' करने वाले लोग इसे देने के लिए तैयार भी हैं, फिर भी लालफीताशाही और प्रक्रियाओं और ढेर सारे कागजी काम से जुड़े मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। चूंकि, यह एक बार का मामला है, इसलिए सरकार रिवर्स फ़्लिपिंग की सुविधा के लिए एक पैकेज ला सकती है और जो लोग वापस लौट रहे हैं उनके लिए असुविधा को कम कर सकती है। यह सभी के लिए लाभ की स्थिति हो सकती है; चाहे वह सरकारी राजस्व हो, स्टार्ट-अप इकोसिस्टम हो या पूरा देश हो।

मध्यम वर्ग को राहतों की बड़ी उम्मीदें

पूर्ण बजट 24-25
डॉ.जयंतीलाल भंडारी
वरिष्ठ अर्थशास्त्री

इस समय पूरे देश की निगाहें 23 जुलाई को वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के द्वारा पेश किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2024-25 की ओर लगी हुई है। यह उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2012-13 के बाद महंगाई के हिसाब से जिस आयकरदाता और मध्यम वर्ग को राहत नहीं मिली है, अब वित्तमंत्री नए बजट के माध्यम से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील करने की रणनीति पर आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकती हैं।

राहतों पर फोकस

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि मध्यम वर्ग को राहत देने को लेकर विशेष रूप से कोरोना महामारी के बाद लगातार मांग तेज हुई है। सरकार ने विगत वर्षों में जहाँ गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉरपोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया, लेकिन राहत पाने के मद्देनजर सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। 18वीं लोकसभा चुनाव के मतदान में मध्यम वर्ग की नाराजगी भी दिखाई दी है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक संबोधन में कहा है कि मध्यम वर्ग देश के विकास का चालक है और मध्यम वर्ग कैसे कुछ बचत बढ़ा सके तथा मध्यम वर्ग के लोगों की जिंदगी को कैसे आसान बनाया जा सके, इस परिप्रेक्ष्य में रणनीतिकपूर्वक आगे बढ़ा जाएगा।

गौरतलब है कि इस पूर्ण बजट 2024-25 के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर संबंधी मजबूत परिदृश्य मौजूद है। पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। 2023-24 में आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8 करोड़ के स्तर को पार कर चुका है और पिछले 10 वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले दोगुने से अधिक हुए हैं। आयकर विभाग के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2013-14 में आयकर संग्रह करीब 2.38 लाख करोड़ रुपये था। यह फिर तेजी से बढ़ता गया। यह वर्ष 2019-20 में 10.5 लाख करोड़ रुपये हो गया। कोरोनाकाल के कारण यह वर्ष 2020-21 में घटकर 9.47 लाख करोड़ रुपये पर आ गया। यह वर्ष 2021-22 में 14.08 करोड़ रुपये, वर्ष 2022-23 में 16.64 करोड़ रुपये और वर्ष 2023-24 में 19.58 करोड़ हो गया।

ऐसे में वित्तमंत्री सीतारमण मजबूत वित्तीय मुट्ठी से आयकर के नए और पुराने दोनों स्लैब की व्यवस्थाओं के तहत करदाताओं व मध्यम वर्ग को अभूतपूर्व राहतों से लाभान्वित कर सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। इसके तहत मानक कटौती (स्टैंडर्ड डिडक्शन) सीमा को 50,000 रुपये से बढ़ाकर एक लाख रुपये तक किया जा सकता है। ज्ञातव्य है कि वर्ष 2018 में मानक कटौती की सीमा 40 हजार रुपये थी और वर्ष 2019 में इसे बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया गया था।

टैक्स छूटों में वृद्धि वृद्धि संभव

नए बजट के तहत आयकर से संबंधित विभिन्न टैक्स छूटों में वृद्धि की जा सकती है। मौजूदा समय में धारा 80सी के तहत 1.50 लाख रुपये की छूट मिलती है। इसके तहत ईपीएफ, पीपीएफ, एनएससी, जीवन बीमा, बच्चों की ट्यूशन फीस और होम लोन का मूलधन भुगतान भी शामिल है। मकानों की बढ़ती हुई कीमत को देखते हुए धारा 80सी के तहत 2.5 लाख से तीन लाख की छूट दी जा सकती है। इसी तरह सरकार के द्वारा इनकम टैक्स एक्ट की धारा 80डी के तहत कर कटौती की सीमा को बढ़ा सकती है। ऐसे में सरकार के द्वारा 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम पर टैक्स छूट को बढ़ा सकती है ताकि टैक्पेयर्स हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर प्रेरित हों। 80डी में कर छूट सीमा को बढ़ाने के साथ-साथ वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सीमा बढ़ाई जाने से लोगों को स्वास्थ बीमा कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) में योगदान की वार्षिक सीमा को मौजूदा 1.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 3 लाख रुपये किया जा सकता है।

आयकर के दायरे में इजाफा

निःसंदेह देश में कर सुधारों से आयकर के संग्रहण में आशातीत वृद्धि हुई है, लेकिन अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। जहां वर्ष 2024-25 के बजट से वित्तमंत्री आयकर राहत संबंधी उपहार सौंप सकती हैं, वहीं वे बजट में आयकर के दायरे का विस्तार करने की नई रणनीति का ऐलान कर सकती है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग हैं पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक पिछले एक वर्ष में करीब 24 लाख लोगों ने 10 लाख रुपये से महंगी कारें खरीदी, पिछले एक वर्ष में करीब 25 लाख लोगों के 50 लाख रुपये से अधिक कीमत के महंगे घर खरीदे, वर्ष 2022 में देश के करीब 2.16 करोड़ लोगों ने पर्यटन के मद्देनजर विदेश यात्राएं की। इस तरह लोगों के पास पर्याप्त कमाई के कारण ही ये खरीदियां और विदेश यात्राएं संभव हैं, लेकिन ऊंची कमाई करके भी बड़ी संख्या में लोग आयकर नहीं देना चाहते। वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 2.79 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। यानी देश की आबादी के 1.97 फीसदी लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में आयकर का पूरा बोझ दो फीसदी से भी कम आबादी के द्वारा उठाया जा रहा है। साथ ही देश में कुल आयकर रिटर्न के करीब 70 फीसदी आयकर रिटर्न शून्य आयकरदेयता बताते हुए दिखाई दिए हैं। ऐसे में देश में आयकर संग्रहण सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आकार की तुलना में महज 11.7 फीसदी ही है, जबकि यह जर्मनी में 38 फीसदी, जापान में 31 फीसदी, ब्रिटेन में 25 फीसदी अमेरिका में 25 फीसदी और चीन में 18 फीसदी है। स्थिति यह है कि अमेरिका की 60 फीसदी और ब्रिटेन की 55 फीसदी आबादी आयकर चुकाती है। दुनिया की कई छोटी-छोटी अर्थव्यवस्थाओं में संग्रहित किए जाने वाले आयकर का उनकी जीडीपी में बड़ा योगदान है। इसमें राहत से फायदा ही है।

नई रणनीति की संभावना

अतएव हम उम्मीद करें कि इस बार वित्तमंत्री नए बजट से ऐसे लोगों को चिह्नित करने की नई रणनीति के साथ दिखाई देगी, जिससे वास्तविक आमदनी का सही मूल्यांकन हो सके, लोगों के वित्तीय लेनदेन के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त हो सके । साथ ही जो वास्तविक कमाई से कम पर आयकर देते हैं, उन्हें भी चिह्नित करके अपेक्षित आयकर चुकाने के लिए बाध्य किया जा सके। निश्चित रूप से इससे देश में टैक्स संग्रहण बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

हिंसाग्रस्त बांग्लादेश से 778 भारतीय छात्र अपने वतन लौटे, मंत्रालय रख रहा हालात पर नजर

बांग्लादेश इस समय आरक्षण की आग में जल रहा है। आरक्षण प्रणाली में सुधार की मांग को लेकर छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान राजधानी ढाका तथा अन्य जगहों पर हिंसा भड़क गई है। इसमें करीब 105 व्यक्तियों की मौत हो चुकी है, कई घायल हुए हैं।

एजेंसी ⏭ ढाका

बांग्लादेश में सरकारी नौकरियों में आरक्षण बहाली के सुप्रीम कोर्ट के आदेश के खिलाफ हिंसा जारी है। इस बीच हिंसाग्रस्त बांग्लादेश से 778 भारतीय छात्रों की वतन लौटे, वही भारतीय मंत्रालय हालात पर नजर रख रहा है। इस पर काबू पाने के लिए सरकार ने पूरे देश में कर्फ्यू लगा दिया है। प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के जनरल सेक्रेटरी ओबैदुल कादर ने 19 जुलाई को देर रात कर्फ्यू लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हिंसा काबू करने के लिए सेना को तैनात किया गया है।जानकारी के अनुसार पुलिस और सुरक्षाकर्मियों ने प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की। अब तक कुल 105 लोग मारे गए हैं। बांग्लादेश में बढ़ते तनाव के बीच अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स अपने घर लौट आए हैं। ढाका यूनिवर्सिटी को अगले आदेश तक के लिए बंद दिया है।

छात्रों के माता-पिता वहां के हालात को लेकर चिंतित

बांग्लादेश में करीब 8,500 छात्र भारतीय

बांग्लादेश से अब तक 778 भारतीय स्टूडेंट्स लौट आए हैं। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा ने बताया कि भारतीय स्टूडेंट्स को डॉकी इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट के जरिए बांग्लादेश से निकाला गया है। उनमें से लगभग 80 मेघालय से हैं और बाकी अन्य राज्यों से हैं। नेपाल, भूटान के कुछ छात्रों और पर्यटकों को भी निकाला गया है। मेघालय सीएम ने बताया कि बांग्लादेश के ईस्टर्न मेडिकल कॉलेज में करीब 36 छात्र फंसे हुए हैं। हम वहां के अधिकारियों के संपर्क में हैं। कॉलेज और उसके आसपास की स्थिति ठीक है। हालांकि, स्टूडेंट्स के माता-पिता वहां के हालात को लेकर चिंता में हैं। जब तक भारत सरकार पूरी तरह आश्वस्त नहीं हो जाती कि रास्ता साफ और सुरक्षित हो गया है, तब तक स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। इसके बाद ही स्टूडेंट्स को भारत लाया जाएगा। बांग्लादेश में कुल भारतीय नागरिकों की संख्या लगभग 15,000 होने का अनुमान है, जिसमें लगभग 8,500 स्टूडेंट्स शामिल हैं।

6 साल पहले सरकार ने कोटा सिस्टम बंद किया था

साल 2018 में 4 महीने तक छात्रों के प्रदर्शन के बाद हसीना सरकार ने कोटा सिस्टम खत्म कर दिया था, लेकिन बीते महीने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को फिर से आरक्षण देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि 2018 से पहले जैसे आरक्षण मिलता था, उसे फिर से उसी तरह लागू किया जाए। शेख हसीना सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अपील भी की मगर सुप्रीम कोर्ट ने अपना पुराना फैसला बरकरार रखा। इससे छात्र नाराज हो गए। अब इसी के खिलाफ पूरे देश में प्रदर्शन हो रहा है।

सरकार बातचीत को तैयार, प्रदर्शनकारियों ने मना किया

सरकार ने गुरुवार को कहा कि वह प्रदर्शनकारियों के साथ बातचीत करने को तैयार है। हालांकि प्रदर्शनकारियों ने बातचीत करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि बातचीत और गोलीबारी एकसाथ नहीं चल सकती।

हिंसा में 2500 से अधिक घायल

अस्पतालों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हफ्ते छात्र प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़पों में अब तक कम से कम 105 लोग मारे गए हैं। 2,500 से ज्यादा घायल हुए हैं।

खबर संक्षेप

चीन में ढहा पुल 11 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के शांक्शी प्रांत में अचानक आई बाढ़ के कारण राजमार्ग पर बना पुल आंशिक रूप से ढह गया, जिससे 11 लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लापता हो गए। पुल ऐसे वक्त में गिरा, जब वहां से लोग वाहनों से गुजर रहे थे। इस कारण काफी लोगों को मौत का सामना करना पड़ा। हादसे में घायल लोगों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार।

मोदी के एक्स पर 10 करोड़ फॉलोअर्स, मस्क ने दी बधाई

नई दिल्ली। टेस्ला के सीईओ और अरबपति एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दुनिया में सबसे ज्यादा फॉलो किए जाने वाले नेता बनने पर उनको को बधाई दी। पीएम मोदी को एक्स अकाउंट पर 10 करोड़ से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। पीएम अपने एक्स हैंडल पर राजनेताओं से मुलाकात और कार्यक्रम की तस्वीरों को शेयर करते रहते हैं।

62 यात्रियों में से 38 की तलाश जारी

नेपाल: भूस्खलन में लापता लोगों को खोजेंगे अब भारतीय गोताखोर

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

नेपाल में भूस्खलन से त्रिशूली नदी में लापता हुए 62 यात्रियों में से 38 लोगों की खोज अब भारतीय टोही दल करेगा। इसके लिए नेपाल सरकार के आग्रह पर 12 लोगों का टोही दल घटनास्थल पर पहुंच चुका है। नारायणगढ़ मुगलिंग सड़क खंड में सिमलताल के पास भूस्खलन होने से त्रिशूली नदी में लापता दो बस और उन पर सवार यात्रियों की खोज अब भारतीय टोही दल करेगा।

बस में 65 यात्री सवार थे

नेपाल में हुई इस भीषण घटना में लोगों का विश्वास जीतने के लिए नेपाल सरकार और प्रशासन द्वारा वे सभी कार्य किए जा रहे हैं जो आवश्यक हैं। नेपाल में भारतीय टोही दल के पहुंचने की जानकारी नेपाली गृह मंत्रालय की विपदा महाशाखा के प्रमुख भीष्म कुमार भूसाल ने नेपाली नागरिकों को दी है। सिमलताल के पास हुए भूस्खलन में दो बसों पर 65 यात्री सवार थे, जिनमें से तीन यात्री नदी को तैर कर बाहर आ गए। जबकि बाकी सभी 62 यात्री नदी की धारा के साथ बह गए।

लापता यात्रियों के शव न मिलने से निराश लोग

इधर, त्रिशूली नदी में बस सहित लापता अधिकांश यात्रियों के शव न मिलने से निराश लोग अब उनके सांकेतिक शव का अंतिम संस्कार करने लगे हैं। बीरगंज के गहवा निवासी एन्जल बस के चालक जवाहीर महतो का भी इसी तरह आज अंतिम संस्कार किया गया। गमगीन माहौल में बस चालक जवाहीर महतो का कुश का सांकेतिक शव बनाया गया और इसका दाह संस्कार किया गया। इनके घरवालों ने इतने दिनों तक इंतजार किया। प्रतिदिन इनके शव के आने का इंतजार होता रहा। थक-हार कर स्थानीय जानकारों से पूछताछ की। हिंदू धर्म में जो परंपरा और मान्यता है, उसके अनुरूप इन लोगों ने इनका दाह संस्कार कर दिया।

आतंक के सफाए की नई रणनीति तैयार

जम्मू में अब आतंकियों का खात्मा करेंगे पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो, बढ़ाई जवानों की संख्या

एजेंसी ⏭ जम्मू

जम्मू-कश्मीर क्षेत्र में लगातार बढ़ती आतंकी गतिविधियों को लेकर भारतीय सेना ने अपने जवानों की संख्या यहां बढ़ा दी है। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 50-55 आतंकवादी जो हमले के बाद अभी भी कहीं वादियों में ही छुपे हुए हैं जिनमें मुख्य रूप से रियासी,डोडा, भद्रवाह, कठुआ और उधमपुर के इलाके शामिल हैं।

जम्मू क्षेत्र में बढ़ती आतंकी गतिविधियों को लेकर अब इलाके में भारतीय सेना ने अपने जवानों की संख्या बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार भारतीय सेना ने पाकिस्तान के 50-55 आतंकवादियों का शिकार करने के लिए क्षेत्र में लगभग 500 पैरा स्पेशल फोर्स कमांडो को तैनात किया है। आतंकी आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए इन क्षेत्रों में प्रवेश कर चुके हैं।

नवीनतम हथियारों से लैस सेना के जवान

जमीन पर सेना के अधिकारी नवीनतम हथियारों और संचार उपकरणों से लैस आतंकवादियों की तलाश और उन्हें नष्ट करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। सेना के पास पहले से ही क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी बुनियादी ढांचा मौजूद है, जिसमें रोमियो और डेल्टा बलों के साथ-साथ राष्ट्रीय राइफल्स की दो सेनाओं के साथ-साथ अन्य नियमित पैदल सेना डिवीजन भी मौजूद हैं।

आतंकियों के मददगारों की खैर नहीं

खुफिया एजेंसियों ने भी क्षेत्र में अपने तंत्र को मजबूत किया है और आतंकवादियों का समर्थन करने वाले ओवरग्राउंड लोगों सहित आतंकवादी समर्थन बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए काम कर रहे हैं। सेना ने यहां पाकिस्तान की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए पहले ही क्षेत्र में लगभग 3,500-4000 कर्मियों की एक ब्रिगेड सहित सेना के जवान तैनात किए हैं।

आतंकियों से बरामद हुई स्टेयर एयूजी राइफल

कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को मारे गए दो विदेशी आतंकियों से ऑस्ट्रिया निर्मित बुलपप

असॉल्ट राइफल, 'स्टेयर एयूजी' बरामद की गई है। इस तरह की राइफलों का प्रयोग अफगानिस्तान में नाटो देश की सेनाओं द्वारा किया जाता था। आधिकारिक सूत्रों ने इसे दुर्लभ बरामदगी बताया है। लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश करने वाले दहशतगर्दों से इन राइफलों के साथ युद्ध जैसा गोला-बारूद का जखीरे मिला है।

खंगाले जा रहे पुराने रास्ते और नदी-नाले

जम्मू संभाग में अचानक आतंकी हमलों में आई तेजी के बीच भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा से घुसपैठ और पुलिस चौकियों को निशाना बनाए जाने के इनपुट मिले हैं। सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षाबलों को सतर्क करने के साथ ही सेना की तैनाती बढ़ा दी गई है। खंगाजे जा रहे हैं पुराने रास्ते और नदी-नाले। पुलिस चौकियों पर पहली बार रात में सेना मौजूद रह रही है।

लखनपुर में जांच के बाद ही मिल रहा प्रवेश

उधर कठुआ में हाई अलर्ट के बाद पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के प्रवेशद्वार लखनपुर में सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया है। पुलिस के जवान हर आने वाले वाहन की गहनता से जांच कर रहे हैं और बसों व कारों से आने वालों के सामान की भी जांच की जा रही है। चेक पॉइंट पर लगे सीसीटीवी कैमरों में हर वाहन की तस्वीर कैद हो रही है पुलिस व सुरक्षाबल के जवान गाड़ियों की जांच कर रहे हैं।

मुलाकात

नई दिल्ली। नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो, शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात करते हुए।

भारत और न्यूजीलैंड द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने न्यूजीलैंड के समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन से फोन पर बातचीत की। इस दौरान लक्सन ने उन्हें लोकसभा चुनाव में दोबारा जीत पर बधाई दी। दोनों नेता व्यापार और आर्थिक सहयोग, पशुपालन, फार्मस्यूटिकल्स, शिक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमत हुए। पीएमओ (प्रधानमंत्री कार्यालय) की ओर से आज एक बयान जारी किया गया। जिसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने इस बात पर गौर किया कि भारत और न्यूजीलैंड के संबंध साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और लोगों के बीच करीबी संबंधों पर आधारित हैं। उन्होंने द्विपक्षीय सहयोग को आने वाले वर्षों को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई।

ट्रंप 44 साल की सबसे बड़ी जीत की ओर, सर्वे में अहम राज्यों में 57% वोट मिलने की संभावना

एजेंसी ⏭ वॉशिंगटन

अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से 109 दिन पहले ही रिपब्लिकन प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप बाजी मारते नजर आ रहे हैं। ट्रंप ने मिलवॉकी में गुरुवार रात कन्वेंशन में कार्यकर्ताओं के उत्साह के बीच टिकट पाया। शुक्रवार सुबह ट्रंप कैंप के लिए एक और खुशखबर आई है। रीयल क्लीयर पॉलिटिक्स के पोल के मुताबिक, ट्रम्प ने 7 बड़े राज्यों में बाइडेन पर 57% वोटों की बड़ी बढ़त बना ली है। बाइडेन 20% वोट हासिल कर पाए हैं। इन राज्यों में मिशिगन, विस्कॉन्सिन, पेन्सिलवेनिया, नेवादा, नॉर्थ कैरोलीना, एरिजोना और जॉर्जिया हैं। पिछली बार बाइडेन ने नॉर्थ केरोलीना को छोड़कर सभी में जीत हासिल की थी।

बाइडेन को 7 बड़े राज्यों में सिर्फ 20% वोट

पोल के बात संभावना जताई जा रही है कि बाइडेन को 7 बड़े राज्यों में सिर्फ 20% वोट वोट मिलने की संभावना जताई जा रही है, वही ट्रम्प 1980 में रिपब्लिकन रोनाल्ड रीगन की 44 राज्यों में जीत के रिकॉर्ड को तोड़ देंगे। इस बीच, सूत्रों के मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडेन की कमजोर पड़ती दावेदारी को देखकर राष्ट्रपति पद के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है।

लादेन का करीबी अमीन उल हक पाकिस्तान में गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान में अलकायदा नेता और ओसामा बिन लादेन के करीबी रहे अमीन-उल-हक को गिरफ्तार किया गया है। पंजाब के काउंटर टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) ने शुक्रवार को ये जानकारी दी। जानकारी के मुताबिक सीटीडी को अलकायदा के सीनियर कमांडर रहे अमीन-उल-हक के गुजरात (पाकिस्तान) के सराय आलमगीर कस्बे में होने की जानकारी मिली थी जिसके बाद उन्होंने एक ऑपरेशन चलाकर उसे गिरफ्तार कर लिया। अमीन उल-हक अफगानिस्तान का रहने वाला है मगर उसके पास से पाकिस्तान का आईडी कार्ड मिला है। ये आईडी कार्ड लाहौर और हरिपुर के एक पते पर बनाया गया है। अमीन-उल-हक के खिलाफ पंजाब में मामला दर्ज किया है। उसके खिलाफ आतंक से जुड़ी साजिश रचने का आरोप लगा है। हालांकि, टेररिज्म डिपार्टमेंट ने इस मामले में बहुत अधिक जानकारी नहीं दी है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में राजदूत रवींद्र ने पाकिस्तान को लताड़ा

कहा- कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे

एजेंसी ⏭ न्यूयार्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में एक बार फिर पाकिस्तान की जमकर खिंचाई की है। भारत समेत दुनिया के अन्य देशों में आतंकवाद फैलाने के मुद्दे पर भारत ने पाकिस्तान को जमकर लताड़ा। हालांकि इस दौरान पाकिस्तान का नाम नहीं लिया गया। पाक पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए भारत ने कहा है कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। भारत ने यह भी कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंडों से बचा जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में उप स्थायी प्रतिनिधि एवं प्रभारी राजदूत आर रवींद्र ने कहा, ''आप इस बात से सहमत होंगे कि जब हम अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की बात करते हैं, तो आतंकवाद सबसे गंभीर खतरों में से एक है।

आतंक के साथ अलगाववाद और चरमपंथ भी खतरनाक

आर रवींद्र ने कहा, ''हमें आतंकवाद, अलगाववाद और चरमपंथ की तीन बुराइयों के खिलाफ लड़ाई में एससीओ-आरएटीएस की भूमिका को और मजबूत करने की जरूरत है। भारत ने संपर्क सुविधा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किए जाने की भी लगातार वकालत की है।

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड से बचना चाहिए

इसलिए हमें आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मापदंड से बचना चाहिए।'' रवींद्र ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने में संयुक्त राष्ट्र और क्षेत्रीय एवं उप-क्षेत्रीय संगठनों के बीच सहयोग: सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन (सीएसटीओ), स्वतंत्र राष्ट्रों का राष्ट्रमंडल (सीआईएस), शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ)' विषय पर अपने विचार रखते हुए यह बात कही। उन्होंने पाकिस्तान का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि कुछ देश आतंकवाद को शासकीय नीति के एक औजार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

युवाओं में कट्टरता रोकने को बताया जरूरी

रवींद्र ने कहा हमें अपने युवाओं में कट्टरपंथ के प्रसार को रोकने के लिए भी सक्रिय कदम उठाने चाहिए। 2023 में एससीओ की भारत की अध्यक्षता में कट्टरपंथ के विषय पर जारी संयुक्त वक्तव्य कट्टरता के खिलाफ लड़ाई में दिल्ली की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भारत एससीओ के भीतर सुरक्षा क्षेत्र में विश्वास को मजबूत करने के साथ-साथ समानता, सम्मान और आपसी समझ'' के आधार पर एससीओ भागीदारों के साथ संबंधों को मजबूत करने को उच्च प्राथमिकता देता है।

हैती के तट पर नाव में लगी आग

81 में से 40 प्रवासियों की मौत तटरक्षक बलों ने 41 को बचाया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हैती कैरेबियन सागर में स्थित एक देश के तट पर नाव में आग लगने से कम से कम 40 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 81 से अधिक प्रवासियों को लेकर जहाज बुधवार को हैती से रवाना हुआ था और तुर्क और कैकोस की ओर जा रहा था, साथ ही हैती के तटरक्षक बल ने 41 बचे लोगों को बचाया। हैती में आईओएम के मिशन प्रमुख ग्रेगोइरे गुडस्टीन ने इस त्रासदी के लिए हैती के बढ़ते सुरक्षा संकट और

प्रवास के लिए सुरक्षित और कानूनी रास्ते की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि हैती की सामाजिक-आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। पिछले कुछ महीनों में हुई अत्यधिक हिंसा ने हैतीवासियों को और भी ज़्यादा हताशाजनक उपायों का सहारा लेने पर मजबूर कर दिया है।

आदित्य की अगली फिल्म में नजर आएंगे रणवीर...

नई दिल्ली। आदित्य धर अपनी अगली फिल्म को लेकर तैयारियों में जुटे हैं। कहा जा रहा है कि आगामी फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल अदा करेंगे। बॉलीवुड में 'उरी द सर्जिकल स्ट्राइक' और 'आर्टिकल 370' जैसी फिल्में बनाने वाले आदित्य धर अब अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि आदित्य धर की अगली फिल्म में रणवीर नजर आने वाले हैं। यह एक स्पाई थ्रिलर फिल्म होगी। इस फिल्म की शूटिंग इसी महीने शुरू होगी। आदित्य धर और रणवीर सिंह 25 जुलाई से थाइलैंड में फिल्म पर काम शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल और आर माधवन के नाम जुड़ने की भी चर्चा है।

लाइफ Style

हिना

जानदार वर्कआउट पर मिली शाबाशी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हिना खान टीवी की सबसे मशहूर हस्तियों में से एक हैं। ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने के बाद से ही वो फैंस के साथ लगातार पोस्ट शेयर कर रही हैं। हाल ही में हिना ने जो वीडियो शेयर किया है, उसमें लोग उनके जज्बे को सलाम कर रहे हैं।

हिना का वर्कआउट वीडियो वाकई जानदार है। वह अपने ट्रेनर के साथ लेग टेक्निक से पंचिंग की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। उनकी ताकत देखकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है। हिना खान ने कहा, 'इस यात्रा को, मैंने जो हासिल किया उसके लिए याद किया जाना चाहिए या नहीं। मुझे यह ताकत देने के लिए अल्लाह का शुक्रिया।' हिना खान लगभग हर रोज अपने सोशल मीडिया फॉलोअर्स को स्टेज थ्री के स्तन कैंसर से जूझ रहे अपने सफर के बारे में अपडेट करती रहती हैं। चाहे अपना नया पिक्सी कट दिखाना हो या अपनी मां के प्रति आभार जताना हो, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' की एक्ट्रेस इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। हालिया पोस्ट में, उन्होंने अपनी ताकत और लचीलापन दिखाते हुए अपने वर्कआउट सेशन का एक वीडियो शेयर किया, जो उनके फैंस को बहुत पसंद आया। वीडियो के साथ, हिना ने इलाज को लेकर एक मैसेज भी लिखा। हिना खान की शेयर की गई नई क्लिप में उन्हें वर्कआउट प्रैक्टिस में लगे हुए दिखाया गया है। वह अपने ट्रेनर के साथ लेग टेक्निक से पंचिंग की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। उनकी ताकत देखकर हर कोई उनकी तारीफ कर रहा है।

हॉलीवुड मसाला

डेडपूल एंड... का ट्रेलर जारी

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड अभिनेता ह्यू जैकमैन और रयान रेनॉल्ड अभिनीत फिल्म डेडपूल एंड वूल्वरिन शुरुआत से चर्चा में बनी हुई है। दुनियाभर के दर्शकों को इस फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में मेकर्स ने फिल्म का तीसरा और अंतिम ट्रेलर जारी कर दिया है। दर्शकों के बीच इस फिल्म को लेकर जबर्दस्त क्रेज देखने को मिल रहा है। फिल्म का आखिरी ट्रेलर में लेडी डेडपूल की झलक भी देखने को मिली है।

'द बॉयज' की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं सुजैन हेवर्ड...

लॉस एंजिलिस। हॉलीवुड अभिनेत्री सुजैन हेवर्ड अपने बेहतरीन अभिनय के लिए प्रशंसकों के बीच काफी प्रसिद्ध हैं। ड्रामा सीरीज 'ऑरेंज इज द न्यू ब्लैक' में तमिका वार्ड की भूमिका निभा चुकीं सुजैन हेवर्ड अब 'द बॉयज' के चौथे सीजन में नजर आ रही हैं। सुजैन हेवर्ड ने 'द बॉयज' के चौथे सीजन में बेहद ही शानदार भूमिका निभाई है। प्रशंसकों को उनका अभिनय काफी पसंद आया। सुजैन हेवर्ड का कहना है कि वह खुद 'द बॉयज' की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं, क्योंकि यह सुपरहीरो शैली पर पूरे तरीके से वास्तविक दुनिया की समस्याओं को दिखाया गया है। 'द बॉयज' का चौथा सीजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रहा है।

वसुधा के रोल में नजर आएंगी तब्बू...

नई दिल्ली। नीरज पांडे ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर 'औरों में कहां दम था' का नया पोस्टर साझा किया, जिसमें अभिनेत्री तब्बू भी दिखाई दे रही हैं। इसके साथ उन्होंने बताया कि तब्बू वसुधा के किरदार में नजर आएंगी। उन्होंने इस किरदार को मजबूत, प्रेममय और स्वतंत्र बताया है। फिल्म में तब्बू और अजय देवगन के जवानी वाले किरदार को निभाने वाले कलाकार साई मांजरेकर और शांतनु माहेश्वरी भी पोस्टर में दिख रहे हैं। 'औरों में कहां दम था' को पहले 5 जुलाई, 2024 को रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसमें बदलाव किया गया। अब यह फिल्म 2 अगस्त, 2024 को रिलीज होगी। बॉक्स ऑफिस पर इसका मुकाबला 'उलझ' से होगा, जिसमें जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका निभा रही हैं। यह एक थ्रिलर फिल्म है।

'कगुवा' में तीन लुक में दिखेंगे सूर्या

मुंबई। साउथ सुपरस्टार सूर्या इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कंगुवा' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। फिल्म में सूर्या के साथ बॉबी देओल और दिशा पाटनी मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में सूर्या एक या दो नहीं, बल्कि तीन अवतारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म 10 अक्टूबर को रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सूर्या 'कांगुवा' में तीन अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। प्रत्येक किरदार का लुक अलग होगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया है और यह फिल्म की कहानी में एक अलग तरह की जिज्ञासा पैदा करेगा। 'कंगुवा' को इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म माना जा रहा है। 350 करोड़ रुपए से ज्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह 'पुष्पा', 'सिंघम' और कई अन्य बड़ी फिल्मों से बड़ी होने का दावा कर रही है।

टीवी मसाला

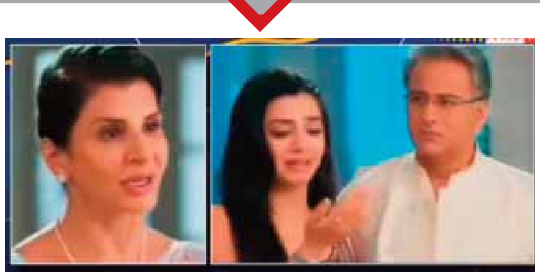

पोद्दार हाउस में रोहित की वापसी के बाद रूही कनफ्यूज

नई दिल्ली। ये रिश्ता क्या कहलाता है समृद्धि शुक्ला और रोहित पुरोहित स्टारर टीवी शो में हप दिन कुछ न कुछ ड्रामा देखने को मिलता रहता है। इन दिनों कहानी में एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है। शो में रोहित पुरोहित ने अपनी वापसी कर ली है। बता दें कि पहले इस किरदार को शिवम खजूरिया ने निभाया था। हालांकि, अब रोमित राज सीरियल में रोहित पोद्दार का किरदार निभा रहे हैं। पिछले दिनों रोहित लापता हो गया और पोद्दार हाउस से गायब हो गया था, जब उसे अरमान और रूही के अफेयर के बारे में पता चला था। उसने सोचा था कि उसके लापता होने से अरमान और रूही फिर से मिल जाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। और अब वह पोद्दार हाउस में वापस आ गया है उसक अंदर अरमान के लिए नफरत भरी हुई है। ये रिश्ता क्या कहलाता है के आज के एपिसोड में देखने को मिलेगा कि अभिरा को माधव सांत्वना देता है। रोहित के वापस आने से पोद्दार हाउस के लोगों में तरह-तरह की भावनाएं उमड़ रही हैं। हर कोई खुश और भावुक भी है।इसलिए अभिरा, माधव से कहती है कि वह दिल खोलकर रोए और अपनी भावनाओं को बाहर आने दे। दूसरी तरफ, कोरस गैंग भी रोहित को वापस देखकर काफी भावुक हो जाता है।

'हम एक-दूसरे के संपर्क में नहीं रहना चाहते' क्या सुम्बुल से टूट गई फहमान की दोस्ती?

नई दिल्ली। फहमान खान और सुम्बुल तौकीर ने लोकप्रिय शो 'इमली' में अपने अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। शो के मुख्य लीड्स के तौर पर

उन्होंने न केवल अपनी ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए बल्कि असल जिंदगी की दोस्ती के लिए भी फैंस से खूब प्यार बटोरा है। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि चीजें बदल गई हैं। फहमान ने सुम्बुल के साथ अब दोस्त नहीं होने के बारे में एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने क्या कहा है। एक इंटरव्यू के दौरान, फहमान ने सुम्बुल के साथ अपनी दोस्ती को लेकर बात की है। फहमान ने कहा, 'चीज हो जाती है यार। जब आप शो खत्म कर लेते हैं और अपनी जिंदगी पर ध्यान देते हैं, तो आपको इतना समय नहीं मिलता। इस विषय पर अक्सर लोग अजीबोगरीब कमेंट करते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए, मैं जैसा हूं, वैसा ही रहना बहुत जरूरी है।

समय न दे पाने को लेकर होती है करीना-सैफ में लड़ाई...

मुंबई। करीना कपूर खान और सैफ अली खान बॉलीवुड के मशहूर कपल हैं। दोनों ने साल 2012 में शादी के बंधन में बंध जाने का फैसला किया था। इस साल उनकी शादी के 12 साल पूरे हो जाएंगे। दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे से प्यार जताते नजर आते हैं। इस कपल को उनके फैंस भी काफी पसंद करते हैं। इनके दो प्यारे बच्चे भी हैं, जिनका नाम तैमूर और जहांगीर है। हाल में ही एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री ने अपने पति सैफ अली खान के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात की है। एक कपल लंबे समय से साथ होता है, तो जाहिर है कि दोनों के बीच छोटे-बड़े झगड़े भी होते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि ये एक ही घर में दो कलाकार होने का एक विपरीत प्रभाव है। करीना ने कहा कि वह ज्यादातर बार एक दूसरे के साथ समय बिताने को लेकर लड़ते हैं, जब वह एक-दूसरे से मिल नहीं पाते हैं। करीना ने भी अपने रिश्ते को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी उनके लिए एक-दूसरे के लिए समय निकालना भी मुश्किल हो जाता है। इसको लेकर एक उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि सैफ अली खान एक बार सुबह 4:30 बजे आए और सो गए, जबकि वह काम पर चली गईं। उठने के बाद सैफ एक शूटिंग के लिए चले गए, जबकि वह अगले दिन बैंकॉक जाने की तैयारी कर रही थीं। अभिनेत्री ने कहा कि ज्यादातर समय वो एक-दूसरे को देख नहीं पाते हैं, भले ही वो एक ही घर में रहते हैं। अभिनेत्री ने कहा कि दोनों के लिए समय का संतुलन बनाना काफी मुश्किल है। दोनों कैलेंडर के साथ बैठ कर एक दिन तय करते हैं, जब वह साथ वक्त बिताना चाहते हैं। अभिनेत्री ने झगड़ों के पीछे का एक दिलचस्प कारण बताते हुए कहा कि सैफ 16 डिग्री सेल्सियस चाहते हैं, जबकि वह 20 डिग्री चाहती है, लेकिन वह 19 डिग्री पर मान जाते हैं। बात करें दोनों के वर्क फ्रंट की तो करीना 'द बकिंघम मर्डर्स' में नजर आने वाली हैं। इसे हंसल मेहता निर्देशित कर रहे हैं।

'ग्यारह-ग्यारह' का पहला पोस्टर जारी

नई दिल्ली। 'किल' के बाद करण जौहर एक बार फिर राघव जुयाल को रोमांचक परियोजना 'ग्यारह ग्यारह' के साथ दर्शकों के सामने खास अंदाज में पेश करने के लिए तैयार हैं। आखिरकार करण जौहर ने जी5 के ओरिजिनल शो के रिलीज की तारीख की भी घोषणा कर दी है। इसके साथ ही उन्होंने सीरीज का पहला पोस्टर भी जारी किया है। यह सीरीज नौ अगस्त को जी5 पर रिलीज होगी। निर्माताओं ने इसकी रिलीज की तारीख 9 अगस्त 1990 लिखी की है, जिसका मतलब है कि यह 1990 में घटी रहस्यमयी घटनाओं की कहानी यात्रा पर ले जाएगी। शनिवार को निर्माताओं ने सीरीज का पोस्टर जारी किया, जिसमें दो प्रमुख कलाकार वॉकी-टॉकी पर बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। सीरीज में कृतिका कामरा , धैर्य करवा और राघव जुयाल मुख्य भूमिकाओं में हैं और इसे बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता करण जौहर और

गुनीत मोंगा कपूर ने मिलकर निर्मित किया है। सीरीज के बारे में बात करते हुए निर्देशक उमेश बिष्ट ने कहा, 'ग्यारह ग्यारह' का निर्देशन एक असाधारण यात्रा रही है और मैं करण जौहर और गुनीत मोंगा जैसे दूरदर्शी लोगों के साथ काम करने के लिए गहराई से सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हमारे शो के माध्यम से दर्शकों को एक रोमांचक कहानी का स्वाद मिलेगा, जो समय को जोड़ती है। दो पुलिस अधिकारियों को जोड़ती है- एक 1990 से और दूसरा 2016 से - एक रहस्यमय वॉकी-टॉकी के माध्यम से। इसमें सस्पेंस, ड्रामा, रोमांच और वह सब कुछ है, जो आपको एक मनोरंजन के लिए चाहिए।'

अब बॉलीवुड में धाक जमा चुकी हैं ये अभिनेत्रियां

साउथ फिल्मों से की अभिनय करियर की शुरुआत

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्रियां अपनी दमदार अदाकारी से दर्शकों का दिल जीत लेती हैं। कई अभिनेत्रियां आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शुमार हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बॉलीवुड एक्ट्रेस के तौर पर पहचान बनाने वाली कुछ अभिनेत्रियों ने अपना एक्टिंग डेब्यू साउथ फिल्मों से किया है। फिर, उन्होंने हिंदी फिल्मों का रुख किया और एक से एक हिट फिल्में देने के बाद इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई।

दीपिका पादुकोण

इस लिस्ट में सबसे पहला नाम आता है दीपिका पादुकोण का। दीपिका ने बॉलीवुड इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई और अब वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस के तौर पर पहचानी जाती हैं, लेकिन उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साउथ फिल्म से की थी। साउथ में उनकी पहली फिल्म 'ऐश्वर्या' थी, जिसका निर्देशन इंद्रजीत लंकेश ने किया था। फिर, उन्होंने 'ओम शांति ओम' से बॉलीवुड डेब्यू किया।

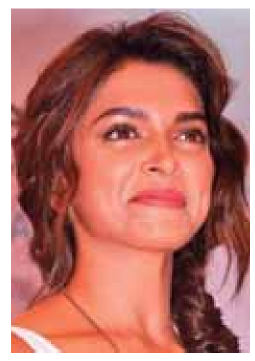

प्रियंका चोपड़ा

इस लिस्ट में अगला नाम आता है प्रियंका चोपड़ा का। प्रियंका ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है। उन्हें बॉलीवुड में 'देसी गर्ल' के रूप में खास पहचान मिली। प्रियंका की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'अंदाज' थी, लेकिन इस फिल्म से पहले वह तमिल फिल्म 'तमीजन' में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ विजय लीड रोल में थे। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट रही थी।

यामी गौतम

साउथ फिल्मों से डेब्यू करने वाली अभिनेत्रियों की लिस्ट में यामी गौतम ने भी अपनी जगह बनाई है। यामी ने भी कन्नड़ फिल्म में काम कर अपने करियर की शुरुआत की थी। फिर, उन्हें जल्द ही कई टेलीविजन सीरियल्स और ऐड जिंगल में काम मिलने लगा। इसके कुछ समय बाद उन्होंने फिल्म 'विक्की डोनर' से बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की और अब वह बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस की लिस्ट में शामिल हो चुकी

कृति सेनन

कृति सेनन भी इस लिस्ट में शामिल हैं। कृति ने 2014 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने बॉलीवुड में 'हीरोपंती' से डेब्यू किया था, उससे पहले वह साउथ फिल्मों में अपने अभिनय का दम दिखा चुकी थीं। साउथ की एक फिल्म में उन्होंने एक पत्रकार की भूमिका निभाई थी। फिर, उन्होंने बॉलीवुड का रुख कर इंडस्ट्री में खास पहचान बनाई।

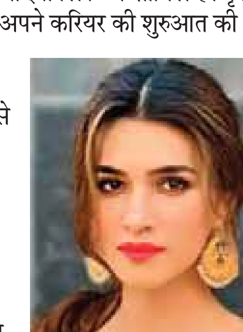

डोमन बस्तर कमिश्नर, धावड़े को ब्रेवरेज कार्पोरेशन और स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा 2009 बैच के अधिकारी डोमन सिंह को बस्तर संभाग के आयुक्त के पद पर पदस्थ किया है। इससे पूर्व में अपर आयुक्त बिलासपुर संभाग तथा अतिरिक्त प्रभार अपर आयुक्त सरगुजा संभाग के रूप में कार्य कर रहे थे। इसके साथ ही बस्तर संभाग के कमिश्नर श्यामलाल धावड़े को प्रबंध संचालक छग ब्रेवरेज कार्पोरेशन के पद पर पदस्थ किया गया है।

■ नंदनवार, अग्रवाल की मंत्रालय में वापसी

इसके साथ ही श्री धावड़े के प्रबंध संचालक छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। श्री धावड़े को ब्रेवरेज कार्पोरेशन का दायित्व दिए जाने के साथ ही इस पद को भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिसमय वेतनमान के संवर्गीय पद के समकक्ष घोषित किया गया है।

नंदनवार, अग्रवाल की मंत्रालय में वापसी

ब्रेवरेज कार्पोरेशन के प्रबंध संचालक पद पर कार्य कर रहे आईएएस विनीत नंदनवार को अब संयुक्त सचिव मंत्रालय में पदस्थ किया गया है। इसी क्रम में प्रबंध संचालक स्टेट ब्रेवरेज कार्पोरेशन के रूप में काम कर रहे राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अभिषेक अग्रवाल को मंत्रालय में उपसचिव के रूप में पदस्थ किया गया है।

ग्रेहाउंड्स व डीआरजी जवानों की नक्सलियों से मुठभेड़, एक ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/बीजापुर

बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के सीमलटोडी व तेलगांना के मुडगू जिले के सरहदी इलाके में बड़े कैडर के नक्सलियों की मौजूदगी की खबर पर तेलगांना की ग्रेहाउंड्स फोर्स व बीजापुर डीआरजी के जवानों ने ऑपरेशन लांच किया था। इस दौरान नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में फोर्स ने एक माओवादी को मार गिराया मौके से हथियार भी बरामद किया गया है।

सेमलडोडी के जंगल में बड़े कैडर के मौजूद होने की सूचना के बाद 18 जुलाई को तेलगांना की ग्रेहाउंड्स फोर्स व बीजापुर डीआरजी के जवानों ने नक्सल विरोधी अभियान संचालित किया था। बीजापुर व तेलगांना के मुडगू जिले के सरहदी इलाके में फोर्स व नक्सलियों के बीच शुक्रवार सुबह लगभग 10 बजे सीमलटोडी के जंगल में नक्सलियों को घेरना शुरू किया। इस दौरान जवानों को निशाना बनाते हुए नक्सलियों द्वारा फायरिंग शुरू कर दी गई। जवानों ने भी तत्काल पोजिशन लेते हुए जवाबी कार्रवाई की। बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की खबर है बावजूद सर्चिंग के दौरान जवानों ने एक नक्सली के शव के अलावा कार्बाइन, ग्रेनेड, माओवादी वर्दी, पिट्ठू व नक्सली साजोसामान बरामद किया है। नक्सलियों के साथ सीमलटोडी के जिस जंगल में मुठभेड़ हुआ वह छग व तेलंगाना की सरहद व उसूर ब्लाक के सीमलटोडी गांव के करीब का इलाका है।

खास बातें

- बीजापुर जिले के सीमलटोडी जंगल में ग्रेहाउंड्स के जवानों ने नक्सलियों को घेरा
- बड़ा कैडर के नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर किया गया ऑपरेशन लांच

फाइल फोटो

इलाके में सर्चिंग जारी

सीमलटोडी के जंगल में बड़े कैडर की मौजूदगी की खबर पर आपरेशन लांच किया गया था। पड़ोसी राज्य तेलगांना की ग्रेहाउंड्स फोर्स व बीजापुर जिले के डीआरजी के साथ हुए मुठभेड़ में कई नक्सलियों के मारे जाने व घायल होने की संभावना है। मौके से मुठभेड़ में मारे गए एक जवान का शव व हथियार के साथ नक्सल सामग्री बरामद किया गया है। वहीं इलाके में लगातार सर्चिंग जारी है।

सुंदरराज पी, आईजी बस्तर।

राजकीय श्रावणी मेलाः तैयारियों की मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने की समीक्षा

देवघर। झारखंड राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में राजकीय श्रावणी मेला, 2024 (देवघर-बासुकीनाथ) के तैयारियों की समीक्षा बैठक का आयोजन देवघर परिसदन के सभागार में शनिवार को किया गया। इस दौरान बैठक से पूर्व उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर ने मुख्यमंत्री, विधायक, मुख्य सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारियों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और विनम्रता मेला की मूल संवेदना रहनी चाहिए, ताकि देश दुनिया से जो भी श्रद्धालु बाबा नगरी आये वह एक अच्छा संदेश लेकर जाए। सबसे महत्वपूर्ण है कि मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर संभव सुविधा मुहैया की जाये, जिससे कि सभी श्रद्धालु सुरक्षित व सुलभ जलार्पण मेला में कर सके। इस समीक्षा बैठक में विधायक जरमुंडी, बादल पत्रलेख, एल. खियांग्ते, मुख्य सचिव, अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सुनील कुमार, प्रधान सचिव, पथ निर्माण विभाग, अजय कुमार सिंह, महानिदेशक-सह-पुलिस महानिरीक्षक, राजेश कुमार शर्मा, सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, संथाल परगना कमिश्नर लालचंद डाडेल, संथाल परगना डी.आई.जी. संजीव कुमार, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दुमका आंजनेयुलू दोड्डे, उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर, पुलिस अधीक्षक पीताम्बर सिंह खेरवार, पुलिस अधीक्षक अजित पीटर डुंगडुंग, अनुमंडल पदाधिकारी देवघर श्रीमती सागरी बराल, अनुमंडल पदाधिकारी मधुपुर, आशीष अग्रवाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ऋत्विक श्रीवास्तव, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती एवं संबंधित अधिकारी, अभियंता, पुलिस पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बाबा भोलेनाथ के दरबार में लिया आशीर्वाद

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन बाबा बैद्यनाथ मंदिर, देवघर में बाबा भोलेनाथ के दरबार में आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने धर्मपत्नी एवं विधायक श्रीमती कल्पना सोरेन संग वैदिक मंत्रोचार और हर-हर महादेव के जयकारे के बीच बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं विधि-विधि से पूजा -अर्चना कर राज्य के सर्वांगीण विकास, अमन-चैन एवं सुख-समृद्धि - खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर देवघर के उपायुक्त विशाल सागर ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

खूबसूरत

कई बार फिल्मों में दिख चुका है ये!

जहाज के आकार का अनूठा किला बना है सुंदर बगीचों के बीच

एजेंसी ▶▶| लंदन

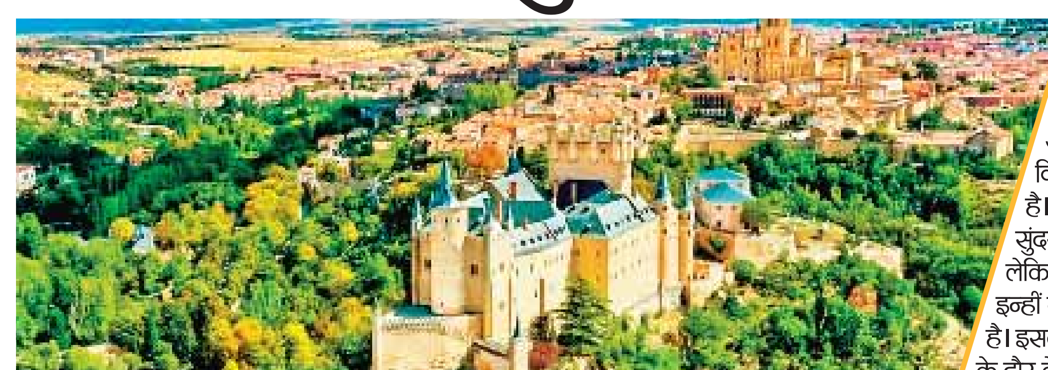

स्पेन के सेगोविया का अल्काजर नाम का किला अपनी खूबसूरती के लिए कुछ ज्यादा ही लोकप्रिय है। कई फिल्मों में दिखाई दे चुका यह किला असल में नाव के आकार का है। यह दुनिया के लोगों के लिए बहुत अनजान नहीं है क्योंकि यह डिज्नी सहित कई फिल्मों देखा जा चुका है।

सेगोविया का अल्काजर स्पेन के ऐतिहासिक शहर सेगोविया में स्थित एक शानदार महल है। अपनी शानदार वास्तुकला और इतिहास के कारण, यह हर साल हजारों यात्रियों को खींचता है। अपनी मनमोहक सुंदरता के अलावा, सेगोविया का अल्काज़र कई असाधारण तथ्य रखता है जो इसे और भी आकर्षक बनाते हैं। डिज्नी के सिंड्रेला कैसल के लिए प्रेरणा के रूप में काम करने से लेकर पूर्व शाही निवास होने तक, इस प्रतिष्ठित किले में बताने के लिए एक दिलचस्प कहानी है।

अल्काजर के सबसे आकर्षक पहलुओं में से एक इसका अनोखा जहाज जैसा आकार है। अपने धनुष, कड़ी और बुलवार्क के साथ, यह मध्ययुगीन महल शहर की समुद्री पृष्ठभूमि का प्रतीक है। एक रणनीतिक पहाड़ी की चोटी पर स्थित, अल्काज़ार आसपास के इलाके के लुभावने मनोरम नजारे पेश करता है। एक चट्टानी पहाड़ के ऊपर इसका बसेरा इसे देखने में खूबसूरत और अच्छी तरह से सुरक्षित बनाता है।

अल्काजर की आकर्षक मौजूदगी ने कई डिज्नी महलों के डिजाइन को प्रेरित किया है, जिनमें सबसे उल्लेखनीय है डिज्नीलैंड का मशहूर स्लीपिंग ब्यूटी कैसल है। इसकी परीकथा जैसी वास्तुकला और आश्चर्यजनक टावरों ने लाखों लोगों की कल्पना का ध्यान खींचा है। यह डिज्नी की क्लासिक फिल्म, 'सिंड्रेला' में दिखाए गए जादुई महल के लिए प्रेरणा रहा है। सुंदर बुर्ज और भव्य मुखौटा प्रिय कहानी की परीकथा सेटिंग को दिखाता है। इसे कई फिल्मों और टीवी शो में देखा जा चुका है। पूरे इतिहास में, सेगोविया का अल्काजर कई राजाओं के लिए एक शाही महल के रूप में कार्य करता रहा है। इसने कैस्टिले की इसाबेल और फिलिप II सहित कई स्पेनिश राजाओं और रानियों का दौर देखा है। इतना ही नहीं, इसकी सबसे खास बात ये है कि यह किसी एक नहीं बल्कि कई प्रकार की स्थापत्य शैलियों को प्रदर्शित करता है। रोमन शैली की नींव से लेकर गॉथिक तत्वों और पुनर्जागरण परिवर्धन तक अल्काजर स्थापत्य शैलियों एक साथ होने से यह वास्तुशिल्प डिजाइन के अनूठा नमूना बन पड़ा है।

सैन्य इतिहास की एक झलक

अलकाजर में कला का विशाल संग्रह देखने को मिलता है। इसमें जटिल टेपेस्ट्री और सुंदर पेंटिंग दोनों ही मिलती हैं। लेकिन यह अनोखा महल केवल इन्हीं के लिए ही नहीं जाना जाता है। इसके अलावा महल में मध्ययुग के दौर के हथियारों का एक अच्छा खासा शस्त्रागार भी है, जो इस इलाके के सैन्य इतिहास की एक झलक देता है। यह अनूठा किला कई बार आग और नए निर्माण से बचा है। गया है। तमाम तरह की चुनौतियों बावजूद इसका ऐतिहासिक महत्व और भव्यता बरकरार है। इसे यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था। 1985 में, सेगोविया के अल्काज़र को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता दी गई थी। इसके सांस्कृतिक और स्थापत्य महत्व ने इसे एक अहम जगह बना दिया है। अलकाज़ार आश्चर्यजनक बगीचों से घिरा हुआ है, जो इसके आकर्षण को खास बनाता है और आने वाले लोगों के लिए एक शांत वातावरण देता है। यहां के लॉन, जीवंत फूल और शांत फव्वारे के साथ, महल के आसपास का वातावरण एक बेमिसाल नजारा है।

15 साल तक मिल सकता है राजस्थान को कोयला, नई माइंस का खनन गलत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हसदेव के घने जंगल को उजाड़ना और कोल माइंस को खनन के लिए देने की कोशिश करना किसी लिहाज से छत्तीसगढ़ के हित में नहीं हैं। इसे आदिवासी समझ रहे, लेकिन शासन-प्रशासन के लोग नहीं समझ रहे हैं, यह दुर्भाग्यपूर्ण है। राजस्थान में विद्युत उत्पादन के लिए जितने प्लांट चल रहे हैं, उसका संचालन करने के लिए हर साल अधिकतम 21 मिलियन टन कोयले की जरूरत होती है। वह चालू पीड़केसी से ही पूरी हो रही है।

रायपुर प्रेस क्लब में यह बात शुक्रवार को पत्रकारवार्ता में अधिवक्ता सुदीप श्रीवास्तव ने कही। आगे बताया कि राजस्थान के 4340 मेगावाट पावर प्लांट, जो हसदेव कोल ब्लॉक से लिंक है, उनकी जरूरत चालू कोयला खदान पीडकेबी से पूरी हो रही है। इतना ही नहीं अगर पूरी क्षमता के साथ राजस्थान उन्हें चलाए तो भी 15 साल नए कोल माइंस को देने की जरूरत नहीं है। आरोप लगाते हुए कहा कि राजस्थान को कोल माइंस देने का बहाना करके अडानी को फायदा पहुंचाने के लिए उजाड़ने की साजिश की जा रही है। अगर कोल माइंस की जरूरत भी है, तो राजस्थान को मध्यप्रदेश के कोल माइंस को लेना चाहिए, इससे परिवहन का खर्च भी कम होगा। इसे समझते हुए ही आदिवासी विरोध भी कर रहे हैं।

■ राजस्थान के मौजूदा कोल माइंस से 15 साल हो सकता है विद्युत उत्पादन

नहीं रहे रंगकर्मी मिर्जा मसूद

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आकाशवाणी उद्घोषक और प्रसिद्ध रंगकर्मी मिर्जा मसूद का मध्यप्रदेश के इंदौर में बीती रात 3 बजे निधन हो गया। उनका पार्थिव शरीर रायपुर लाया गया। उन्हें मौदहापारा कब्रिस्तान में सुपुर्दे-खाक किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उनके निधन पर गहन शोक जताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है। सीएम श्री साय ने कहा कि मिर्जा मसूद जी का निधन कला जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने रंगमंच को अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया।

प्राइम डे के अंतिम दिन आज प्राइम बनने अमेज़ॅनपे ने पेश किया रोमांचक ऑफर

जबलपुर। प्राइम डे के अंतिम डे आज अमेज़ॅन पे के साथ नए उत्पाद लॉन्च, मनोरंजन सामग्री और खास सौदों के साथ आनंद, बचत और पुरस्कार पाने का विशेष अवसर मिल रहा है। अमेज़ॅन पे आईसीआईसीआई बैंक क्रेडिट कार्ड के साथ सभी प्राइम डे खरीदारी पर कार्ड के मौजूदा 5% असीमित इनाम लाभों के अलावा 5% कैशबैक प्रदान कर रहा है। प्राइम डे के दौरान आवेदन पर 2,750 रुपये (प्राइम सदस्यता के साथ) या 2000 रुपये (प्राइम के बिना) तक का स्वागत बोनस दिया जा रहा है । साथ ही इसके साथ उबर की सवारी से पुरस्कार पाने, सहज वित्तपोषण, यात्रा सौदे, होटल बुकिंग, मनोरंजन की विशेष सुविधाए प्राप्त कर सकते है। प्राइम डे के दौरान उबर के साथ सवारी पर 5% का कैशबैक पाने के लिए अमेज़ॅन पे बैलेंस से भुगतान करना होगा। यह उबेर क्रेडिट के रूप में 4% और अमेजानपे कैशबैक के रूप में 1% है। एसबीआई क्रेडिट कार्ड, अमेज़ॅन पे आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड, बजाज फिनसर्व ईएमआई कार्ड, डेबिट कार्ड या ईएमआई लेनदेन का उपयोग करके चुनिंदा उत्पादों पर नो कॉस्ट ईएमआई के साथ प्राइम डे के आफरों का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

राशिफल

मेष	आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। जीवन साथी के स्वास्थ का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें।
वृष	धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। परिश्रम अधिक रहेगा।
मिथुन	मन प्रसन्न रहेगा। कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। विवाद की स्थितियां बन सकती हैं।
कर्क	आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।
सिंह	नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। लंबे समय से चली आ रही समस्याएं खत्म होंगी।
कन्या	शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा। शैक्षिक कार्यों के लिए भी विदेश जा सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता के योग बन रहे हैं।
तुला	जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ भी अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।
वृश्चिक	मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। परिवार का साथ मिलेगा, परन्तु पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। खर्च बढ़ेंगे।
धनु	मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। कारोबार में उतार–चढ़ाव रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की चिंताओं पर नियंत्रण बनाकर रखें।
मकर	शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। आय में वृद्धि भी होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।
कुंभ	भागदौड़ अधिक रहेगी। परन्तु किसी मित्र के सहयोग से आय के साधन बन सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। सफलता के भी योग हैं।
मीन	मन में उतार–चढ़ाव हो सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। भाग–दौड़ भी अधिक रहेगी।

वर चाहिए
वर चाहिए
सुंदर अनमैरिड महिला 05/05/1979 हाईट 5'-1" एम.कॉम., बी.कॉम. हार्डवेयर बेकरी एवं सभी बिजनेस 20 लाख सालाना, सभी मान्य है, जरूरतमंद को प्राथमिकता, जाति बंधन नहीं (टाइम पास करने वाले क्षमा करें)
सम्पर्क करें 9179472796 8982234918

वधु चाहिए
वधु चाहिए
उम्र 55 वर्ष बिलासपुर निवासी सुरक्षा गार्ड कार्यरत आय 10000 से 15000 प्रतिमाह हेतु चाहिए तलाकशुदा, विधवा मान्य, जाति बंधन नहीं।
सम्पर्क करें 9755088312

वधु चाहिए
वधु चाहिए
बंगाली, नमोशुद्ध height 5'-8" Msc, B.ed (math) teacher Graduation गृह कार्य दक्ष कन्या चाहिए।
सम्पर्क करें 9926860370 6232801159

वधु चाहिए
वधु चाहिए
वर चाहिए27 वर्षीय, शिक्षा 12वीं हाईट 5'-3", रंग गोरा कन्या हेतु सुयोग्य वर चाहिए बड़ी माँ के अलावा कोई नहीं है। पर जमाई तलाकशुदा विधुर नौकरी पेशा व्यवसायी मान्य जाति बंधन नहीं है सम्पर्क करें-
सम्पर्क करें 9993738069

वर चाहिए
वधु चाहिए- मुस्लिम परिवार की लड़की के लिये रिश्ता उपलब्ध हैं जो संपन्न परिवार या शासकीय सेवारत हो तलाकशुदा, बेवा, बच्चे वाली, अधिक उम्र, रंग, हेल्थ, दिव्यांग, अनमैरिड, घर जमाई इत्यादि संपर्क करें:- 93039 03469 (2888)

आवश्यकता
आवश्यकता है- आयुर्वेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए शिक्षित/ बेरोजगार जरूरतमंद लड़के- लड़कियाँ हाउस वाइफ घरबैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम /फुलटाइम 30,500/- से 35,500/- महीना कमाएं (जरूरतमंद लोग WHAT-SAPP या कॉल करें) + 916267324667(रायपुर/25/जुलाई 24)

अब आप पायेंगे अपना सच्चा हमसफर
हरिभूमि वैवाहिकी
प्रत्येक रविवार को प्रकाशित

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
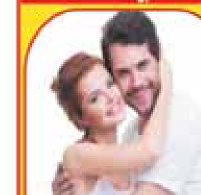
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 08116592844

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाइड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

शब्द पहेली - 5578

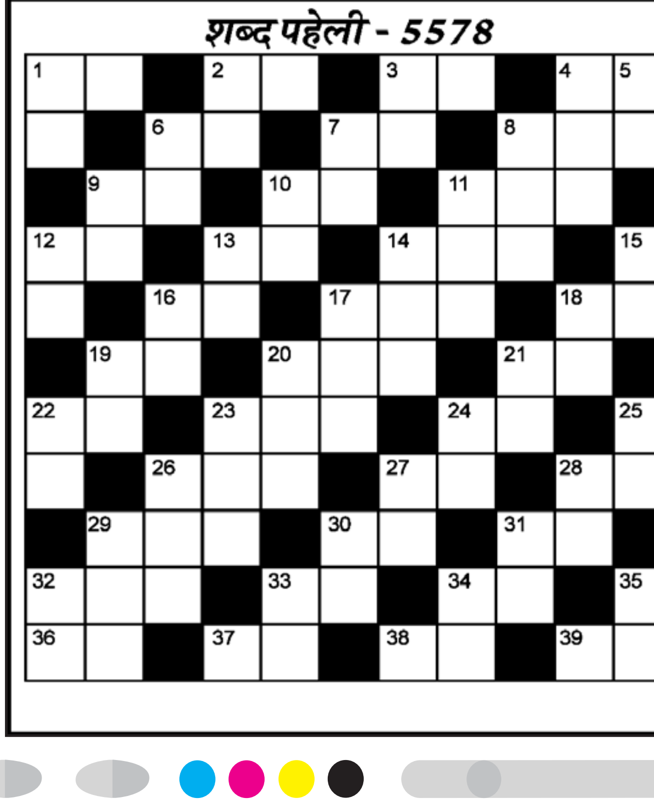

बाएँ से दाएँ
1.बरस,वर्ष-2
2.आफत,मुसीबत-2
3.यमराज-2
4.तीर, बाण-2
6.आनेवाला दिन-2
7.उत्साह-2
8.उचित, सही-3
9.बंधन-2
10.बाण-2
11.उपवन, जंगल-3
12.सरिता-2
13.शिविर, तंबू-2
14.रुई साफ करना-3
16.फंदा, पाश-2
17.भीरु, डरपोक-3
18.तालाब -2
19.सम्मान-2
20.पासों फैंक कर भविष्य देखने की विद्या-3
21.श्याम,काले रंग का-2
22.देह, तन, बदन-2
23.चुनना, छांटना-3
24.रघुवीर, सियावर-2
26.जलजला-3
27.कोलाहल-2
28.अवरोध-2
29.दलदल-3
30.पत्नी का भाई-2
31.रिवाज, रस्म-2
32.कक्ष, रूम-3
33.गधा, गर्दभ-2
34.जनकपुत्री-2
36.वोट, राय-2
37.विजय-2
38.मां का भाई-2
39.मूल्य-2

ऊपर से नीचे
1.परछाई-2
2.दम, ताकत-2
3.यमराज-2
4.सोना, निद्रा लेना-3
5.धूल, मिट्टी-2
6.शारीरिक ऊंचाई-2
7.बल, दम-2
8.पहचानना-3
9.बंधक-2
10.मोमबत्ती (उर्दू-2)
11.विवश-3
12.भीगा हुआ-2
13.क्रीड़ा-2
14.सहमत-3
15.फंदा-2
16.प्राण-2
17.आकांक्षा-3
18.लॉक-2
19.प्रकृति,धन-2
20.धावक-3
21.कार्य-2
22.सवारी गाड़ी-2
23.जंगल-3
24.झगड़ा-2
25.सरल-2
26.कूड़ा-3
27.अंगारा-2
28.वार्तालाप-2
29.दाम, मूल्य-3
30.सारांश-2
31.खाली-2
32.थोड़ा-2
33.पत्र, चिट्ठी-2
34.हद-2
35.बल, ताकत-2

शब्द पहेली- 5577 का हल

ल	ब	■	ब	स	■	धा	गा	■	ह	रा
व	ह	म	■	व	म	■	ना	ला	■	ह
■	न	म	न	■	जा	न	■	र	मा	■
ना	■	ता	क	त	■	शा	न	■	ता	त
क	मी	■	ल	ल	ना	■	म	न	■	न
■	न	ख	■	वा	च	क	■	ल	क्ष	■
स	■	र	वा	■	ना	म	क	■	मा	दा
खा	द	■	त	र	■	र	ह	न	■	म
■	म	स्त	■	मा	न	■	वा	ह	क	■
दा	■	र	स	■	या	र	■	र	च	ना
स	दा	■	च	क्षु	■	न	भ	■	रा	ल

सूडोकु नवताल - 5589

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

MANGAL SENADHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5588 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

{ चैलेंज / सारिम }

ओलंपिक खेलों के लिए चयनित प्लेयर्स को सरकारी स्तर पर तो ट्रेनिंग दी ही जाती है। लेकिन कई प्लेयर्स अच्छी परफॉर्मेंस के लिए पर्सनल ट्रेनिंग भी करने लगे हैं।

पर्सनल ट्रेनिंग से बढ़ी है ओलंपिक मेडल्स की उम्मीद

पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए सौ से अधिक भारतीय एथलीट्स ने अपनी सीटें बुक करा ली हैं। चूंकि 2020 टोक्यो में कांस्य पदक जीतने वाली पुरुष हॉकी टीम ने चीन में आयोजित 2022 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीता था, इसलिए उसने भी पेरिस के लिए क्वालीफाई कर लिया है। एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धाओं के लिए रेस वॉकर्स प्रियंका गोस्वामी और अक्षदीप सिंह ने सबसे पहले क्वालीफाई किया था। हालांकि क्वालीफाई करने के बावजूद लांग जंपर मुरली श्रीशंकर घुटने की चोट के कारण पेरिस नहीं जा सके। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि भारतीय शूटर्स ने शूटिंग की प्रत्येक कैटेगरी में कोटा बुक किया है। एक दिलचस्प बात यह भी है कि मात्र 14 वर्षीय तैराक धीनिधि देसिंग्हू, पेरिस में सबसे कम आयु की भारतीय प्रतिस्पर्धी होंगी, जबकि अपना पांचवां और अंतिम ओलंपिक खेलने वाले 42 वर्षीय टेबल टेनिस स्टार अचंता शरथ कमल सबसे उम्रदराज भारतीय खिलाड़ी होंगे और वही इन खेलों के उद्घाटन में भारत का झंडा लेकर चलेंगे।

धीनिधि देसिंग्हू

दहाई अंकों में पदकों की उम्मीद: ओलंपिक की तैयारी करने के लिए उन भारतीय एथलीट्स की संख्या में अप्रत्याशित इजाफा हुआ है, जो राष्ट्रीय सेट-अप से अलग हटकर व्यक्तिगत कोचों की निगरानी में ट्रेनिंग कर रहे हैं। ना केवल उनकी ट्रेनिंग योजनाएं विशेषरूप से उनके लिए तैयार की गईं बल्कि उनके डाइट और अन्य प्लान भी एक्सक्लूसिव हैं। इसके लिए उन्हें सरकार या प्राइवेट फाउंडेशन ने फंड किया है। जाहिर है कि यह सब कोशिशें पदक हासिल करने के लिए की जा रही हैं। इसलिए यह प्रश्न प्रासंगिक है कि क्या पर्सनल ट्रेनिंग की बदौलत भारतीय एथलीट्स 2024 पेरिस में रिकॉर्ड ओलंपिक पदक जीत सकेंगे? 2020 टोक्यो में भारत ने 7 पदक जीते थे, जो कि उसके ओलंपिक इतिहास में सर्वाधिक हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इस बार भारत की पदक तालिका दो अंकों में पहुंच सकती है। अगर ऐसा होता है, जिसकी प्रबल संभावना है, तो यह बहुत बड़ी उपलब्धि होगी।

प्रियंका गोस्वामी

अचंता शरथ कमल

इन खेलों से है अधिक अपेक्षा: शूटिंग, कुश्ती, एथलेटिक्स, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, बॉक्सिंग आदि में खिलाड़ियों के व्यक्तिगत कोच हैं या जो राष्ट्रीय सेट-अप में भी हैं, उनके लिए भी विशिष्ट ट्रेनिंग योजनाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु या विश्व चैंपियनशिप्स पदक विजेता विनेश फोगट के लिए अपने सपोर्ट स्टाफ के साथ ट्रेवल करना कुछ नया नहीं है। दिलचस्प यह है कि अब अन्य अनेक एथलीट्स ने भी सरकार और प्रायोजकों की मदद से यही तरीका अपना लिया है। उन्हें जो आर्थिक सहयोग मिल रहा है, उससे वह ट्रेनर और फिजियोथेरेपिस्ट हायर कर रहे हैं। राष्ट्रीय फेडरेशन (एनआरएआई) ने कुछ दिशानिर्देशों के साथ ओलंपिक से पहले कैंप्स में भी शूटर्स के साथ व्यक्तिगत कोच को रहने की अनुमति दे दी है। स्टार पहलवान विनेश फोगट और बजरंग पूनिया को 2018 से व्यक्तिगत कोचों के कारण सफलता मिली है, जिससे अन्य एथलीट्स भी व्यक्तिगत कोच आदि रखने के लिए प्रोत्साहित हुए हैं। लगभग 40 भारतीय खिलाड़ियों के पास यह व्यवस्था है और भारतीय ओलंपिक संघ का कहना है कि उन अन्य अनेक एथलीट्स को भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जा सकती है जिनसे पदक की उम्मीद है। *

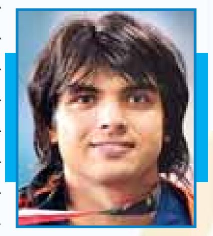
नीरज चोपड़ा

आगामी शुक्रवार (26 जुलाई) से फ्रांस की राजधानी पेरिस में ओलंपिक खेलों का आयोजन शुरू हो रहा है। दुनिया की इस सबसे बड़ी खेल प्रतियोगिता में अनेक देशों के दस हजार से ज्यादा खिलाड़ी अपना दम-खम और खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। करीब पंद्रह दिनों तक दुनिया के अरबों खेलप्रेमी उत्साह-उमंग के इस महाकुंभ के साक्षी बनेंगे। इस ओलंपिक खेलों की प्रमुख विशेषताओं, तैयारियों, इतिहास के रोचक तथ्य और भारतीय दावेदारी पर एक विहंगम दृष्टि।

पेरिस ओलंपिक खेल-2024
उत्साह-उमंग-जीतने का जुनून

{ कवर स्टोरी / सारिम अन्ना }

इस बात में कोई दो राय नहीं कि ओलंपिक खेलों का आयोजन बहुत अधिक महंगा होता है। इसमें लगभग 100 बिलियन डॉलर का खर्च आता है। यही वजह है कि कई देश भी अब ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने से कतरा रहे हैं। सुपर रिच स्वीडन ने यह कहते हुए, विंटर ओलंपिक के आयोजन ऑफर से इंकार कर दिया है कि वह इसका खर्च बर्दाश्त नहीं कर सकता। कुछ ऐसे ही कारणों से ऑस्ट्रेलिया ने राष्ट्रकुल खेलों का आयोजन करने से मना कर दिया था। बावजूद इसके दुनिया भर के खेल प्रेमियों को खेलों के इस महायोजन का बेसब्री से इंतजार रहता है। इसे आयोजित करने वाला देश खुद को गर्वान्वित महसूस करता है। यही वजह है कि जैसे-जैसे 26 जुलाई 2024 की तारीख करीब आ रही है, दुनिया भर के खेल प्रेमियों और खिलाड़ियों के दिल की धड़कनें बढ़ती जा रही हैं, उनके भीतर का उत्साह हिलोरें मार रहा है।

पेरिस में हो रहा तीसरा आयोजन

फ्रांस की राजधानी पेरिस में तीसरी बार ओलंपिक खेलों का आयोजन (26 जुलाई से 11 अगस्त तक) किया जा रहा है। पहली बार 1900 में आयोजन हुआ था और दूसरी बार अब से ठीक 100 साल पहले यानी 1924 में। इस बार के ओलंपिक खेलों को 'गेम्स वाइड ओपन' कहा जा रहा है। इस बार के ओलंपिक खेलों में कोशिश यह की जा रही है कि हर चार वर्ष के अंतराल पर आयोजित किए जाने वाले इन ग्रीष्मकालीन खेलों में कुछ ऐसे नए प्रयोग किए जाएं कि इनकी लोकप्रियता और बढ़े। इसके लिए इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने कुछ नई पहल की है, ताकि नए बेंचमार्क स्थापित किए जा सकें और भविष्य की पीढ़ियों के लिए यह संवेदनशील और जिम्मेदार खेलों के रूप में उभर सकें। इस बार लगातार तीसरी बार रिफ्यूजी ओलंपिक टीम को खेल के मैदान में उतारा जाएगा। इस टीम में उन क्षेत्रों के खिलाड़ी होंगे, जहां युद्ध, टकराव और तनाव की स्थितियां बनी हुई हैं। इस प्रकार संकट भरे संसार में मानवीय दृष्टिकोण की आवश्यकता पर बल दिया गया है। 'फास्टर, हायर, स्ट्रोंगर-टूगेदर' ओलंपिक खेलों का नया मोटो है, जो पुराने मोटो में 'टूगेदर' को जोड़कर उसे समावेशी बना देता है।

पेरिस ओलंपिक खेलों का शुभंकर-फ्रीजेस

दिखेगा बहुत कुछ नया

पेरिस ओलंपिक खेलों में कुछ ऐसी चीजें भी देखने को मिलेंगी, जो अब से पहले किसी ओलंपिक में नहीं हुई थीं। मसलन, पहली बार उद्घाटन समारोह स्टेडियम के भीतर आयोजित नहीं किया जाएगा बल्कि स्टेडियम से बाहर सीन नदी और उसके आस-पास आयोजित होगा। इस साल ओलंपिक खेलों में ब्रेक डांस प्रतियोगिता का भी डेब्यू होगा। समावेश की भावना प्रदर्शित करने के लिए ओलंपिक और पैरालंपिक दोनों खेलों के लिए एक ही एंबलम (प्रतीक) का प्रयोग किया जाएगा। इन खेलों में कुल 10,500 एथलीट्स हिस्सा लेंगे। यह पहला ओलंपिक होगा, जब पुरुष और महिला खिलाड़ी एकदम बराबर की संख्या में भाग लेंगे। पेरिस 2024 ओलंपिक का मैस्कॉट (शुभंकर) फ्रीजेस है। यह दो मानवरूपी परंपरागत फ्रीजियन टोपियां हैं, जो कि फ्रांस की क्रांति के समय से ही स्वतंत्रता का प्रतीक मानी जाती हैं।

कैसी होगी भारतीय दावेदारी

जहां तक भारतीय दावेदारी की बात है तो इस ओलंपिक खेलों में हमारे 100 से अधिक एथलीट्स हिस्सा लेंगे, जिनमें जेवलिन थ्रो चैंपियन नीरज चोपड़ा, बॉक्सर लोवलिना बोर्गोहेन, शटलर पीवी सिंधु, वेटलिफ्टर मीराबाई चानू आदि को एक्शन में देखा जा सकेगा। पिछले ओलंपिक खेल टोक्यो 2020 में भारत ने कुल सात पदक जीते थे। भारतीय खिलाड़ियों को उम्मीद है कि इस बार वे अपनी पदक संख्या दो अंकों में पहुंचा सकेंगे। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारतीय खिलाड़ियों का यह लक्ष्य जरूर पूरा होगा और पेरिस ओलंपिक खेल सफलतापूर्वक संपन्न होंगे। *

ओलंपिक खेलों में सबसे सफल खिलाड़ी

ओलंपिक खेलों के अब तक के इतिहास में अब तक जो सबसे सफल खिलाड़ी रहे हैं, वह हैं अमेरिकी तैराक माइकल फेल्प्स। फेल्प्स ने 23 स्वर्ण पदकों के साथ कुल 28 पदक जीते हैं और वह पहले एथलीट हैं, जिन्होंने एक ही सत्र में 8 स्वर्ण पदक जीतने का भी रिकॉर्ड बनाया है। पूर्व सोवियत संघ की जिमनास्ट लारिसा लातिनिना 18 पदकों (9 स्वर्ण) के साथ ओलंपिक खेलों की सबसे सफल महिला एथलीट हैं। ओलंपिक खेलों में सबसे सफल देश की बात करें तो अमेरिका 2,638 पदकों (1,065 स्वर्ण) के साथ सबसे आगे है।

लारिसा लातिनिना

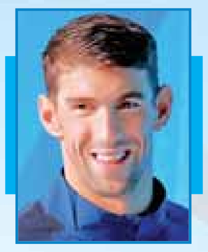
माइकल फेल्प्स

{ प्रिपरेशन / साशा }

इसी सप्ताह आरंभ हो रहे आगामी पेरिस ओलंपिक खेलों में हम सभी देशवासियों को ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद है। इसकी वजह है भारतीय प्लेयर्स की जबर्दस्त तैयारी।

ओलंपिक मेडल जीतने की कैसी है प्लेयर्स की तैयारी

पदक जीतने के लिए तैयार है भारतीय हॉकी टीम

इसी सप्ताह शुरू होने वाले 33वें पेरिस ओलंपिक खेलों से हर भारतीय को चमत्कार की उम्मीद है। हर भारतीय खेल प्रेमी को विश्वास है कि इस बार भारत के खिलाड़ी दस से अधिक मेडल्स जीतेंगे। टोकियो ओलंपिक में भारत को एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक मिले थे और हम पदक तालिका में 48वें नंबर पर रहे थे। टोकियो ओलंपिक में भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा खिलाड़ी दल उतारा था, जिसने भारत के ओलंपिक इतिहास में सबसे ज्यादा पदक भी जीते थे। लेकिन ये पदक महज सात थे। एथलेटिक्स में एक, कुश्ती में दो, भारोत्तोलन में एक, हॉकी में एक, मुक्केबाजी में एक और बैडमिंटन में एक।

कई खेलों में है अच्छी तैयारी: भारत जैसे 140 करोड़ की आबादी वाले देश में सात ओलंपिक पदक बहुत ही कम संख्या है। इस बार उम्मीद है कि भारत अपने इन पदकों को एक दर्जन की संख्या तक ले जाएगा। इस उम्मीद की कई सकारात्मक वजहें हैं। मसलन, भाला फेंक प्रतिस्पर्धा में टोकियो में स्वर्ण पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा अभी भी फॉर्म में बरकरार हैं और इसी के साथ किशोर जेना भी भारत के लिए अब एक नई संभावना हैं। इस बार भारत को एथलेटिक्स से कई पदक की उम्मीदें हैं। गौरतलब है कि सात भारतीयों ने पुरुषों की 20 किलोमीटर रेस वॉक में ओलंपिक क्वालिफाई मानक को पूरा किया है। हालांकि भारतीय एथलेटिक्स महासंघ प्रतिस्पर्धा में सात में से अधिकतम तीन को ही उतारेगी। लेकिन 20 किलोमीटर रेस वॉक में भारत को इस बार पदक मिलने की उम्मीद है।

शूटिंग में लगेगा मेडल पर निशाना: टोकियो से खाली हाथ लौटने के बाद भारतीय निशानेबाजों की नजरें भी पेरिस ओलंपिक पर टिकी हुई हैं। इस बार निशानेबाज खाली हाथ नहीं लौटेंगे इसका पता इस बात से भी चलता है कि हमारे निशानेबाजों ने अधिकतम संभावित 24 कोटा में से 20 कोटा पहले ही हासिल कर लिया है, जिसमें राइफल और पिस्टल प्रतिस्पर्धाओं में 16 कोटा शामिल हैं। पेरिस ओलंपिक में भारत अब तक का सबसे बड़ा शूटिंग दल उतारेगा।

शूटिंग की तैयारी करते भारतीय प्लेयर्स

हॉकी में है इस बार पदक का भरोसा: भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह का कहना है कि हमारी टीम भरपूर उत्साह में है, हमारी नजरें स्वर्ण पदक पर गड़ी हुई हैं। गौरतलब है कि टोकियो ओलंपिक में 43 साल बाद हमें हॉकी में पदक मिला था। इसलिए अगर इस बार हम स्वर्ण की नहीं तो रजत की उम्मीद तो कर ही सकते हैं।

बैडमिंटन से भी है उम्मीद: भारत ने टोकियो में भी बैडमिंटन में पदक हासिल किया था, इस बार भी बैडमिंटन से उम्मीदें हैं।

पेरिस ओलंपिक, जो अब तक के इतिहास का सबसे यादगार ओलंपिक आयोजन होगा, जिसमें करीब 3,50,000 घंटे का तो टीवी प्रसारण ही होगा और इन खेलों को दुनियाभर के अरबों लोग एक साथ देखेंगे। इस ऐतिहासिक ओलंपिक आयोजन के मौके पर भारत से भी ऐतिहासिक प्रदर्शन की उम्मीद है। *

{ बदलाव / साशा }

हालांकि ओलंपिक खेलों में पदक विजेताओं को मेडल के साथ भरपूर मान-सम्मान भी मिलता है। लेकिन इस बार से ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्लेयर्स को कैश प्राइज भी दिया जाएगा।

ओलंपिक पदक विजेताओं को अब मिलेगा कैश प्राइज

आगामी 26 जुलाई 2024 से शुरू होने वाले पेरिस ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में खिलाड़ियों के लिए मेडल के साथ कैश पुरस्कार राशि भी दी जाएगी। ओलंपिक खेलों के इतिहास में पहली बार 48 एथलेटिक्स प्रतिस्पर्धाओं में स्वर्ण पदक विजेताओं को वर्ल्ड एथलेटिक्स द्वारा 50,000 डॉलर का नगद पुरस्कार दिया जाएगा। इस ओलंपिक में तो सिर्फ स्वर्ण पदक विजेताओं को ही पुरस्कार मिलेंगे, लेकिन साल 2028 में लास एंजिल्स (अमेरिका) में होने वाले ओलंपिक खेलों में सभी तीनों पदकों के विजेताओं को नगद ईनाम दिया जाना शुरू होगा। हालांकि अभी यह तय नहीं हुआ कि ईनामों की यह धनराशि कितनी होगी?

भारत में भी बढ़ेगी धनराशि: वर्ल्ड एथलेटिक्स से प्रोत्साहित होकर भारत में भी ओलंपिक पदक विजेताओं को, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) नगद ईनाम देगा। आईओए के मुताबिक ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता को एक करोड़ रुपए का नगद पुरस्कार मिलेगा, जबकि रजत पदक विजेता को 75 लाख रुपए और कांस्य पदक विजेता को 50 लाख रुपए नगद मिलेंगे। पदक विजेताओं के लिए अभी तक सरकारी योजना के मुताबिक स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं को 50 लाख रुपए और कांस्य पदक विजेताओं को 30 लाख रुपए दिए जाते थे। गौरतलब है कि भारतीय ओलंपिक संघ ने अपने खिलाड़ियों को यह नगद धनराशि देना साल 2018 में ही शुरू कर दिया था। जब एशियाई खेलों में पहली बार स्वर्ण पदक विजेता को 5 लाख रुपए, रजत पदक विजेता को 3 लाख रुपए और कांस्य पदक विजेता को 2 लाख रुपए देने की घोषणा की गई थी। जो कि 2021 टोक्यो ओलंपिक के बाद बढ़ गई। इस तरह देखा जाए तो भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन ने विश्व एथलेटिक्स से पहले ही अपने खिलाड़ियों को नगद पुरस्कार देना शुरू कर दिया था।

व्यावहारिक जरूरत है नगद राशि : सवाल है क्या वाकई नगद पुरस्कार से खिलाड़ियों के खेल में कोई फर्क पड़ता है? सैद्धांतिक रूप से इसे भले कोई ना माने और आदर्शवाद के तहत कहा जाए कि पैसा सब कुछ नहीं होता, लेकिन अगर व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो पैसा वाकई बहुत कुछ होता है और एक ऐसे प्रतिस्पर्धात्मक युग में जब हर क्षेत्र में जबरदस्त चुनौतियां और कड़ी प्रतिस्पर्धाएं हों, तब तो नगद पुरस्कार ज्यादा जोखिम उठाने और अधिक कामयाबी पाने के लिए किसी को भी प्रेरित करता है। दरअसल, कोई भी खिलाड़ी अधिकतम 30-35 साल की उम्र तक ही खेल पाता है। कुछ बेहद एथलेटिक प्रतिस्पर्धाओं में तो 26-27 की उम्र होते-होते खिलाड़ी चुक जाते हैं। जब ये खिलाड़ी खेलना बंद कर देते हैं तो उन्हें वही दुनिया भूल जाती है, जो खेलने के दौरान और विजेता होने के समय उन्हें अपने सिर आंखों पर रखती है। अब चूंकि खिलाड़ियों की जिंदगी का सबसे प्राइम समय तो खेलों में गुजर जाता है, तो उनका कोई ठीक-ठाक करियर भी नहीं बनता। यही वजह है कि अतीत में एक-दो नहीं सैकड़ों खिलाड़ियों को एक उम्र के बाद जीवनयापन के लिए छोटी-छोटी नौकरियों से लेकर दैनिक मजदूरी तक करनी पड़ी है।

क्रिकेट में मिलता रहा है कैश प्राइज: पैसा किस तरह खेलों का स्तर ऊंचा करता है या कि यह कैसे खिलाड़ियों को 100 फीसदी से भी ज्यादा देने के लिए प्रोत्साहित करता है, इसका सबसे बढ़िया उदारहण भारत में क्रिकेट है। आज भारत में क्रिकेट बोर्ड अपनी राष्ट्रीय टीम के ए ग्रेड खिलाड़ियों को हर साल खेलने की फीस के बतौर 7 करोड़ रुपए देता है। बी और सी ग्रेड के खिलाड़ियों की भी क्रमश 5 करोड़ और 2 करोड़ रुपए तक मिलते हैं। इसके अलावा हर खिलाड़ी को खेले गए मैच के लिए अलग से फीस मिलती है और सभी तरह के दैनिक भत्ते मिलते हैं। हाल ही में टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम को बीसीसीआई ने 125 करोड़ रुपए का ईनाम दिया है, जो टी-20 विश्व कप के सभी खिलाड़ियों और स्टाफ के बीच बंटेगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हर खिलाड़ी के हिस्से कितना जबरदस्त अमाउंट आएगा। जबकि इस ईनाम के अलावा ट्रॉफी जीतने पर पुरस्कार के साथ-साथ ना जाने कितने पुरस्कार मिले हैं। इस नजरिए से ओलंपिक पदक विजेताओं को कैश प्राइज मिलना पूरी तरह सही है। *

ओलंपिक खेलों में प्रथम

पहला ओलंपिक खेल: 6 से 15 अप्रैल, 1896 तक एथेंस, ग्रीस में आयोजित।

प्रथम पुरुष चैंपियन: यूएसए के जेम्स ब्रेंडन कोनोली ने 6 अप्रैल, 1896 को ट्रिपल जंप में गोल्ड मेडल जीता।

प्रथम महिला चैंपियन: स्विट्जरलैंड की हेलेन डी पोर्टेल्स ने 22 मई, 1900 को पेरिस में, 1-2 टन वर्ग में नौकायन में गोल्ड जीता।

पहली बार ओलंपिक गान बजाया गया: संगीतकार स्पाइरोस समारास ने 1896 के एथेंस ओलंपिक में ओलंपिक गान का संचालन किया। तब से उनका गान ओलंपिक खेलों का आधिकारिक गायन बन गया है।

पहला ओलंपिक प्रतीक: सफेद मैदान पर नीले, पीले, काले, हरे और लाल रंगों से जुड़े ओलंपिक छल्ले को मूल रूप से 1913 में बैरन डी कोबेर्टिन द्वारा बनाया गया था। आपस में जुड़े हुए छल्ले पांच बसे हुए महाद्वीपों-अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप और ओशिनिया का प्रतिनिधित्व करते हैं। इसे पहली बार 1914 में मिस्र के अलेक्जेंड्रिया में फहराया गया था। प्रतीक और ध्वज की आधिकारिक शुरुआत 1920 में एंटवर्प ओलंपिक में हुई थी।

पहली बार ओलंपिक लौ जलाई गई: ओलंपिक लौ जलाने की शुरुआत 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक में की गई थी।

पहली बार ओलंपिक मशाल रिले: ग्रीस से ओलंपिक स्थल तक रिले प्रणाली के माध्यम से ओलंपिक मशाल की शुरुआत 1936 के बर्लिन ओलंपिक में हुई।

पहली बार ओलिंपिक शुभंकर का उपयोग: 1932 के लास एंजिल्स ओलंपिक में शुभंकर का अनौपचारिक रूप से उपयोग किया गया था। पहला आधिकारिक ओलंपिक शुभंकर 1972 म्यूनिख ओलंपिक में दिखाई दिया। इसका नाम 'वाल्डी' था, एक दचशुंड प्रजाति का डॉगी।

स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले अश्वेत एथलीट: 1908 के लंदन ओलंपिक में 4X100 रिले स्पर्धा में यूएसए के जॉन टेलर ने स्वर्ण पदक जीता।

प्रथम ओलंपिक अध्यक्ष: ग्रीस के डेमेट्रियोस विकेलास अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के पहले अध्यक्ष थे। ओलंपिक आंदोलन के संस्थापक फ्रांस के बैरन डी कूबर्टिन उस समय आईओसी के महासचिव थे। वह 1896 से 1925 तक इसके अध्यक्ष बने रहे।

पहला भारतीय स्वर्ण पदक: पुरुष हॉकी टीम ने अपना पहला ओलंपिक स्वर्ण पदक 1928 के एम्स्टर्डम ओलंपिक में जीता था।

आजादी के बाद भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक: 1948 के लंदन ओलंपिक में भारतीय फील्ड हॉकी टीम ने जीता।

आजादी के बाद भारत के लिए पहला व्यक्तिगत पदक: पहलवान खाशाबा दादासाहेब जाधव ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।

भारत के लिए पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक: अभिनव बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता।

पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला: कर्णम मल्लेश्वरी ने 2000 सिडनी ओलंपिक में भारोत्तोलन में कांस्य पदक जीता।

दादासाहेब जाधव

श्रीमती ब्रोही

अभिनव बिंद्रा

रे इवरी

कर्णम मल्लेश्वरी

जॉनी वीसमुल्लर

प्रस्तुतिः हरजीत सिंह

पेरिस में आयोजित दो पूर्व ओलंपिक खेल

1900 पेरिस ओलंपिक

- खेलों को एक्सपोजिशन यूनिवर्सल इंटरनेशनल- पांच महीने तक चलने वाले पेरिस विश्व मेले के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।
- इसमें कोई उद्घाटन और समापन समारोह आयोजित नहीं किया गया।
- महिला प्लेयर्स ने पहली बार ओलंपिक में भाग लिया। क्रोकेट में फ्रांस की श्रीमती ब्रोही और मिस ओहनियर खेलने वाली पहली प्लेयर्स थीं।
- हेलेन डी पोर्टेल्स 1-2 टन नौकायन स्पर्धा में स्विट्जरलैंड की विजेता टीम का हिस्सा बनकर पहली महिला ओलंपिक चैंपियन बनीं। टेनिस में पहली महिला व्यक्तिगत चैंपियन थीं, ब्रिटेन की चार्लोट कूपर। उन्होंने महिला एकल प्रतियोगिता और बाद में मिश्रित युगल स्पर्धा में भी जीत हासिल की।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के एल्विन क्रेंजलीन खेलों के स्टार थे। उन्होंने चार एथलेटिक्स स्पर्धाएं (60 मीटर, 110 मीटर बाधा दौड़, 200 मीटर बाधा दौड़ और लंबी कूद) जीतीं।
- रे इवरी जिन्होंने बचपन के पोलियो पर काबू पाया था, एक ही दिन में तीन प्रतियोगिताएं जीतीं- सभी स्टैंडिंग जंप इवेंट (स्टैंडिंग हाई जंप, स्टैंडिंग लांग जंप और स्टैंडिंग ट्रिपल जंप) में।
- यूएसए के एथलीटों ने 23 ट्रैक और फील्ड स्पर्धाओं में से 17 जीते, जबकि फ्रांस ने 100 से अधिक पदक अर्जित किए, जो किसी भी देश के लिए सबसे अधिक थे।

1924 पेरिस ओलंपिक

- ओलंपिक आदर्श वाक्य, 'सिटियस, अल्टियस, फोर्टियस', (स्विफर, हायर, स्ट्रांगर) पेश किया गया।
- समापन समारोह में तीन झंडे- अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का झंडा, मेजबान देश का झंडा और अगले मेजबान देश का झंडा फहराने की परंपरा भी शुरू की गई।
- यह खेल ओलंपिक आंदोलन के संस्थापक पियरे डी कूबर्टिन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया आखिरी खेल था।
- इन खेलों में पहली बार ओलंपिक गांव बनाया गया था।
- पावो नूरमी ने 1920 में जीते गए तीन स्वर्ण पदकों को जोड़ते हुए पांच स्वर्ण पदक जीते। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 10 जुलाई को हुआ। पहले उन्होंने आसानी से 1500 मीटर जीता, फिर महज 55 मिनट बाद वह ट्रैक पर लौटे और 5000 मीटर रेस जीता।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के जॉनी वीस्मुल्लर, जिन्होंने बाद में हॉलीवुड फिल्मों में टार्जन ऑफ द एप्स की भूमिका निभाई, ने अकेले 20 जून को तैराकी में दो स्वर्ण पदक जीते। उसी दिन उन्होंने वाटर पोलो में कांस्य पदक अर्जित किया।
- इन खेलों में संयुक्त राज्य अमेरिका ने सबसे अधिक स्वर्ण और समग्र पदक (45-27-27) जीते।

पहले ओलंपिक में '0' फीसदी थी महिलाओं की हिस्सेदारी, 128 साल बाद 49 प्रतिशत तक पहुंचा आंकड़ा, भारत की 46 महिला खिलाड़ी देंगी चुनौती

1896 में हुए थे पहले मॉडर्न ओलंपिक गेम्स

11,215 खिलाड़ी पेरिस में लेंगे हिस्सा

5,503 महिला खिलाड़ी

5712 पुरुष खिलाड़ी उतरेंगे मैदान पर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पहले मॉडर्न ओलंपिक गेम्स साल 1896 में हुए थे और इनमें महिलाओं की भागीदारी शून्य थी। ओलिंपिक के दूसरे एडिशन का मेजबान पेरिस था। तब पहली बार महिला खिलाड़ियों ने इन गेम्स में हिस्सा लिया था। साल 1900 के हुए पेरिस ओलिंपिक में 22 महिलाओं ने शिरकत की थी। छोटी सी उस शुरुआत के 124 साल के बाद अब ओलिंपिक में ऐसा पहली बार होने जा रहा है कि महिला और पुरुष खिलाड़ियों की भागीदारी लगभग 50-50 होगी। पेरिस ओलिंपिक के आयोजकों के ताजा आंकड़े बताते हैं कि इस बार इन खेलों में कुल 11,215 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इनमें 49% एथलीट महिलाएं (5,503) हैं जबकि 51 प्रतिशत (5712) पुरुष। टोक्यो ओलिंपिक में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी का आंकड़ा 47.2% था।

अमेरिकी दल में पुरुषों से अधिक महिला एथलीट

एक बार फिर अमेरिका का सबसे बड़ा दल पेरिस पहुंचेगा। अमेरिका 638 खिलाड़ियों को पेरिस भेज रहा है। इसमें 338 यानी 53 प्रतिशत महिलाएं हैं। एक छोटे से देश गुआम के दल में सात खिलाड़ी होंगे। इनमें से छह महिलाएं हैं। प्रतिशत के लिहाज से देखें तो उसके दल में 87.5 प्रतिशत महिला खिलाड़ी हैं जो सर्वाधिक हैं। लैंगिक समानता सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है।

40 फीसदी महिला अधिकारी

ओलिंपिक मिशन के प्रयासों से इन खेलों को संचालित करने वाले अधिकारियों में महिलाओं की संख्या भी काफी बढ़ी है। टोक्यो ओलिंपिक में लगभग 30 प्रतिशत टेक्निकल ऑफिशल्स महिलाएं थीं। पेरिस में इनकी संख्या बढ़कर 40 प्रतिशत हो गई है।

भारतीय दल में 117 में 46 महिला एथलीट

भारतीय दल (117) में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी 40% (46 खिलाड़ी) के आसपास है। रियो ओलिंपिक (2016) में भारतीय दल में 63 पुरुषों के मुकाबले 54 महिला खिलाड़ी थीं जो कुल भागीदारी का 46 प्रतिशत था। साल 2000 के ओलिंपिक से लेकर भारतीय दल में महिला खिलाड़ियों की भागीदारी केवल लंदन ओलिंपिक को छोड़कर बेहतर रही है। साल 2012 में लंदन गए 83 खिलाड़ियों में 23 महिला थीं।

भारतीय तीरंदाजी और नौकायन टीम पहुंची खेल गांव

पेरिस। पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के दल प्रमुख गगन नारंग ने शनिवार को सूचित किया कि तीरंदाजी और नौकायन दल खेल गांव पहुंच गई हैं और खिलाड़ी खेलों के इस महासमर में अपना अभियान शुरू करने के लिए उत्सुक हैं। तीरंदाजी और नौकायन दल ने शुक्रवार को पेरिस खेल गांव में प्रवेश किया और अपनी अंतिम तैयारियों में जुटी भारतीय पुरुष हॉकी टीम नीदरलैंड से शनिवार को खेल गांव पहुंचेगी। भारत के 117 खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में 20 स्पर्धाओं में हिस्सा लेंगे। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक आयोजित होंगे।

खबर संक्षेप

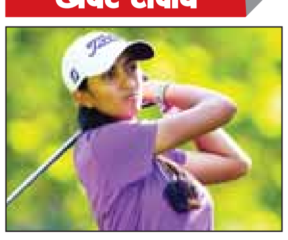

अदिति दाना ओपन में संयुक्त 13वें स्थान पर

सिलवानिया। पेरिस ओलंपिक में भाग लेने की तैयारी कर रही भारतीय खिलाड़ी अदिति अशोक एलपीजीए टूर पर दाना ओपन गोल्फ के दूसरे दौर में 72 का कार्ड खेलने के बाद संयुक्त 13वें स्थान पर है। शुरुआती दौर में 66 का कार्ड खेलने वाली अदिति दूसरे दौर में तीन बर्डी के मुकाबले दो बोगी और एक डबल बोगी कर बैठी। उनका कुल स्कोर छह अंडर का है। थाईलैंड की चानेटी वानासेन ने 36 होल के खेल के बाद 11-अंडर के स्कोर के साथ तालिका में शीर्ष पर है। उन्होंने दूसरे दौर में 65 का कार्ड खेला।

मुंबई के खिलाड़ियों ने जीते 17 पदक

मुंबई। उपनगरीय टेबल टेनिस संघ के मुंबई के खिलाड़ियों ने यहां महाराष्ट्र राज्य रैंकिंग टूर्नामेंट के शुरूआती चरण में सात स्वर्ण सहित 17 पदक अपनी झोली में डाले। चिन्मय सोमेया और रीथ रिष्या ने क्रमशः पुरुष और महिला एकल खिताब जीता जबकि शारवेया सामंत और आन्या चांदे ने लड़कों और लड़कियों के अंडर-19 एकल खिताब प्राप्त किये। अंडर-17 लड़कों के एकल वर्ग का खिताब ध्रुव शाह ने जीता। संघ के चार खिलाड़ियों ने महिलाओं के ड्रा में पदक जीते जिसमें रिष्या ने फाइनल में मधुरिका पाटकर को मात दी।

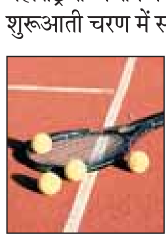

सुरक्षा हालात पर नजर रखे हुए है आईसीसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने कहा है कि वह बांग्लादेश में सुरक्षा हालात पर नजर रखे हुए हैं जहां अक्टूबर में महिला टी20 विश्व कप होना है। बांग्लादेश पुलिस ने सरकारी नौकरियों में कोटा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर छात्रों के प्रदर्शन के बाद हिंसा की घटनाओं को लेकर ढाका में कर्फ्यू लगा दिया है और सैन्यबल ने भी गश्त की है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने बताया, 'हम दुनिया भर में स्वतंत्री सुरक्षा समीक्षा करते हैं।

फर्स्ट क्लास में 577, लिस्ट ए में 251 और टी20 क्रिकेट में 172 विकेट

वोक्स ने चटकाया 1000वां विकेट वेस्टइंडीज के हॉज का पहला शतक

एजेंसी ▶▶| नॉटिंघम

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन मेजबान इंग्लैंड के तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने एक खास उपलब्धि हासिल कर ली है। क्रिस वोक्स ने 35 साल की उम्र में अपने कॅरियर में सभी फॉर्मेट को मिलाकर 1000 विकेट के आंकड़े को पार किया।

क्रिस वोक्स ने यह उपलब्धि अपने करियर के 50वें टेस्ट मैच में हासिल की है। वोक्स ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 577 विकेट अपने नाम किए हैं। इसके अलावा लिस्ट ए में 251 और टी20 क्रिकेट में 172 विकेट झटक कर 1002 विकेट तक पहुंचे। क्रिस वोक्स ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे मुकाबले में दमदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट अपने नाम किए।

बता दें कि क्रिस वोक्स पिछले लंबे समय से इंग्लैंड के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं। जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड के संन्यास के बाद अब लाल गेंद क्रिकेट में क्रिस वोक्स जैसे गेंदबाजों की उपयोगिता काफी बढ़ गई है। खास तौर से घरेलू मैदान पर क्रिस वोक्स जैसे गेंदबाज बहुत ज्यादा घातक साबित होते हैं।

इंग्लैंड ने बनाए थे 416 रन

दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ओली पोप की शतकीय पारी से 416 रन का स्कोर खड़ा किया था। ओली पोप ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 121 रनों की दमदार पार खेली। पोप के अलावा बेन डकेट ने 71 और कप्तान बेन स्टोक्स ने 69 रनों का दमदार योगदान दिया।

वेस्टइंडीज ने किया पलटवार

इंग्लैंड के खिलाफ नॉटिंघम के ट्रेंट ब्रिज में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने भी पलटवार किया है। इंग्लैंड के इस स्कोर के जवाब में वेस्टइंडीज ने भी पलटवार किया और पहली पारी में 41 रनों की बढ़त हासिल की। वेस्टइंडीज की तरफ से केवम हॉज ने 120 रनों की दमदार शतकीय पारी खेली, जबकि निचले क्रम में जोशुआ डि सिल्वा ने 82 रनों की नाबाद पारी खेलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों का दम निकाल दिया।

नायर और डसकाटे बन सकते हैं सहायक स्टाफ

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

गौतम गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद इस बात की चर्चा जोरों पर है कि टीम का सहायक स्टाफ कौन होगा। इसे लेकर कई पूर्व खिलाड़ियों के नाम चल रहे हैं, लेकिन अब तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि अभिषेक नायर और रयान टेन डसकाटे श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के साथ सहायक स्टाफ का हिस्सा बन सकते हैं। भारत के लिए तीन वनडे मैच खेलने वाले नायर और नीदरलैंड के ऑलराउंडर डसकाटे आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए गंभीर के साथ करीब से काम कर चुके है और माना जा रहा है कि ये दोनों भारतीय टीम के सहायक कोच होंगे। नायर को कोचिंग का काफी अनुभव है और उन्होंने दिनेश कार्तिक और रिंकू सिंह जैसे खिलाड़ियों के साथ काम किया है। डसकाटे फिलबाल मेजर क्रिकेट लीग में एलए नाइट राइडर्स के साथ काम कर रहे हैं। गंभीर ने खुले तौर पर डसकाटे को टीम के साथ जोड़ने की इच्छा जताई थी।

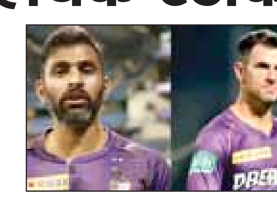

दिलीप बने रह सकते हैं फील्डिंग कोच

भारतीय टीम के गेंदबाजी कोच को लेकर अभी चीजें स्पष्ट नहीं हो पा रही हैं, लेकिन माना जा रहा है कि टी. दिलीप जो राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के दौरान फील्डिंग कोच की भूमिका निभा रहे थे, वह आगे भी फील्डिंग कोच बने रह सकते हैं। गंभीर ने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आर विनय कुमार, लक्ष्मीपति बालाजी और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्कल का नाम गेंदबाजी कोच के लिए बीसीसीआई को सुझाए हैं।

22 को रवाना होगी टीम

भारत को श्रीलंका के खिलाफ 27 जुलाई से सीमित ओवरों की सीरीज खेलनी है। भारत सूर्यकुमार यादव की अगुआई में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलेगा, जबकि रोहित शर्मा की कप्तानी में तीन मैचों की वनडे सीरीज खेलने उतरेगा। भारतीय टीम मुंबई से 22 जुलाई को चार्टर्ड फ्लाइट से कोलंबो रवाना होगी। नायर और दिलीप भी टीम के साथ जा सकते है, जबकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि डसकाटे टीम के साथ कब जुड़ेंगे।

मार्केज बने भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के मुख्य कोच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंडियन सुपर लीग टीम एफसी गोवा के वर्तमान प्रभारी स्पेन के मनोलो मार्केज को शनिवार को भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह बर्खास्त इगोर स्टिमक की जगह लेंगे।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति की शनिवार को यहां हुई बैठक में 55 साल के मार्केज को शीर्ष पद के लिए नियुक्त किया गया। मार्केज वर्तमान में आईएसएल टीम एफसी गोवा के मुख्य कोच हैं। एआईएफएफ ने एक बयान में कहा, 'समिति ने दिन के पहले फैसले में सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम के लिए नए मुख्य कोच की नियुक्ति पर विचार-विमर्श किया और तत्काल प्रभाव से इस पद के लिए मनोलो मार्केज का चयन किया।

मार्केज 2024-25 सत्र में एफसी गोवा के मुख्य कोच के रूप में अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह पूर्णकालिक आधार पर राष्ट्रीय टीम का कोच बनने से पहले दोनों जिम्मेदारियों को एक साथ संभालेंगे।' एआईएफएफ ने मार्केज के कार्यकाल का खुलासा नहीं किया।

पाकिस्तानी खिलाड़ियों को नहीं मिला एनओसी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सीनियर खिलाड़ियों बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और मोहम्मद रिजवान का ग्लोबल टी20 लीग खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए अनुरोध खारिज कर दिया। बोर्ड ने एक बयान में कहा, 'पीसीबी को बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी से वैश्विक टी20 लीग खेलने के लिए एनओसी का अनुरोध मिला था। अगस्त 2024 से मार्च 2025 तक पाकिस्तान के व्यस्त क्रिकेट कैलेंडर को देखते हुए और तीनों खिलाड़ियों तथा राष्ट्रीय चयन समिति से मशविरे के बाद उनका अनुरोध खारिज करने का फैसला किया गया है।'

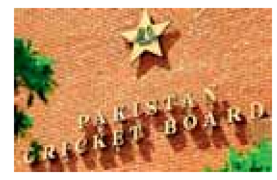

पश्चिम क्षेत्र हॉकी चैंपियनशिप 21 से

नई दिल्ली। दूसरी हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष और महिला पश्चिम क्षेत्र चैंपियनशिप 21 से 28 जुलाई तक छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में खेली जाएगी। प्रतिभागी टीमों को महिला वर्ग में दो पूल में बांटा गया है। पूल ए में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और गुजरात हैं जबकि पूल बी में महाराष्ट्र, राजस्थान, गोवा, दादरा और नगर हवेली और दमन एवं दीयू हैं।

एसओ भारत ने जीता प्रतिष्ठित गोथिया कप फुटबॉल टूर्नामेंट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

विशेष ओलंपिक भारत फुटबॉल टीम शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वीडन के गोटेनबर्ग में गोथिया कप चैंपियन बनी। यह प्रतियोगिता 14 से 18 जुलाई तक आयोजित की गई थी। टूर्नामेंट में पदार्पण करने वाली भारतीय टीम ने ग्रुप में अजेय रहते हुए ट्रॉफी अपने नाम की।

बौद्धिक रूप से कम विकसित खिलाड़ियों की एसओ भारत ने एसओ फिनलैंड के खिलाफ अपना पहला ग्रुप मैच 3-0 से जीता और इसके बाद एसओ जर्मनी पर 6-0 की बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने हांगकांग को 6-0 से हराया और फिर एसओ डेनमार्क के खिलाफ 3-1 से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। रोमांचक फाइनल में एसओ भारत ने एसओ डेनमार्क को 4-3 से मात दी। केरल के रहने वाले मुहम्मद शहीर ने टूर्नामेंट में सात गोल किए जो किसी भी भारतीय खिलाड़ी द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा गोल हैं।

मछुआरे के बेटे शहीर को साइकिलिंग और तैराकी सहित अन्य खेलों के साथ फुटबॉल का भी शौक है। शनिवार को स्वदेश लौटने पर टीम का यहां एक सम्मान समारोह में भव्य स्वागत किया गया जिसमें युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे, एसओ भारत की अध्यक्ष मल्लिका नड्डा और एसओ भारत की कोषाध्यक्ष उपासना अरोड़ा शामिल थीं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, जिला डिण्डौरी, (म.प्र.)

एनआईटी नं.– 11/2024/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ.(भ.)/.... जबलपुर दिनांक 10.07.2024

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स. क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू. में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2024_PWPIU_357746_1	जिला डिण्डौरी में निर्माणाधीन कार्यों के बाह्य विद्युतिकरण कार्य का जोनल निविदा (प्रथम आमंत्रण)	डिण्डौरी	79.72	79720.00	10000.00	12 माह वर्षाऋतु सहित

1 निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट **https:// mpeproc.gov.in** पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2 निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन–लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3 निविदा प्रपत्र केवल ऑन–लाईन दिनांक 16.07.2024 समय 09:30 से दिनांक 27.07.2024 समय 18:00 तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी बेबसाईट पर देखी जा सकती
4 निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग डिण्डौरी (म.प्र.)

G-13680/24

केनरा बैंक भारत सरकार का उपक्रम
Canara Bank A Government of India Undertaking
सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

वसूली विभाग, अंचल कार्यालय
7वां तल, अंसल टॉवर, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली–110019
फोनः 011-26292604; 26419921

मेगा ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है क्या है" और जैसी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन
बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया https://ebkray.in// में दिए गए लिंक "ई–नीलामी" मैसर्स पीएसबी एलायंस (EBKRAY), मोबाइल 8291220220 ईमेल– support.ebkray@psballiance.com का संदर्भ लें या केनरा बैंक की वेबसाइट www.canarabank.com में दिए गए लिंक "ई–नीलामी" को देखें।
आरक्षित मूल्य की 10 प्रतिशत की ईएमडी राशि को डिमांड ड्राफ्ट के माध्यम से प्राधिकृत अधिकारी के पक्ष में या नीचे वर्णित खाता नं. में आरटीजीएस/एनईएफटी/फंड ट्रांसफर के माध्यम से जमा कराई जानी चाहिए।

क्र. सं.	शाखा का नाम	कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल संपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	खाता नं. और IFSC कोड	ई–नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ)	ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपॉइंटमेंट लेकर सम्पत्तियों का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पत्ति व्यक्ति का नाम
1	एस ए एम शाखा दिल्ली	1. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालयः बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 2. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., यूनिटः गांव चावरपाटा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर, एमपी–487330 3. श्री योगेंद्र सिंह (गारंटर), बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 4. श्रीमती रितु सिंह (गारंटर), बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	3.61 एकड भूमि साथ में खसरा नं. 226 में शेड बिल्डिंग, जोकि गाँव ग्राम चावरपाठा, तहसील – तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश–487330 में स्थित, यह सम्पत्ति मैसर्स योगराज इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा लि. के नाम पर है। भौतिक कब्जे के तहत	रु. 543,99,12,610.97 और दिनांक 31.05.2019 से ब्याज एवं लागत इत्यादि	a. 1,57,00,000/- b. 15,70,000/- c. 1,00,000/- d. 19-07-2024	A/c No 209272434, A/c name- SL –OL- RTGS-NEFT PMT ENS 0 and IFSC Code CNRB0019208	07-08-2024 पूर्वा. 11:00 बजे से अपराह 01.00 बजे के बीच	05.08.2024 अपराह 05.00 बजे तक	03-08-2024 पूर्वाह 11.30 बजे से सायं 3.30 बजे के बीच श्री अमित कुमार, प्रबंधक (मो. 8979872232), श्री दर्शन कुमार गौतम, मुख्य प्रबंधक (मो. 7735448508), 011-35705069

इच्छुक बोलीदाता अन्य विवरण और संपत्तियों के निरीक्षण के लिए किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय के दौरान संपर्क कर सकते हैं।

दिनांक 19-07-2024, स्थान : नई दिल्ली
प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

नई कक्षाओं में प्रवेश के लिए अब तक नहीं कराया नामांकन

सत्र शुरु होने के बाद भी स्कूलों को 23 लाख छात्रों का इंतजार

जबलपुर। स्कूल शिक्षा विभाग भले ही कितने दावे करे , लेकिन यह सच है कि प्रदेश मे बच्चों की पढ़ाई से रुचि कम होती जा रही है। यह हम नहीं बल्कि विभाग के आंकड़े कह रहे हैं। नए शिक्षा सत्र को शुरू हुए दो माह का समय हो चुका है, लेकिन अब भी करीब 24 लाख ऐसे छात्र और छात्राएं हैं, जिनके द्वारा नई कक्षा में प्रवेश अब तक नहीं लिया गया है। इनमें सरकारी के अलावा निजी स्कूलों के भी छात्र और छात्राएं शामिल हैं। इनमें सबसे खराब स्थिति सरकारी स्कूलों की है।

यहां पर जिले में बीते साल की तुलना में इस वर्ष 1 लाख 22 हजार विद्यार्थियों का नामांकन कम हुआ है। स्कूल शिक्षा विभाग के जारी आंकड़े बताते हैं कि प्रदेश में स्कूलों में प्रवेश को लेकर सरकार के प्रयास कारगर साबित नहीं हो रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग के यह हाल तब बने हुए हैं, जबकि विभाग का ही बजट 33 हजार 532 करोड़ बजट है। वाले विभाग की स्थिति नवीन शैक्षणिक सत्र के दो महीने स्कूल लगने के बाद सामने आई है। नवीन शैक्षणिक सत्र 2024-25 की शुरुआत एक अप्रैल से हो चुकी है। एक महीने स्कूल लगने के बाद ग्रीष्मकालीन अवकाश शुरू हो गए थे। इसके बाद जून के तीसरे सप्ताह से दोबारा स्कूल खुल गए। करीब एक महीने स्कूलों में कक्षाएं लग चुकी हैं। इन आंकड़ों के सामने आने के बाद अब विभाग की नींद खुली तो ऐसे विद्यार्थियों को खोजकर नामांकन करवाने व नामांकित विद्यार्थियों की मेपिंग करवाने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी व निजी स्कूलों के हाल

प्रदेश में गत वर्ष की तुलना में 84.8 फीसदी ही नामांकन हुआ है, यानि 15.65 लाख से अधिक विद्यार्थियों की कमी है। इसी प्रकार शासकीय शालाओं में नामांकन भी गत वर्ष की तुलना में 87 फीसदी हो पाया है, अर्थात इसमें 8.18 लाख की कमी आई है। इसी प्रकार कक्षा 9 से 12 के नामांकन में भी 8.08 लाख की कमी आई है। कुल मिलाकर कक्षा 1 से 12 के नामांकन में 23.73 लाख की कमी है। प्रदेश की सभी कक्षाओं में कमी आयी है। विशेषकर बीते सयाल की तुलना में कक्षा 1 में कुल (शासकीय व निजी) 6.63 लाख, शासकीय शालाओं में 6.06 लाख, कक्षा 5 से 6 के बीच कुल (शासकीय व निजी) 1.87 लाख, शासकीय शालाओं में 0.82 लाख, कक्षा 8 से 9 के बीच कुल (शासकीय व निजी) 2.85 लाख, तथा कक्षा 10 से 11 के बीच कुल (शासकीय व निजी) 2.72 लाख की कमी बनी हुई है।

अब इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियमों के आधार पर कॉलेजों को मान्यता देने की तैयारी

मान्यता पाने वाले नर्सिंग कॉलेजों में परीक्षा के माध्यम से प्रवेश मिलेगा

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने निर्णय दिया है कि मध्य प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों को सत्र 2024 - 25 में इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) के मापदंडों के आधार पर मान्यता दी जाए। आईएनसी ने इस वर्ष के लिए 42 कॉलेजों को उपयुक्तता रिपोर्ट दी है। अब राज्य सरकार इन कॉलेजों का आईएनसी के मापदंडों के आधार पर निरीक्षण कराएगी।

मापदंड पूरा नहीं होने पर इनमें भी 10 से 15 कॉलेज बाहर हो सकते हैं। दरअसल, आईएनसी के मापदंड अभी तक चल रहे मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल के मापदंडों से कठिन हैं। उदाहरण के तौर पर नर्सिंग कॉलेज संचालित करने के लिए आईएनसी ने 23 हजार वर्गफीट जगह निर्धारित की है, जबकि मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल का मापदंड 18 हजार वर्गफीट का है। अन्य मापदंड भी कठिन हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2018 के पहले तक आईएनसी के मापदंड से ही कॉलेज संचालित हो रहे थे। बाद में प्रदेश ने अपने नियमों से मान्यता देना शुरू किया तभी से गड़बड़ी भी बढ़ गई।

हाईकोर्ट में मामला आने के बाद सख्ती शुरू

मध्य प्रदेश में सबसे अधिक 220 नर्सिंग कॉलेज वर्ष 2020-21 में खुले थे। इस पर भाजपा और कांग्रेस दोनों एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं कि विपक्ष की सरकार ने कॉलेज खोले थे। अब मामला हाई कोर्ट में पहुंचने के बाद अब सख्ती शुरू हुई है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2022-23 के बाद से नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश बंद है। अब 2024-25 के सत्र के लिए मान्यता शुरू होगी।

500 कॉलेजों की मान्यता पर होगा निर्णय

लगभग साढ़े 500 पुराने और नए कॉलेजों के निरीक्षण के बाद मान्यता पर निर्णय होगा। मान्यता पाने वाले कॉलेजों में परीक्षा के माध्यम से प्रवेश मिलेगा। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई जिन कॉलेजों को अपनी जांच में उपयुक्त बताएगी उनके लिए निरीक्षण की छूट भी हो सकती है। हालांकि, इस विषय पर अभी निर्णय भी होना है। बता दें कि जांच करने वाले सीबीआई अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेने का मामला सामने आने के बाद हाई कोर्ट ने न्यायिक दंडाधिकारी के साथ कॉलेजों की जांच के लिए सीबीआई को कहा है।

पर्यावरण विशेषज्ञों सहित विभिन्न संगठन आगे आए

टेलीकॉम फैक्ट्री ऑक्सीजन टैंक को बचाने किया मंथन

जबलपुर। टेलीकॉम फ़ैक्ट्री में भी विभिन्न संगठन एवं पर्यावरण विशेषज्ञ और जबलपुर के वरिष्ठ नागरिकों की उपस्थिति में टेलीकॉम फ़ैक्ट्री के जंगल को बचाने के के लिए योजना पर विचार विमर्श किया गया। पर्यावरण विशेषज्ञों के द्वारा इस परिसर के जैविक विविधता का आकलन किया गया था। पर्यावरणविद डॉक्टर विजय ने बताया कि यहाँ पर जो पहले ही से जो पेड़ हैं वो बरसों पुराने हैं। बरगद का पेड़ लगभग सौ वर्ष पुराना है कि इस पेड़ के काटने से हम सौ वर्ष पीछे चले जाएंगे यहाँ पर और वृक्षारोपण की ज़रूरत है और इसे बचाने की भी ज़रूरत है, यहाँ ऑक्सीजन बनाने वाले सैकड़ों जल पादप है।

डॉ पी जी नाजपांडे ने कहा है कि टेलीकॉम फ़ैक्ट्री को इसके हरित परिसर को बचाने के लिए उनकी बात नगर निगम के उच्च अधिकारियों से हुई नगर निगम को इस परिसर को अधिग्रहित करना चाहिए और इस अंदर इस ऑक्सीजन के स्रोत को बचाने का प्रयास करना चाहिए। डॉक्टर पवन स्थापक ने कहा कि यह जंगल परिसर नगर का हृदय स्थल है और ऑक्सीजन बैंक है कि इस जंगल के बिकने एवं कटने से अब जबलपुर में एयर क्वालिटी इंडेक्स में ख़तरनाक स्तर पर नीचे पहुँच जाएगा और पर्यावरण के लिए बहुत बड़ा ख़तरा होगा ऑक्सीजन के इस बैंक को बचाने के लिए जबलपुर के प्रत्येक नागरिक को आगे आना पड़ेगा नहीं तो वो दिन दूर नहीं है कि सोने के पहले आपको ऑक्सीजन सिलेंडर लगाकर सोना पड़ेगा। इस मुहिम को आगे चलाने के लिए अगली बैठक शीघ्र ही करने का निर्णय लिया गया जिसमें नगर के प्रत्येक क्षेत्र के लोगों को एवं विभिन्न सामाजिक संगठन, पर्यावरणविदों को आमंत्रित किया जाएगा। इस मुहिम को और आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक कॉलोनी में छोटी छोटी बैठकें आयोजित की जाएगी। डॉक्टर राजीव सक्सेना ने कहा कि शहर के स्वास्थ्य के लिए शहर के केंद्र में स्थित इस जंगल का रहना ज़रूरी है क्योंकि आप मेडिकल साइंस के अनुसार अगर वातावरण में ऑक्सीजन की कमी रहती है या पर्यावरण उतना शुद्ध नहीं रहता है तो उम्र जल्दी जल्दी बढ़ती है और इसलिए हम स्वस्थ रहें इस परिसर में और वृक्ष लगाने की आवश्यकता है। एडवोकेट विजय पांडे ने कहा है कि हमारा घर इस परिसर के भी क़ाफी क़रीब हैं और हम महसूस करते हैं कि बहुत गर्मी में भी इस परिसर के आस पास ठंडक का एहसास होता है ঘ डॉक्टर संजय छत्तानी ने कहा कि वो इस परिसर के बाजू से निकलने में ही ताजगी का एहसास होता है। प्रसिद्ध ग़ज़ल गायक कुलजीत सिंह संगर ने कहा कि अभी जब इस परिसर में आया हूँ तो मुझे एहसास हो रहा है कि इस परिसर में निश्चित रूप से ऑक्सीजन की अच्छी ख़ासी मात्रा है। संतोष विश्वकर्मा ने कहा जबलपुर के इस ऑक्सीजन टैंक की हर हालत में रक्षा की जाएगी क्योंकि यह न सिर्फ आज की ज़रूरत है बल्कि आगे आने वाली पीढ़ियों को इसकी ज़रूरत रहेगी।

मध्य प्रदेश नर्सिंग एसोसिएशन एवं इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तऱफ से डॉक्टर अमरेंद्र पांडे ने कहा कि डॉक्टर्स कम्युनिटी इस मुहिम में जबलपुर पर्यावरण संरक्षण मंच के साथ है क्योंकि हम जानते हैं कि ऑक्सीजन की कमी क्या होती है और इसका भलीभाँति अनुभव हम को कोविड के समय कर चुके हैं।

विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी राकेश सिंह ने कहा की जनहित के कार्यों में है हम इस मुहिम का समर्थन करते हैं। वास्तव में यह जंगल पूरे जबलपुर का भी ऑक्सीजन सप्लाई सेंटर है हम सब विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ता सरकार से निवेदन करते हैं कि इस जंगल को बेचने का है प्रस्ताव पर पुनर्विचार करें।

श्रीमती अनुपमा स्थापक ने कहा कि इस परिसर में इतने घने वृक्ष हैं कि यहाँ पर अगर इकोलॉजीकल पार्प और नेचर पार्प बनाया जाए तो बच्चों और बुजुर्गों को जबलपुर मैं एक अच्छा स्थान मिल जाएगा।

एडवोकेट अमित जायसवाल ने कहा कि अगर जबलपुर में जुगनू देखना है तो वो सर्फि इसी परिसर में देख सकते हैं क्योंकि ओर कही तो घना जंगल औरऑक्सीजन बची ही नहीं है।

कॉलेज विद्यार्थी वंशिका मालवीय ने बताया कि जबलपुर में एक अच्छे इकोलॉजीकल गार्डन की सख्त ज़रूरत है कि टेलीकॉम परिसर को बचाने की इस मुहिम में हम सभी कॉलेज विद्यार्थी एक साथ हैं।

जेड एच फ़ाउंडेशन ऑफ़ के श्री अनवर ने बताया कि जबलपुर में जिस तरह से कांक्रीट का जंगल बन चुका है ऐसे समय में इन घने वृक्षों का रहना बहुत ज़रूरी है। राकेश महाजन ने बताया कि इन घने वृक्षों के कारण इस पूरे क्षेत्र में ज़मीन में पानी का स्तर बहुत ऊपर है जबलपुर में अच्छी बरसात होने के लिए वृक्षों का बहुत योगदान है इस घने जंगलों में बहुत तरह पक्षी निवास करते हैं यह ईको लॉजिकल पार्प बनाने के लिए सर्वेत्तम स्थान है।

ग्राहक पंचायत संगठन से परविंदर बिंद्रा और उनकी टीम इस अवसर पर उपस्थित होगी हुई और उन्होंने कहा कि जबलपुर के पर्यावरण संरक्षण के लिए वो कटिबद्ध है।

डॉक्टर आयुष टंडन ने बताया कि मेरी राय में तो ये इतनी अच्छी ग्रीनरी वाली जगह हैं वहाँ पर हमें एक चिड़ियाघर भी बना सकते हैं जैसा कि भोपाल में चिड़ियाघर है जो तालाब के अपो]जिट उस रोड पे चलते जाइये एक तऱफ बढ़े जहाँ पे सब तरह के जानवर है इससे पब्लिक आएगी और बच्चों के लिए जो हमारे जबलपुर में कुछ भी नहीं है कि वो कहीं देख सकेंगे बहुत अच्छा वहाँ पे पार्प बना सकते हैं।

इस अवसर पर अजीत दुबे, अशोक तिवारी, शरत चंद्र पालन, एच पी तिवारी, राजवीर नयन, आलोक खरे, गोलू चौबे, डॉक्टर अर्पिता स्थापक, अपर्णा स्थापक, अंशुल विश्वकर्मा, संतोष विश्वकर्मा, स्टेडियम परिवार के लोग उपस्थित रहे।

आयोग ने संज्ञान लेकर जवाब मांगा

आयुर्वेदिक अस्पताल से मरीजों को क्यों नहीं दी जा रही दवाई

जबलपुर। शहर के गौरीघाट स्थित शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अस्पताल के ओपीडी में मरीजों द्वारा चेकअप कराने के उपरान्त डॉक्टर द्वारा जो दवा लिखी जा रही हैं और मरीजों से अस्पताल से लेने के लिए कहा जा रहा है, वह अस्पताल के दवाई काउंटर से नहीं मिल पा रही हैं। इतना ही नहीं डॉक्टर ने यदि एक माह की दवा अस्पताल से लेने के लिए लिखा है तो मरीज को 7 दिन की दवा ही दी जा रही है। इस स्थिति में मजबूरी वश मरीजो को बाहर प्राइवेट मेडिकल स्टोर्स से दवा खरीदनी ही पड़ती है। इस अंधेरगर्दी पर अंकुश लगाने वाले जिम्मेदार अधिकारियों का कहीं कोई अता-पता नहीं है। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्य पीठ भोपाल में सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष मनोहर ममतानी ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, जबलपुर के संभागीय आयुष अधिकारी एवं डीन शा.स्व. आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं चिकित्सालय से मामले की जांच कराकर, अस्पताल में मरीजों के लिए दवाओं की उपलब्धता के संबंध में प्रतिवेदन तथा चिकित्सकों द्वारा लिखी गई दवाइयां अस्पताल के बाहर प्रायवेट मेडीकल स्टोर से क्रय किये जाने की स्थिति उत्पन्न होने के संबंध में का प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

करंट लगने से वृद्ध की मौत

जबलपुर। विजयनगर थाना अतंर्गत सकार तपोभूमि कचनार सिटी में करंट लगने के कारण एक वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामलें की जांच कर रही है। विजयनगर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार सकार तपोभूमि, कचनार सिटी निवासी 65 वर्षीय गोपाल कृष्ण पटेल गत दिवस करंट लगने पर रात लगभग 8.30 बजे शैल्वी अस्पताल में लाया गया, जहां डॉक्टर ने चैक कर गोपाल कृष्ण पटेल को मृत घोषित कर दिया।

मामूली विवाद पर युवक की हत्या

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र के जलगांव में कुत्ते घूमने के मामूली विवाद पर एक युवक की हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि कुत्ते को यहां वहां टहलाने की बहस से विवाद शुरु हुआ था, जिसके बाद 5 लोगों ने युवक पर लाठी डंडे से हत्या कर दी गई। हत्या के बाद पूरे गांव में तनाव की स्थिति है पुलिस ने 3 आरोपियों को हिरासत में ले लिया, वहीं 2 फरार आरोपी फरार हैं। जिनकी तलाश जारी है। पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध धारा 296,115(2), 126(2),103,3 (5) बीएनएस 3(2) एससी/एसटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पनागर पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह चाचा रामवरन भुमिया का गांव के सचिन यादव से कुत्ता टहलाने की बात को लेकर झगड़ा हो गया था। ग्रामीणों के बीच- बचाव के बाद झगड़ा शांत हो गया था। रात 8:30 बजे अनुराग भुमिया, रामवरन भुमिया, अजय वंशकार, जतिन कोल और समीर चौधरी सुबह हुए विवाद में शांति समझौता के लिए सचिन यादव के घर पहुंचे थे। जहां बातचीत विवाद में बदल गई और सभी ने एकराय होकर लाठी डंडे से हमला कर दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240